खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-195

ISKCON ATTAPUR

अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ

संस्थापक आचार्य कृष्ण कृपामूर्ति ए सी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

इस्कॉन अत्तापुर

आप सभी को आमंत्रित करते है

5वीं श्री जगन्नाथ रथ यात्रा

शनिवार, 18 जुलाई 2026

रथ यात्रा - दोपहर 1:30 से सायं 6 बजे

कार्यक्रम स्थान - SNC कन्वेंशन

सायं 6 बजे से रात्रि 9 बजे — 56 भोग अर्पण, आरती, कीर्तन, रामायण कठपुतली शो तथा सभी के लिए महाप्रसाद

दोपहर 12 बजे रथ यात्रा का शुभारम्भ इस्कॉन अत्तापुर से

SNC कन्वेंशन, पिलर नम्बर 268

आओ थामे जगन्नाथ के रथ की डोर और चले वैकुण्ठ की ओर

आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित है

अधिक जानकारी के लिए संपर्क - 6309099908, 7983748776

इस्कॉन अत्तापुर, 220 MIG हुडा कालोनी, मुश्क महल रेसीडेंशल काम्प्लेक्स, अत्तापुर, हैदराबाद www.iskconattapur.com

हारर फिल्म द एक्सार्सिस्ट देखने से बिगडी दर्शकों की तबीयत

लास एंजेलस

हारर फिल्म द एक्सार्सिस्ट जिसे दुनिया की सबसे डरावनी फिल्मों में गिना जाता है। इस फिल्म को लेकर सालों से कई चौंकाने वाले दावे किए जाते रहे हैं। द एक्सार्सिस्ट 53 साल पहले यानी 1973 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कहा जाता है कि इसे देखने के दौरान कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई थी। कुछ लोग बेहोश हो गए, तो कुछ के बारे में दावा किया गया कि उन्हें खून की उल्टियां होने लगी थीं। यही वजह है कि आज भी यह फिल्म चर्चा का विषय बनी रहती है।

यह एक हारर और मिस्ट्री फिल्म है, जिसकी कहानी एक छोटी बच्ची और उसके शरीर में कथित तौर पर प्रवेश कर चुकी बुरी आत्मा के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म की कहानी, डरावने दृश्य और साउंड इफेक्ट्स उस समय दर्शकों के लिए बिल्कुल नए थे।

रिलीज के बाद लोगों में इसे देखने की जबरदस्त उत्सुकता थी। करीब 104.96 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 3,858.94 करोड़ रुपये की कमाई कर इतिहास रच दिया। फिल्म की कहानी एक मासूम बच्ची के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर एक बुरी आत्मा का साया हो जाता है। इसके बाद बच्ची का व्यवहार पूरी तरह बदल जाता है।

उसकी मां, जो एक मशहूर अभिनेत्री होती है, बेटी की अजीब हरकतों से परेशान होकर उसे कई डाक्टरों को दिखाती है। जब कोई इलाज काम नहीं आता, तो आखिर में वह एक पादरी की मदद लेती है, जो बच्ची से बुरी आत्मा को बाहर निकालने की कोशिश करता है।

इस फिल्म का हर सीन इतना खौफनाक है कि देखने वालों की रूह कांप जाती है। इस फिल्म को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट्स और चर्चाओं में दावा किया गया कि फिल्म के प्रदर्शन के दौरान कई दर्शकों की तबीयत अचानक खराब हो गई थी। कुछ लोग थिएटर में ही बेहोश हो गए, जबकि कुछ को घबराहट और उल्टी जैसी समस्याएं होने लगीं।

कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक दावा किया गया कि कुछ लोगों को खून की उल्टियां हुईं और कई दर्शकों को अस्पताल तक ले जाना पड़ा। वहीं, ब्रिटेन की कुछ पुरानी मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि फिल्म देखने के बाद कुछ लोगों की हार्ट अटैक से मौत हुई थी। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पूरी तरह पुष्टि नहीं हो पाई है। फिर भी इन घटनाओं ने फिल्म को लेकर रहस्य और डर दोनों को और बढ़ा दिया। इस फिल्म को लेकर एक और मशहूर दावा यह भी है कि इसकी शूटिंग के दौरान कई अजीब घटनाएं हुई थीं। कहा जाता है कि फिल्म से जुड़े कई कलाकारों और क्रू मेंबर्स की अलग-अलग कारणों से मौत हो गई या वे हादसों का शिकार हुए। अभिनेता जैक मैकगोवरन और अभिनेत्री वासिलिकी मालियारोस, जिनके किरदार फिल्म में मर जाते हैं, उनकी वास्तविक जीवन में भी फिल्म रिलीज के कुछ समय बाद ही मौत हो गई थी। इन घटनाओं के बाद कई लोगों ने फिल्म को शापित कहना शुरू कर दिया। हालांकि, इन दावों के पीछे कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

ईरान ने अमेरिकी महिला को रिहा किया, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा की खुशखबरी

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ईरान ने एक अमेरिकी महिला को रिहा कर दिया है।

उसे दिसंबर 2024 से ईरान में गलत तरीके से हिरासत में रखा गया था। ट्रंप ने उसकी पहचान नहीं उजागर की और न ही उनकी रिहाई की परिस्थितियों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी दी। उन्होंने इसके लिए ईरान का आभार जताया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर यह खुशखबरी साझा की। उन्होंने लिखा, ईरान ने एक अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है। उन्हें स्लीपी जो बाइडेन के कार्यकाल में दिसंबर 2024 में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। वह अब सुरक्षित रूप से ईरान से बाहर हैं और ठीक-ठाक हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका, ईरान के इस सद्भावनापूर्ण कदम की सराहना करता है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति की ट्रुथ सोशल पोस्ट के बाद महिला की पहचान के संबंध में व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति के बंधक मामलों के लिए विशेष दूत के कार्यालय से संपर्क किया गया। बाद में रिहा की गई महिला की पहचान उनके वकील ने डीना करारी के रूप में की। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार वकील जेरेड गेन्सर ने एक्स पर लिखा, मुझे यह बताते हुए खुशी और उत्साह हो रहा है कि मेरी मुवक्किल और अमेरिकी नागरिक डीना करारी अब आजाद हैं। वो दिसंबर 2024 से ईरान में झूठे आरोपों के कारण फंसी हुई थीं। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का धन्यवाद किया और कहा कि उनकी मुवक्किल अब सुरक्षित हैं और संयुक्त राज्य अमेरिका वापस लौट रही हैं। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि पिछले माह तक अमेरिकी सरकार ईरान में हिरासत में लिए गए कम से कम छह अमेरिकियों की स्थिति पर नजर रख रही थी। इनमें से दो को गलत तरीके से हिरासत में लिए गए लोगों के रूप में चिह्नित किया गया था।

नेपाल में कोशी नदी उफान पर, बैराज के 56 में से 21 फाटक खोले गए

काठमांडू। नेपाल में भारी बारिश के कारण कोशी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलप्रवाह 1

लाख 63 हजार क्यूसेक से अधिक पहुंचने के बाद प्रशासन ने बैराज के 21 फाटक खोल दिए। सुनसरी के पुलिस उपाधीक्षक चन्द्रबहादुर खड़का के अनुसार, गुरुवार सुबह तक कोशी बैराज पर नदी का जलप्रवाह 1 लाख 63 हजार 230 क्यूसेक दर्ज किया गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि पूर्वी नेपाल में लगातार वर्षा जारी रही तो नदी का जलस्तर और बढ़ सकता है। बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए कोशी बैराज के कुल 56 फाटकों में से 21 फाटक खोल दिए गए हैं। बैराज में 52 मुख्य फाटक और चार नहर फाटक हैं। कोशी बैराज नियंत्रण कक्ष के अनुसार, जब नदी का जलप्रवाह 1 लाख 50 हजार क्यूसेक से अधिक हो जाता है, तब संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बैराज पर लाल चेतावनी बत्तियां जला दी जाती हैं और लाल झंडे फहरा दिए जाते हैं। मानसून के दौरान तमोर, अरुण, सुनकोशी, दूधकोशी, तामाकोशी, भोटेकोशी और इन्द्रावती जैसी प्रमुख सहायक नदियों का पानी मिलने से कोशी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ जाता है। शुष्क मौसम में नदी का प्रवाह अपेक्षाकृत कम रहता है। कोशी नदी का बढ़ता जलस्तर नेपाल और भारत के निचले तटीय क्षेत्रों में बाढ़ और कटाव का खतरा बढ़ा रहा है ।

हाई-स्पीड रेल ने 5.3 सेकंड में हासिल की 800 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

बीजिंग। दुनिया भर में हाई-स्पीड रेल तकनीक को लेकर प्रतिस्पर्धा लगातार तेज होती जा रही है। एक

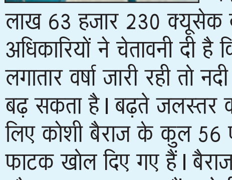

तरफ भारत अपने रेल नेटवर्क को आधुनिक बनाते हुए सेमी हाई-स्पीड और बुलेट ट्रेन परियोजनाओं को तेजी से गति दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ चीन ने मैग्लेव तकनीक के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करने का दावा किया है। चीन के वैज्ञानिकों ने चुंबकीय तकनीक से संचालित एक हाई-स्पीड मैग्लेव ट्रेन माडल को महज 5.3 सेकंड में 800 किलोमीटर प्रति घंटे की अविश्वसनीय रफ्तार तक पहुंचाकर नया विश्व रिकार्ड बनाने का दावा किया है। यह गति भारत में प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की संभावित रफ्तार से करीब तीन गुना अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के हुबेई प्रांत स्थित ईस्ट लेक लेबोरेटरी के वैज्ञानिकों ने 1110 किलोग्राम वजनी हाई-स्पीड रेल माडल का यह सफल परीक्षण किया है। इस अनूठे परीक्षण में ट्रेन को पारंपरिक पहियों के बजाय चुंबकीय उत्तोलन यानी मैग्नेटिक लेविटेशन (मैग्लेव) तकनीक की मदद से ट्रैक के ऊपर हवा में तैराया गया और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक प्रोपल्शन सिस्टम के जरिए बेहद तेज गति प्रदान की गई। वैज्ञानिकों का कहना है कि पिछले छह महीनों के भीतर इसी परीक्षण प्लेटफार्म पर बनाया गया यह तीसरा विश्व रिकार्ड है। इस सफल परीक्षण के बाद लगभग एक महीने तक विभिन्न तकनीकी मानकों की बारीकी से जांच की गई।

होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव, ईरान जा रहे खाली तेल टैंकर ने किया नाकाबंदी का उल्लंघन, अमेरिका ने मिसाइल दागकर रोका

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान के बंदरगाहों के खिलाफ की गई अमेरिका की नौसैनिक नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका ने नाकाबंदी का उल्लंघन कर ईरान की तरफ बढ़ रहे एक खाली तेल टैंकर (जहाज) पर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। यही नहीं, नाकाबंदी लागू होने के पहले 24 घंटों के दौरान नियमों का पालन करने वाले दो वाणिज्यिक जहाजों को खतरे से आगाह करते हुए उनका रास्ता बदल दिया। अमेरिका ने ईरान के सैन्य और रणनीतिक केंद्रों पर भी हवाई हमले किए हैं। कई शहरों में भीषण धमाके हुए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकाम) ने एक्स पर कहा कि ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश करने वाले खाली तेल टैंकर को बेकार कर दिया गया है।कुराकाओ के झंडे वाला टैंकर एमटी बेल्मा अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में खार्ग द्वीप की ओर जा रहा था। इस दौरान लगातार उसने चेतावनी को नजर अंदाज किया। एक अमेरिकी विमान ने जहाज की चिमनी (स्मोकस्टैक) पर हेलफायर मिसाइलें दागकर उसे बेकार कर दिया। खार्ग द्वीप ईरान के लिए आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है। ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी फिर से लागू होने के बाद से रोका गया यह पहला जहाज है।

आईआरजीसी को मिट्टी में मिलाने का वक्त

इस सबके बीच मध्य पूर्व के तनावपूर्ण हालात पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार शाम सिचुएशन रूम में शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई बढ़ाने के विकल्पों पर चर्चा की गई। ट्रंप ने कहा कि ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) को मटियामेट करने का समय आ गया है। कार्प्स के साथ बातचीत नहीं की जा सकती। उन्होंने दावा किया कि ईरान के कुछ अधिकारियों ने फोन करके मिलने की इच्छा जताई।

वेंस ने माना, मामला उलझा है

सेंटकाम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने बुधवार को ईरान के खिलाफ हवाई हमलों का नया दौर शुरू किया। अमेरिकी सेना ने दोपहर तीन बजे (पूर्वी समय) ईरान पर हमले कर उन सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाया, जिनका इस्तेमाल होर्मुज जलडमरूमध्य से स्वतंत्र रूप से गुजरने वाले जहाजों को धमकाने के लिए किया जाता है। अमेरिकी सेना ने ग्रेटर टुनब द्वीप को भी निशाने पर लिया है। इस बीच उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान के मामले में अमेरिका मूल रूप से सही रास्ते पर है पर यह मामला काफी उलझा हुआ है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका किसी अनिश्चितकालीन बमबारी अभियान में शामिल नहीं होगा।

कैंसर अस्पताल के पास गिरा प्रोजेक्टाइल

ईरान के कई इलाकों में बुधवार देर शाम (स्थानीय समय) धमाकों की आवाज सुनी गई। इनमें बंदर अब्बास बंदरगाह शहर और दक्षिणी शहर अहवाज और चाबहार शामिल हैं। सरकारी इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान ब्राडकास्टिंग (आईआरआईबी) के अनुसार, अहवाज में स्थित शहीद बघाई कैंसर अस्पताल के पास अमेरिकी हमले का एक प्रोजेक्टाइल गिरने से काफी नुकसान हुआ है। यहां भर्ती 211 मरीजों को जैसे-तैसे बाहर निकाला गया। बमबारी से आक्सीजन, वेंटिलेटर और जीवन बचाने वाले अन्य उपकरणों पर निर्भर मरीज भी प्रभावित हुए। बुधवार देररात ईरान के केशम द्वीप, बंदर अब्बास और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत की कुछ जगहों पर धमाकों की आवाज सुनी गई।

होर्मुज से 13 जहाज गुजरे

मरीन ट्रैफिक के डेटा से पता चलता है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद पिछले 24 घंटों में कम से कम 13 कमर्शियल जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरे। इनमें से आठ आठ फारस की खाड़ी में दाखिल हुए। युद्ध से पहले जलडमरूमध्य से रोजाना औसतन लगभग 110 जहाज गुजरते थे। इस बीच अमेरिकी सेना ने ईरान जाने वाले तीन जहाजों को रोककर ईरान के खिलाफ नौसैनिक नाकेबंदी के उपाय लागू किए, लेकिन ईरानी सेना ने कहा कि जब तक अमेरिका ईरान के नियमों को नहीं मानता तब तक होर्मुज जलडमरूमध्य बंद रहेगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि वह अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव बढ़ने को लेकर बहुत चिंतित हैं।

भारत समेत 5 देशों पर 100 प्रतिशत टैक्स लगाएगा अमेरिका, रुस से तेल खरीदने वालों के खिलाफ संसद में बिल पेश

वाशिंगटन

अमेरिका के सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों के खिलाफ एक नया प्रतिबंध बिल पेश किया है, जिसमें भारत पर भी 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी दी गई है। यह बिल 5 प्रमुख देशों - भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान के निर्यात पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाने का प्रस्ताव करता है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य रूस की ऊर्जा से होने वाली आय पर लगाम कसना और उस पर यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए दबाव बनाना है, जिससे वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक नई भू-राजनीतिक उथल-पुथल की आशंका बढ़ गई है। यह नया बिल अप्रैल 2025 में सीनेट में लाए गए सेंक्शनिंग रशिया एक्ट का एक नरम संस्करण है। पुराने बिल में 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, जिस पर अमेरिकी संसद में सहमति नहीं बन पाई थी। नए बिल में इस अधिकतम टैरिफ की सीमा को घटाकर 100 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, लेकिन इसका प्रभाव अभी भी काफी गंभीर हो सकता है। नए बिल के तहत खास तौर पर चीन, भारत, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान को लक्षित किया गया है, जो वर्तमान में रूसी कच्चे तेल के सबसे बड़े खरीदारों में से हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बिल को अपना समर्थन दिया है। रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम, जिनका हाल ही में निधन हो गया, ने इस बिल की रूपरेखा तैयार की थी, और ट्रंप ने कहा है कि यह बिल ग्राहम के सम्मान में लाया गया है। उन देशों को इस बिल के दायरे से बाहर रखा गया है जो रूस से अपनी कुल प्राकृतिक गैस की जरूरत का 15% से कम आयात करते हैं और इस निर्भरता को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठा रहे हैं।भारत के लिए इस नए टैरिफ का खतरा ऐसे समय में सामने आया है जब रूसी कच्चे तेल की उसकी खरीद रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। स्ट्रेट आफ होर्मुज में शिपिंग बाधित होने के कारण भारत को मजबूरन रूस का रुख करना पड़ा था। दरअसल, अमेरिका-इजरायल सैन्य हमलों के बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण खाड़ी देशों से आने वाले कच्चे तेल की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई थी।

कतर के अमीर से नेपाल के उपराष्ट्रपति की शिष्टाचार भेंट

काठमांडू। नेपाल के उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने कतर के अमीर (राजा) शेख तमीम बिन हमद अल थानी से दोहा में शिष्टाचार भेंट की। उपराष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, कतर यात्रा के दौरान दोहा स्थित लुसैल पैलेस में दोनों नेताओं के बीच उच्चस्तरीय मुलाकात हुई। उपराष्ट्रपति यादव कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल थानी के निधन पर नेपाल सरकार और नेपाली जनता की ओर से श्रद्धांजलि एवं संवेदना व्यक्त करने के लिए कतर पहुंचे हैं। भेंट के दौरान उन्होंने अमीर शेख तमीम, शाही परिवार तथा कतर की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए इस दुख की घड़ी में धैर्य और शक्ति प्रदान होने की कामना की। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति यादव ने नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल की ओर से भेजा गया शोक एवं संवेदना संदेश अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी को सौंपा। बैठक में नेपाली प्रतिनिधिमंडल के सदस्य तथा कतर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भारत व नेपाल ने की पनबिजली, बिजली व्यापार और ट्रांसमिशन परियोजनाओं की समीक्षा

काठमांडू

भारत और नेपाल के बीच ऊर्जा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पोखरा में भारत-नेपाल संयुक्त संचालन समिति (जेएससी) की 13वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल और नेपाल सरकार के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्रालय की सचिव सरिता दवाड़ी ने की।

इससे पहले संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 13वीं बैठक भी पोखरा में आयोजित हुई। इसकी सह-अध्यक्षता भारत के विद्युत मंत्रालय में संयुक्त सचिव (ट्रांसमिशन) पंकज कुमार और नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्रालय के संयुक्त सचिव संदीप कुमार देव ने की।

काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के बयान में कहा गया है कि बैठकों में भारत और नेपाल के बीच ऊर्जा क्षेत्र में जारी सहयोग की व्यापक समीक्षा की गई। इस दौरान पनबिजली परियोजनाओं के विकास, सीमा-पार बिजली व्यापार तथा विद्युत प्रसारण (ट्रांसमिशन) अवसंरचना से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

दोनों पक्षों ने 400 केवी गोरखपुर-न्यू बुटवल ट्रांसमिशन लाइन सहित नई ट्रांसमिशन लाइनों के निर्माण में हुई प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही, चल रही और प्रस्तावित विद्युत उत्पादन एवं ट्रांसमिशन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने तथा उन्हें सुगम बनाने के उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में भारतीय और नेपाली विद्युत ग्रिड के समन्वित संचालन, सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में सहयोग तथा नेपाली ऊर्जा विशेषज्ञों की क्षमता विकास जैसे विषय भी प्रमुखता से उठाए गए। संयुक्त संचालन समिति की बैठक से पहले 14 जुलाई को भारत के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने नेपाल के ऊर्जा, जलस्रोत एवं सिंचाई मंत्री बिराज भक्त श्रेष्ठ से शिष्टाचार भेंट कर ऊर्जा सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

दोनों देशों ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त संचालन समिति की बैठक के निष्कर्ष भारत-नेपाल ऊर्जा सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने तथा भविष्य की साझा ऊर्जा परियोजनाओं को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

किसान ने भेड़ियों से भेड़ों को बचाने तैयार की अनोखी पोशाक

मेलबर्न

यूरोपीय देश आस्ट्रिया के एक बुजुर्ग किसान ने भेड़ियों से भेड़ों को बचाने स्पेशल बाडी आर्मर तैयार किया है, जिसे देखकर लोग हैरान हैं। यह अनोखा मामला दक्षिणी आस्ट्रिया के फिलाच शहर के रहने वाले रुडोल्फ शौबाक का है। रुडोल्फ पिछले कई सालों से अपने देश और पड़ोसी देश जर्मनी में भेड़ियों के बढ़ते हमलों और उससे मरती भेड़ों की खबरों से बेहद दुखी थे। उन्होंने ठान लिया कि वे इन बेजुबान जानवरों को बचाने के लिए कुछ अलग करेंगे। लगातार 3 साल की कड़ी मेहनत, रिसर्च और कई तरह के डिजाइनों को आजमाने के बाद उन्होंने आखिरकार भेड़ों के लिए एक कामयाब प्रोटोटाइप यानी सुरक्षात्मक पोशाक तैयार कर ली। रुडोल्फ ने आस्ट्रिया की ऊंची आल्प्स पहाड़ियों पर बने कई फार्मों में भेड़ों को यह अजीबोगरीब कपड़ा पहनाकर इसका बकायदा टेस्ट भी किया है, जिसके बाद से इस पूरे प्रोजेक्ट को लेकर एक नया बखेड़ा खड़ा हो गया है। रुडोल्फ शौबाक का यह आइडिया बेहद सीधा और सरल था। वे एक ऐसा हल्का और मजबूत कवच बनाना चाहते थे जिसे पहनकर भेड़ें बिना किसी परेशानी के पहाड़ों पर घूम सकें, दौड़ सकें और घास चर सकें, लेकिन भेड़िए चाहकर भी उन्हें काट न पाएं। इसके लिए उन्होंने एक बेहद हल्के और मजबूत प्लास्टिक के जाल का इस्तेमाल किया, जिसके ऊपर चारों तरफ नुकीले और तेज कांटे लगाए गए हैं।

रुडोल्फ का दावा है कि जब भी कोई भूखा भेड़िया भेड़ पर हमला करने के लिए अपना मुंह खोलेगा, तो ये नुकीले कांटे उसके मसूड़ों और जीभ में इतनी बुरी तरह चुभेंगे कि दर्द के मारे वह तुरंत भेड़ को छोड़ देगा। उन्होंने स्थानीय मीडिया को बताया, भेड़िया एक बहुत ही समझदार और चालाक जानवर है, मुझे पूरा यकीन है कि एक बार कांटों का स्वाद चखने के बाद वह दूसरी बार किसी भेड़ को छूने की हिम्मत भी नहीं करेगा। हालांकि, रुडोल्फ का यह अनोखा आविष्कार आम जनता और खुद भेड़ पालने वाले किसानों को बिल्कुल रास नहीं आ रहा है। लगभग सभी लोगों ने इस तरकीब को बकवास, अव्यावहारिक और बेअसर बताया है। करीब 1,000 भेड़ें रखने वाले एक बड़े किसान रेने क्रूगर ने चेतावनी देते हुए कहा कि समय के साथ भेड़ के बड़े बाल इस प्लास्टिक के जाल में बुरी तरह उलझ जाएंगे, जिससे उन्हें भयंकर दर्द होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भेड़िए बेवकूफ नहीं होते, अगर उन्हें शरीर पर कांटों का कवच दिखेगा तो वे अपनी रणनीति बदलकर भेड़ के खुले हिस्सों जैसे उसके पैर, मुंह या आंखों पर हमला कर उसे मार डालेंगे। वहीं, कृषि संगठनों का कहना है कि हजारों भेड़ों को इतनी महंगी पोशाक पहनाना किसी भी किसान के बजट में नहीं है। फिलहाल बढ़ते विरोध को देखते हुए रुडोल्फ ने आस्ट्रिया में इसका टेस्ट रोक दिया है और वे दुनिया के किसी दूसरे कोने में इस जादुई पोशाक का लाइव टेस्ट की जगह ढूंढ रहे हैं। मालूम हो कि पूरी दुनिया में भेड़ पालन करने वाले किसान हमेशा जंगली भेड़ियों और खूंखार शिकारियों के आतंक से परेशान रहते हैं। रात के अंधेरे में शिकारी जानवर अक्सर अचानक हमला कर मासूम भेड़ों को अपना निवाला बना लेते हैं। इस नुकसान से बचने के लिए किसान सदियों से या तो ऊंची बाड़ लगाते आए हैं या फिर शिकारी कुत्तों का सहारा लेते हैं।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-195

पाक की लक्ष्मण रेखा

सऊदी पर हमला मतलब हम पर अटैक

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। सऊदी अरब और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने ईरान को संदेश दिया है कि यदि सऊदी अरब पर हमला होता है तो उसे पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा और यह इस्लामाबाद की रेड लाइन होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान को आशंका है कि यदि सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष तेज होता है, तो दोनों देशों के बीच हुए रक्षा सहयोग समझौते के कारण उसे भी इस संघर्ष में शामिल होना पड़ सकता है।

रक्षा समझौते के कारण बढ़ी पाकिस्तान की चिंता

पिछले वर्ष पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच आपसी रक्षा सहयोग समझौता हुआ था। इसके तहत हजारों पाकिस्तानी सैनिकों के साथ लड़ाकू विमानों का एक स्क्वाड्रन भी सऊदी अरब में तैनात है। यमन से लगने वाली सऊदी सीमा पर पाकिस्तानी सैनिक मौजूद हैं। ऐसे में यदि हूती विद्रोही सऊदी क्षेत्र पर हमले तेज करते हैं तो पाकिस्तानी सैनिक भी सीधे तौर पर इसकी चपेट में आ सकते हैं।

पाकिस्तान का मानना है कि हूती विद्रोही ईरान के समर्थन और निर्देशों के तहत काम करते हैं। इसलिए यदि हूतियों की ओर से सऊदी अरब पर नए हमले होते हैं, तो पाकिस्तान पर रक्षा समझौते के तहत सऊदी अरब का साथ देने का दबाव बढ़ सकता है।

पाकिस्तान ने ईरान को दिया संदेश

रॉयटर्स के अनुसार, एक पाकिस्तानी अधिकारी ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर कहा कि पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने ईरान को स्पष्ट संदेश दिया है कि सऊदी अरब पर हमला, पाकिस्तान पर हमला माना जाएगा। यह हमारी रेड लाइन है। हालांकि, इस संबंध में पाकिस्तान या ईरान की ओर से कोई आधिकारिक सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। ▶10पर

ईरान पर बड़ा हवाई हमला

वॉशिंगटन/तेहरान, 16 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच अमेरिकी सेना ने गुरुवार को लगातार पांचवीं रात ईरान पर नए हवाई हमले किए। अमेरिकी सैन्य कमान सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना था।

सेंटकॉम ने अपने बयान में कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के सैन्य ठिकानों और सैन्य क्षमताओं को निशाना बनाते हुए नई कार्रवाई शुरू की है। अभियान गुरुवार दोपहर (अमेरिकी समयानुसार) शुरू किया गया।

हमलों के तुरंत बाद ईरान के सरकारी टेलीविजन ने पुष्टि की कि अमेरिकी मिसाइलें होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट स्थित रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बंदर अब्बास और उसके आसपास के क्षेत्रों में गिरी हैं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने अब तक हमलों में हुए जान-माल के नुकसान या हताहतों की कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है। ▶10पर

बाब अल मंदेब बंद?

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच लाल सागर के प्रवेश द्वार बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को लेकर नई चिंताएं सामने आई हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अपने सहयोगी हूती विद्रोहियों को संकेत दिया है कि यदि अमेरिका उसके ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाता है, तो लाल सागर के समुद्री मार्ग को बंद करने की कार्रवाई की जाए। यदि ऐसा होता है तो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य प्रभावित हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पहले से प्रभावित रहने की स्थिति में बाब अल-मंदेब पर भी संकट गहराने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर गंभीर असर पड़ सकता है। मामले से जुड़े दो वरिष्ठ ईरानी सूत्रों और एक क्षेत्रीय सूत्र ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि ईरानी नेतृत्व के स्तर ▶10पर

प्रवासी महिला की संदिग्ध आत्महत्या

ससुराल पक्ष का सामाजिक बहिष्कार

ओम प्रकाश सिरवी

यादाद्री-भुवनगिरि, 15 जुलाई। यादाद्री-भुवनगिरि जिले में 13 जुलाई 2026 को एक प्रवासी महिला की कथित आत्महत्या का मामला समाज में व्यापक चर्चा का विषय बना हुआ है। पोसमपल्ली इलाके की घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक कथित ऑडियो और मृतका की खून से लथपथ बताई जा रही तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। हालांकि, इन सामग्रियों की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। दूसरी ओर, मृतका के पीहर पक्ष ने ससुराल पक्ष के खिलाफ स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सोशल मीडिया पर वायरल कथित ऑडियो में महिला आत्महत्या से पहले भावुक होकर अपने माता-पिता से माफी मांगती सुनाई दे रही है। ऑडियो में उसने ससुराल पक्ष पर मानसिक प्रताड़ना, मारपीट, गाली-गलौच, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करने तथा लगातार परेशान किए जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उसने अपने पति को भी पूरे घटनाक्रम में शामिल बताते हुए उस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल वायरल ऑडियो की सत्यता भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

सोशल मीडिया पर प्रसारित जानकारी के अनुसार, महिला ने एक बहुमंजिला इमारत से छलांग लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। हालांकि, आत्महत्या के वास्तविक कारण, घटनाक्रम और वायरल ऑडियो में लगाए गए आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

बताया जा रहा है कि मृतका अपने ससुराल पक्ष के संयुक्त परिवार के सबसे छोटे परिवार की सदस्य थी। आरोप है कि वह लंबे समय से पारिवारिक विवाद और कथित प्रताड़ना का सामना कर रही थी। इन सभी आरोपों की सत्यता का निर्धारण पुलिस जांच के बाद ही होगा। घटना की सूचना मिलते ही मृतका के पीहर पक्ष के लोग ससुराल पहुंचे और संबंधित पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान वायरल ऑडियो, मोबाइल रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान तथा अन्य उपलब्ध प्रमाणों का परीक्षण किया जा रहा है।

घटना के बाद हैदराबाद सहित विभिन्न क्षेत्रों में समाजबंधुओं में गहरा आक्रोश देखने को मिला। मृतका को न्याय दिलाने की मांग को लेकर समाज की एक विशाल बैठक आयोजित की गई, जिसमें हजारों समाजबंधुओं ने भाग लिया। बैठक में उपलब्ध तथ्यों और दोनों पक्षों से प्राप्त जानकारी पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद समाज ने सर्वसम्मति से ससुराल पक्ष का सामाजिक बहिष्कार करने का निर्णय लिया। निर्णय के अनुसार ससुराल पक्ष का समाज में हुक्का-पानी बंद रहेगा तथा उनसे किसी भी प्रकार का सामाजिक व्यवहार नहीं किया जाएगा। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि यदि समाज का कोई सदस्य इस सामूहिक निर्णय का उल्लंघन करता है तो उस पर 1 लाख रुपये का सामाजिक दंड लगाया जाएगा।

समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह निर्णय मृतका को न्याय दिलाने, पीड़ित परिवार के साथ एकजुटता प्रकट करने तथा भविष्य में महिलाओं के साथ कथित ▶10पर

ई-20 पेट्रोल से इंजन खराब

नई कार दो या पैसा!

रायपुर, 16 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में पेट्रोल में ई-20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित ईंधन) के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी बीच छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में ई-20 पेट्रोल के उपयोग से कार का इंजन खराब होने के मामले में उपभोक्ता आयोग ने ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। आयोग ने मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड और उसके अधिकृत डीलर को जिम्मेदार ठहराते हुए आदेश दिया है कि उपभोक्ता को 45 दिनों के भीतर उसी मॉडल की नई, ई-20 ईंधन के अनुकूल कार उपलब्ध कराई जाए। ऐसा नहीं करने पर कंपनी को वाहन की पूरी कीमत करीब 20.5 लाख रुपये तथा अन्य सभी संबंधित खर्च लौटाने होंगे। यह देश का पहला मामला माना जा रहा है, जिसमें ई-20 ईंधन से वाहन के इंजन को हुए नुकसान पर उपभोक्ता को राहत देने का आदेश दिया गया है। हालांकि, मारुति सुजुकी ने कहा है कि वह इस फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती देगी। कंपनी का दावा है कि संबंधित वाहन पहले से ही ई-20 ईंधन के उपयोग के लिए उपयुक्त था और आयोग का आदेश तथ्यों के अनुरूप नहीं है।

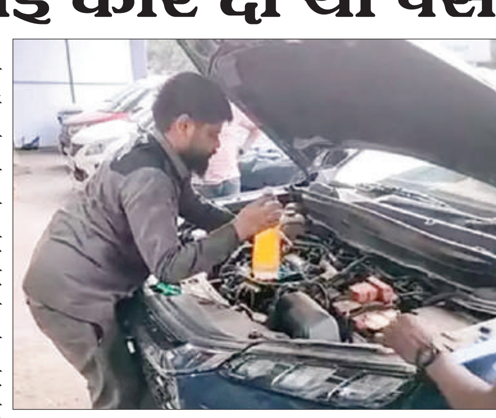

डीलर पर गलत जानकारी देने का आरोप

याचिकाकर्ता डॉ. प्रेमराज देबता ने बताया कि उन्होंने जून 2024 में मारुति सुजुकी की नेक्सा डीलरशिप से ग्रैंड विटारा स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड जेटा प्लस खरीदी थी। खरीद के समय डीलर ने वाहन का निर्माण दिसंबर 2023 का बताया, जबकि आयोग के रिकॉर्ड में यह वाहन जनवरी 2023 में निर्मित पाया गया।

डॉ. देबता प्रतिदिन 150 से 200 किलोमीटर तक यात्रा करते हैं, इसलिए उन्होंने हाइब्रिड कार खरीदी थी। शुरुआती पांच महीने तक वाहन सामान्य रूप से चलता रहा, लेकिन 11 नवंबर 2024 को अचानक डैशबोर्ड पर इंजन खराब होने की चेतावनी (इंजन मालफंक्शन) दिखाई दी और कार बीच रास्ते में बंद हो गई। डीलरशिप ने जांच के बाद इसे मिलावटी पेट्रोल की समस्या बताते हुए फ्यूल टैंक खाली कराया। निकाले गए पेट्रोल के निचले हिस्से में सफेद रंग का अलग पदार्थ जमा मिला। इसके बाद डॉ. देबता ने पेट्रोल पंप और कंपनी से शिकायत की, लेकिन जांच में पेट्रोल पंप का ईंधन मानकों के अनुरूप पाया गया। इसके बावजूद वाहन में बार-बार वही ▶10पर

नीट रिजल्ट जारी

बेटियों ने मारी बाज़ी

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने गुरुवार देर शाम नीट यूजी 2026 का परिणाम घोषित कर दिया। समय पर परिणाम जारी होने से मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश एवं काउंसलिंग की प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू हो सकेगी। अभ्यर्थी अपना स्कोरकार्ड आधिकारिक वेबसाइट neet.nta.nic.in पर जाकर देख सकते हैं। गौरतलब है कि इस वर्ष प्रश्नपत्र लीक होने के कारण नीट यूजी 2026 की परीक्षा दोबारा आयोजित की गई थी। री-नीट परीक्षा में देश और विदेश के लगभग 20 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा भारत के 551 शहरों तथा विदेश के 14 शहरों में स्थित 5,440 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई। इनमें से 11.21 लाख अभ्यर्थी एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष एवं अन्य संबद्ध मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सफल घोषित किए गए हैं।

छात्राओं ने फिर दिखाई श्रेष्ठता

एनटीए के अनुसार, सफल घोषित अभ्यर्थियों में 58 प्रतिशत से अधिक छात्राएं शामिल हैं। सफलता दर के मामले में भी छात्राएं छात्रों से आगे रहीं। परीक्षा में शामिल हुई 56.8 प्रतिशत छात्राएं सफल रहीं, जबकि छात्रों की सफलता दर 55.1 प्रतिशत दर्ज की गई।

715 अंकों के साथ दो अभ्यर्थी बने संयुक्त टॉपर

इस वर्ष 138 अभ्यर्थियों ने 720 में से 690 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें 93 प्रतिशत से अधिक अभ्यर्थी पहली बार नीट परीक्षा में शामिल हुए थे, जबकि 99 प्रतिशत टॉपर्स की आयु 17 से 19 वर्ष के बीच रही। देशभर में 19 अभ्यर्थियों ने 700 से अधिक अंक प्राप्त किए। इनमें पंजाब के आर्यन गुप्ता और हरियाणा के पांशुल बंसल ने 715 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 28[0]
न्यूनतम : 24[0]

मानसून सत्र में अयोध्या चढ़ावाकांड

कांग्रेस का राम राम

नई दिल्ली, 16 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी और पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का मुद्दा उठाएगी। इसके अलावा, सरकार के संशोधन बिलों का भी विरोध करेगी। यह फैसला गुरुवार को कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक में लिया गया। सोनिया गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे, शशि थरूर और जयराम रमेश समेत कई नेता शामिल हुए। बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 131वें संविधान संशोधन विधेयक, यानी परिसीमन से जुड़े बिल को लेकर पीएम मोदी को पत्र लिखा है। इसमें सरकार के संशोधित प्रस्तावों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की गई है।

महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान लागू करें तो पूरा समर्थन देंगे

जयराम रमेश ने कहा, संसद के आगामी मानसून सत्र में सरकार जिन प्रमुख विधेयकों को लाने की तैयारी कर रही है, उनका पार्टी पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आगे कहा, कई मुद्दे ऐसे हैं, जिन्हें हम विशेष रूप से उठाएंगे। जैसे चंदे की चोरी और विश्वासघात। प्रभु श्रीराम मंदिर के संबंध में रोज नए खुलासे हो रहे हैं।

हम अयोध्या में भाजपा और आरएसएस के रचे गए घोटाले का मुद्दा जरूर उठाएंगे। नीट और ई-20 घोटाला जैसे कई मुद्दे भी हैं, जिनमें कई वरिष्ठ भाजपा नेता और उनके बेटे शामिल हैं।

हमने 16 और 17 अप्रैल को वर्तमान लोकसभा में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटों के आरक्षण के संबंध में अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 में महिलाओं के लिए इस एक तिहाई आरक्षण का प्रावधान शामिल है। ▶10पर

जगन्नाथ चखानैन

पुरी रथयात्रा में भगदड, 1 की मौत

पुरी, 16 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में गुरुवार को आयोजित विश्वप्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य श्रद्धालुओं की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना शाम करीब 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान हुई, जब भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथों की ओर बढ़ने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यात्रा मार्ग पर तैनात स्वयंसेवक श्रद्धालुओं को पीछे हटाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान भीड़ में धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और कई लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। रथयात्रा शुरू होने के समय पुरी में तेज बारिश हो रही थी। इसके बावजूद लगभग 12 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा मार्ग पर मौजूद रहे। भीड़ और उमस के कारण कई श्रद्धालुओं को सांस लेने में तकलीफ हुई, जिन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने स्पष्ट किया कि रथयात्रा का आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ तथा किसी प्रकार की भगदड जैसी स्थिति नहीं बनी।

▶10पर

जानिये राशि के अनुसार आपको किस देवी-देवता की पूजा करनी चाहिये

मेष

मेष राशि का मालिक मंगल है। इसलिए अपने मंगल गृह को मजबूत करने के लिए मेष राशि वालों को भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

वृष

वृष राशि का गृह शुक्र है इसलिए वृष राशि वालों को लक्ष्मी के पूजा करनी चाहिए।

मिथुन

मिथुन राशि का मालिक गृह बुध है। बुध के देवता 'श्रीमननारायण' हैं। इसलिए बुध राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की आराधना करनी चाहिए।

कर्क

कर्क राशि का मालिक गृह चंद्रमा है। देवी गौरी चंद्रमा की देवी हैं। गौरी शांति और दया की देवी हैं इसलिए यदि आपकी राशि कर्क है तो आपको अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए देवी गौरी की पूजा करनी चाहिए।

सिंह

सिंह राशि का मालिक गृह सूर्य है और इस गृह के मालिक देवता भगवान शिव हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान है, अत: सिंह राशि वाले अपने भजनों और पूजा से भगवान शिव को रिझाएँ।

कन्या

कन्या राशि का गृह बुध है। विष्णु के अवतार भगवान 'श्रीमननारायण' बुध गृह के मालिक हैं, इसलिए कन्या राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की पूजा करनी चाहिए।

तुला

तुला राशि का मालिक शुक्र गृह है और शुक्र गृह की स्वामी देवी लक्ष्मी हैं। इसलिए आप देवी लक्ष्मी की आराधना करें, इससे सौभाग्य और धन-धान्य की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि का मालिक गृह भी मंगल है। इसलिए वृश्चिक राशि वालों को अपना मंगल मजबूत करने के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

धनु

धनु राशि का स्वामी वृहस्पति गृह है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं जो कि भगवान शिव के अवतार हैं, ये ज्ञान और बुद्धि के देवता है। इसलिए इनका प्रभाव प्राप्त करने के लिए धनु राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

मकर

इस राशि का स्वामी मंगल है। इसलिए मकर राशि वालों को भी सुख-समृद्धि के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

कुंभ

कुंभ राशि का स्वामी भी मंगल है। भगवान शिव मंगल के मालिक हैं, इसलिए कुंभ राशि वालों को पवित्र मन से भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

मीन

धनु राशि का मालिक गृह वृहस्पति है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं इसलिए मीन राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

रविवार को ना खाएं ये 5 वस्तुएं, वरना सूर्य देव का प्रकोप होगा आप पर

मसूर

मसूर में बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो मांस में पाए जाने वाले प्रोटीन की तुलना में भी बहुत अधिक होता है। अत: इसे 'देव भोग' अर्थात भगवान के प्रसाद के रूप में नहीं खाया जा सकता।

लाल साग

रविवार के दिन लाल साग खाना अशुभ माना गया है क्योंकि इस तरह के मिश्रित अल्पकालिक बारहमासी पौधे को वैष्णव धर्म में मृत्यु का प्रतीक माना गया है।

लहसुन

हालाँकि लहसुन ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए अच्छा माना गया है परन्तु इसे रविवार के दिन नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसे मृत व्यक्ति के पसीने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

मछली

यद्यपि मछली प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत मानी जाती है परन्तु रविवार के दिन इसे न खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह मांस है।

प्याज

प्याज एक प्रमुख सब्जी है तथा लगभग प्रत्येक घर में पाई जाती है। रविवार के दिन प्याज का सेवन करना अशुभ माना जाता है तथा इसे भगवान सूर्य को भी नहीं चढाया जा सकता।

कारण

जानिये कि रविवार के दिन इन 5 वस्तुओं का सेवन करना क्यों अशुभ माना जाता है। आजकल के समय में गौ हत्या को बहुत ही अधार्मिक माना जाता है परन्तु प्राचीन काल में इस पर कोई प्रतिबंध नहीं था।

गौमेद यज्ञ (1)-

ऐसा माना जाता है कि हिंदू कथाओं में गौमेद यज्ञ का उल्लेख मिलता है जिसमें गाय की बलि को एक अनुष्ठान माना जाता था। इसे बलवर्धक माना जाता था। एक बार एक साधु गौमेद यज्ञ करने का विचार करता है जिसमें सुबह गाय की बलि चढाकर उसे शाम तक पुनर्जीवित करने का प्रावधान होता है।

गौमेद यज्ञ (2)-साधु के पत्नी बहुत अधिक कमजोर थी। वह भूख सहन नहीं कर पाई। बहुत दिनों से वे फल और कंदमूल खाकर जीवन यापन कर रहे थे अत: उसने मारी हुई गाय के शरीर से एक टुकडा निकालकर उसे पकाने का निश्चय किया। परन्तु साधु की पत्नी को मांस की गंध सहन नहीं हुई अत: उसने मांस के टुकडे को जंगल में फेंक दिया जो बाद में दो टुकडों में विभक्त हो गया।

गौमेद यज्ञ (3)-बाद में जब शाम को साधु ने गाय को पुनर्जीवित किया तो जंगल में पडे हुए टुकडे भी पुनर्जीवित हो गए। पहला टुकडा जो जमीन पर गिरा था वह लहसुन बन गया और दूसरा टुकडा जो पास के तालाब में गिरा था वह मछली बन गया। जमीन पर पडी हुई रक्त की बूँदें मसूर की दाल में परिवर्तित हो गया और त्वचा प्याज के रूप में बदल गयी और हड्डियां लाल साग बन गयी।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति

श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है। इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है । इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ऊँ श्री हनुमंते नम:

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे। इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है

इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है

फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। फेंगशुई चीन की वास्तुकला मानी जाती है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। जिस प्रकार भारतीय वास्तु शास्त्र में प्रकृति के पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल और आकाश को महत्व दिया गया है, उसी प्रकार फेंगशुई में पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, धातु, जल और लकडी को महत्व दिया गया है। दोनों में मूलभूत अंतर यह है कि फेंगशुई में भारतीय वास्तु शास्त्र के तत्व वायु और आकाश की जगह लकडी और धातु को लिया गया है।

1.यदि आपको लग रहा है कि आपकी कमाई के सारे स्त्रोत बंद हो गए हैं तो तीन रंगों वाले फेंगशुई मेंढक (जिसके मुंह में सिक्के लगे हों) अपने घर में रखें। उसे इस तरह रखें कि उसकी पूरी दृष्टि आपके घर की ओर हो। ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि होगी और आपकी आय के नए दरवाजे खुलेंगे।

2.घर के मुख्य दरवाजे पर लाल रिबन में बंधे हुए फेंगशुई के 3 सिक्के लटकाने चाहिए। इससे घर में धन और समृद्धि आती है। सिर्फ तीन ही सिक्के लटकाएं और उन्हें दरवाजे के भीतर की ओर रखें। बाहर की ओर सिक्के लगाने से लक्ष्मी द्वार के बाहर ही ठिठक जाती है। सिक्के हमेशा मुख्य दरवाजे पर ही लगाएं।

3.फेंगशुई में कछुए को भी बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है। ध्यान रहे कि कछुए को ऑफिस या घर की उत्तर दिशा में रखना चाहिए। कछुए को रखते समय उसका चेहरा अंदर की ओर होना चाहिए। कछुए को कभी जोडे में नहीं रखना चाहिए।

4.फेंगशुई के नियम के अनुसार कछुआ कभी भी शयन कक्ष में नहीं रखना चाहिए। इसे रखने के लिए सबसे बेहतर स्थान घर का ड्राइंग रूम है।

5.कछुए को सूखे स्थान पर रखने के बजाय किसी बर्तन में पानी भर कर रखना चाहिए।

6.आर्थिक सफलता और कामयाबी के लिए घर में लाफिंग बुद्ध भी रखना चाहिए। इन्हें अपने घर में मुख्य द्वार से तिरछी तरफ रखें। बुद्ध समृद्धि के देव हैं। इनकी मुस्कान से घर में सुख और समृद्धि आती है।

मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है। सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। कुछ मंत्र जप एक ऐसा उपाय है जिससे माना जाता है कि कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। मंत्रों की शक्ति से सभी भलीभांति परिचित हैं।

मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है।

क्यों है सभी मंत्रों में ये मंत्र इतना दिव्य और चमत्कारी

गायत्री मंत्र:- ऊँ भूर्भुवः स्वः
तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्त।
मंत्र का अर्थः सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परामात्मा के तेज का हम ध्यान करते है, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सन्मार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें।

सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। इस जप से बहुत जल्द परिणाम प्राप्त हो जाते हैं। गायत्री मंत्र विद्या का प्रयोग भगवान की भक्ति, ब्रह्मज्ञान प्राप्ति, दैवीय कृपा प्राप्त करने के साथ ही सांसारिक एवं भौतिक सुख-सुविधाओं, धन प्राप्त करने की इच्छा के लिए भी किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र को वेदों को सर्वश्रेष्ठ मंत्र बताया गया है। इस मंत्र जप के लिए तीन समय बताए गए हैं। पहला सुबह सुर्योदय, मंत्र जप के लिए दूसरा समय है दोपहर मध्यान्ह का। तीसरा समय है शाम को सूर्यास्त के कुछ देर पहले मंत्र जप शुरू करके सूर्यास्त के कुछ देर बाद तक जप करना चाहिए। इन तीन समय के अतिरिक्त यदि गायत्री मंत्र का जप करना हो तो मौन रहकर या मानसिक रूप से जप करना चाहिए। शास्त्रों में इसके जाप की विधि विस्तृत रूप से दी गई हैं। इस मंत्र को जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करना श्रेष्ठ होता है। इस के जप से उत्साह एवं सकारात्मकता, त्वचा में चमक आती है, तामसिकता से घृणा होती है, परमार्थ में रूचि जागती है, पूर्वाभास होने लगता है, आर्शीवाद देने की शक्ति बढती है, नेत्रों में तेज आता है, स्वप्न सिद्धि प्राप्त होती है, क्रोध शांत होता है, ज्ञान की वृद्धि होती है।

विद्यार्थीयों के लिए-

गायत्री मंत्र का जप सभी के लिए उपयोगी है किंतु विद्यार्थियों के लिए तो यह मंत्र बहुत लाभदायक है। रोजाना इस मंत्र का एक सौ आठ बार जप करने से विद्यार्थी को सभी प्रकार की विद्या प्राप्त करने में आसानी होती है। विद्यार्थियों को पढने में मन नहीं लगना, याद किया हुआ भूल जाना, शीघ्रता से याद न होना आदि समस्याओं से निजात मिल जाती है।

दरिद्रता के नाश के लिए-

यदि किसी व्यक्ति के व्यापार, नौकरी में हानि हो रही है या कार्य में सफलता नहीं मिलती, आमदनी कम है तथा व्यय अधिक है तो उन्हें गायत्री मंत्र का जप काफी फायदा पहुंचाता है। शुक्रवार को पीले वस्त्र पहनकर हाथी पर विराजमान गायत्री माता का ध्यान कर गायत्री मंत्र के आगे और पीछे श्रीं सम्पुट लगाकर जप करने से दरिद्रता का नाश होता है।

संतान संबंधी परेशानियां

किसी दंपत्ति को संतान प्राप्त करने में कठिनाई आ रही हो या संतान से दुखी हो अथवा संतान रोगग्रस्त हो तो प्रात: पति-पत्नी एक साथ सफेद वस्त्र धारण कर यौं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर गायत्री मंत्र का जप करें। संतान संबंधी किसी भी समस्या से शीघ्र मुक्ति मिलती है।

शत्रुओं पर विजय

यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं के कारण परेशानियां झेल रहा हो तो उसे प्रतिदिन या विशेषकर मंगलवार, अमावस्या अथवा रविवार को लाल वस्त्र पहनकर माता दुर्गा का ध्यान करते हुए गायत्री मंत्र के आगे एवं पीछे क्लीं बीज मंत्र का तीन बार सम्पुट लगाकार एक सौ आठ बार जाप करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। मित्रों में सद्भाव, परिवार में एकता होती है तथा न्यायालयों आदि कार्यों में भी विजय प्राप्त होती है।

विवाह कार्य में देरी

यदि किसी भी जातक के विवाह में अनावश्यक देरी हो रही हो तो सोमवार को सुबह के समय पीले वस्त्र धारण कर माता पार्वती का ध्यान करते हुए ह्रीं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर एक सौ आठ बार जाप करने से विवाह कार्य में आने वाली समस्त बाधाएं दूर होती हैं। यह साधना स्त्री पुरुष दोनों कर सकते हैं।

नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है

विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं सत्यवादी बनिए। किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। व्यवस्थित जीवन जीने के लिए मनुष्य के जीवन में नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियम के बगैर मनुष्य का जीवन पशु से भी बदतर माना जाता है।

नियम पालन और कुछ नहीं, बल्कि अनुशासन में रहना है। जिस व्यक्ति के जीवन में अनुशासन है, वे अपने सभी काम सही समय पर और सही तरीके से करते हैं, जिससे सफलता उनके कदम चूमती है। इसके विपरीत अनुशासन के बगैर व्यक्ति कभी खुशहाल जीवन नहीं जी सकता।

ऐसा इसलिए, क्योंकि नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है। इस कराण उसका जीवन कई तरह के संकटों से घिर जाता है। प्रकृति के सारे कार्य नियमबद्ध तरीके से होते हैं। जिस तरह सूर्य नित्य उदित होता है और चंद्रमा अपनी चांदनी बिखेरता है, उसी तरह मनुष्य को भी आलस्य को त्यागकर अपने जीवन में नियमों का पालन करना चाहिए। जीवन को नियम के अधीन कर देना आलस्य पर विजय पाना ही है। जब प्रकृति नियमों के प्रति इतनी सजग व अडिग है, तो मनुष्य को इससे छूट कैसे मिल सकती है। कभी-कभी प्रकृति जब अपने नियम से हटती है। हालांकि ज्यादातर बार इसकी वजह मनुष्य द्वारा किया गया खिलवाड ही होता है-तब विकराल घटनाएं घटित होती हैं। इसी तरह जो व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता, उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और ऐसा मनुष्य मुसीबतों से घिर जाता है। मनुष्य द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक कार्य के लिए नियम हैं और जो व्यक्ति अपने कर्म में इन नियमों का पालन करता है, उसका जीवन सुखी व्यतीत होता है। विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं कि सत्यवादी बनिए। इसका आशय है किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। चाहे यह किसी को अच्छा लगे या न लगे। सत्य के लिए सब कुछ छोडा जा सकता है, लेकिन सच को किसी भी चीज के लिए नहीं छोडा जा सकता। इसी तरह पवित्रता और परमार्थ के बारे में उन्होंने कहा था, ये जहां कहीं भी उपस्थित होंगे, ऐसी कोई ताकत नहीं है, जो उस व्यक्ति को हिला सके। इनसे युक्त होने पर व्यक्ति संपूर्ण ब्रहमांड के विरोध का सामना करने में सक्षम हो जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को नियम पालन को अपना धर्म मानना चाहिए।

हेल्थ सेक्टर में बढ़ी प्रोफेशनल्स

डॉक्टरों को भगवान के बराबर दर्जा दिया जाता है, क्योंकि मरीजों की जान बचाने और स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती हैं, लेकिन किसी कारणवश अगर आप डॉक्टर नहीं बन पाते तो आप हेल्थकेयर सेक्टर की दूसरे विंग के साथ जुड़कर अपनी यह मुराद पूरी कर सकते हैं। हेल्थ केयर सेक्टर के तहत आने वाले कोर्सेज में नौकरियों के अवसर ही अवसर हैं। इसके तहत आने वाले कोर्सेज मुख्य रूप से रेडियोग्राफी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, नर्सिंग, जैसे कई फील्ड शामिल हैं। खास बात यह कि इसके तहत कई जॉब ओरिएंटेड कोर्सेज भी चला जा रहे हैं। इन कोर्सेज को पढ़ने के लिए उम्मीदवार फुल टाइम क्लासेज का विकल्प चुन सकते हैं।

मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजी

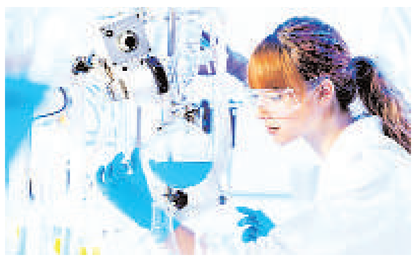

मेडिकल लैब टेक्नीशियन, डॉक्टरों के निर्देश पर काम करते हैं, उपकरणों के रख-रखाव और कई तरह के काम इन्ही के जिम्मे होता है। लेबोरेट्री में नमूनों की जांच और लैब में काम आने वाला घोल भी यही टेक्नीशियन बनाते हैं, इन्हें मेडिकल साइंस के साथ-साथ लैब सुरक्षा नियमों और जरूरतों के बारे में पूरा ज्ञान होता है। लैब टेक्नीशियन नमूनों की जांच का काम करते हैं, लेकिन वे इसके परिणामों के विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित नहीं होते नमूनों के परिणामों का विश्लेषण पैथोलजिस्ट या लैब टेक्नोलॉजिस्ट ही कर सकता है।

रेडियोलॉजी-एक्सरे टेक्नोलॉजी

रेडियोग्राफर मरीज के शरीर के उस हिस्से का

एक्स रे लेता है जो रोगग्रस्त होता है ये एक्स रे उपचार में काफी सहायक होते हैं। अस्पताल, नर्सिंग होम्स, डायग्नोस्टिक सेंटर, क्लीनिक, मिलिट्री सर्विस, शिक्षा संस्थानों, रिसर्च लैबोरेटरी के अलावा इनकी मांग सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में होती है। केवल भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हेल्थ सेक्टर में विशेषज्ञ तथा ट्रेंड रेडियोलॉजिस्ट की काफी आवश्यकता महसूस की जा रही है। अमेरिकन सोसायटी ऑफ रेडियोलॉजी की रिपोर्ट पर गौर करें तो सालाना 16 प्रतिशत की दर से इसमें बढ़ोत्तरी की संभावना है, जाहिर है ऐसे में रोजगार की संभावना भी बढ़ेंगे। हाल ही में एक रिपोर्ट आई है जिससे पता चलता है कि सरकारी और गैर सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कितनी डिमांड है।

ऑप्थेलमिक असिस्टेंट

ऑप्थेलमिक टेक्नीशियन बनने के लिए आपको

डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करना जरूरी है। एक ऑप्थेलमिक असिस्टेंट का काम आंखों की डाइग्नोसिस के साथ-साथ ट्रीटमेंट व बचाव का प्रशिक्षण देना है, इसके अलावा क्लीनिकल डाटा इकटठा करना, पेशेंट के रिकार्ड को मेंटेन करने का जिम्मा भी होता है। ऑप्थेलमिक के तहत कई तरह की आंखों से संबंधित क्लीनिकल फंक्शन किए जाते हैं। ऑप्थेलमिक असिस्टेंट आई डॉक्टर को पेशेंट की हिस्ट्री और कई तरह की तकनीकी जांच में मदद करता है।

नर्सिंग

हेल्थ सेक्टर के तहत आने वाला यह एक बेहद लोकप्रिय प्रोफेशन है और मेडिकल केयर का अहम हिस्सा भी हैं। जनरल वॉर्ड से लेकर ऑपरेशन थियेटर तक नर्सिंग स्टाफ एक रोगी की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज रोजगार की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हेल्थ डिपार्टमेंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हेल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सेक्टर मेडिकल डिपार्टमेंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन

मेडिकल के क्षेत्र में ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन के रूप में उज्वल करियर बनाया जा सकता है। अपरेशन थियेटर टेक्नीशियन का काम कम महत्वपूर्ण नहीं है, इसमें ऑपरेशन टूल्स से लेकर ऑपरेशन थियेटर की हाइजीनिक सफाई तक का विशेष ध्यान रखना शामिल है। ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन धैर्यपूर्वक डॉक्टरों की मदद करता है, वह इस बात का पूरा ध्यान रखता है कि ऑपरेशन थियेटर पूर्णरूप से बैक्टीरिया तथा वायरस से मुक्त हो। ऑपरेशन थियेटर की समय-समय पर तकनीकी रूप से सफाई करवाने का जिम्मा भी ऑपरेशन थियेटर टेक्नीशियन का ही होता है।

योग्यता

हेल्थ सेक्टर के तहत आने वाले इन कोर्सेज में एडमिशन के लिए डिप्लोमा, डिग्री, मास्टर्स डिग्री और पीएचडी जैसे कोर्सेज किए जा सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन लेने के लिए कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। वहीं डिग्री कोर्स के लिए न्यूनतम योग्यता केमिस्ट्री, फिजिक्स और बायोलॉजी/मैथ विषयों में कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना चाहिए।

अवसर

डीपीएमआई की प्रिंसिपल के मुताबिक हेल्थ सेक्टर्स में आज कई लाख प्रोफेशनल्स की डिमांड है। निजी एवं सरकारी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर्स, मेडिकल कॉलेजों, इमेजिंग सेंटर्स, इंटरनेशनल हेल्थ एजेंसियों जैसे डब्लूएचओ, यूनिसेफ, रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ रेडियोलॉजी व एटॉमिक रिसर्च सेंटर्स में नौकरी के मौके उपलब्ध हैं, विदेशों में भी इन प्रोफेशनल्स की भारी डिमांड है।

वेतन

हेल्थ सेक्टर से जुड़े प्रोफेशनल्स की आज पूरी दुनिया में डिमांड है अमेरिका, कनाडा, यूके, यूएई जैसे खाड़ी देशों में भी अवसर मौजूद हैं। इन प्रोफेशनल्स का वेतन उनकी कुशलता और अनुभव के अनुसार तय किया जाता है, शुरुआती वेतन 15 हजार रुपए से होता है। स्किल्स और अनुभव के साथ सैलेरी में इजाफा होता चला जाता है। विदेश में काम करने वाले प्रोफेशनल्स की सैलरी ज्यादा होता है।

प्रमुख संस्थान

- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन, मुंबई
- निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेज, लखनऊ

संभालकर बनाएं आर्ट रेस्टोरेशन में करियर

आर्ट रेस्टोरेशन , नाम सुनकर हो सकता है यह आपको थोड़ा नया लगे लेकिन क्या आपको हिट फिल्म लव आजकल में दीपिका पादुकोण का किरदार याद है ? जिसमें दीपिका ने आर्ट रेस्टोरेटर मीरा पंडित की भूमिका निभाई है। इस यादगार किरदार के साथ ही ऑन डिमांड करियर बन गया है आर्ट रेस्टोरेशन।

यह करियर प्रोफेशनल पेंटिंग का ही एक अलग रूप है, जिसमें पुरानी हवेलियों या किलों की खराब हो चुकी आर्ट को फिर से नया बनाया जाता है। प्राचीन कलाकृतियां, मूर्तियां, पेंटिंग्स आदि किसी भी देश की अमूल्य धरोहर समझी जाती हैं। कलाकृतियों के संरक्षण व रख-रखाव का यह कार्य आर्ट-रेस्टोरर द्वारा किया जाता है।

योग्यता : आर्ट- रेस्टोरर बनने के लिए फाइन आर्ट तथा रसायन विज्ञान में स्नातक होना अनिवार्य है। इस क्षेत्र में दो साल का मास्टर डिग्री कोर्स कराया जाता है। जिसके तहत आपको पेंटिंग रेस्टोरेशन, मेटल वर्क, टेक्सटाइल, पेपर वर्क और मैन्यूस्क्रिप्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाती है। योग्यता कंजर्वेशन में मास्टर डिग्री कोर्स करने के लिए आपके पास केमिस्ट्री, जियोलॉजी, फिजिक्स, बॉटनी, जूलोजी, कंप्यूटर साइंस, फाइन आर्ट्स, हिस्ट्री,

हिस्ट्री ऑफ आर्ट, आर्किटेकचर, आर्कियोलॉजी, म्यूजियोलॉजी में से किसी एक विषय में ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए। इससे संबंधित कोर्स करने के लिए फीस भी बहुत ज्यादा नहीं है। कुछ संस्थानों में स्कॉलरशिप भी ऑफर की जाती है।

संभानाएं: ऐतिहासिक इमारतों को संजोकर रखने में पुरातत्व विभाग के रेस्टोरर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रेस्टोरेशन का काम सिर्फ सरकारी विभागों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने एक उद्योग का रूप ले लिया है। जॉब की संभावनाएं इस कोर्स को करने के बाद आपको आर्ट गैलरी, म्यूजियम सहित कई जगहों पर काम मिल जाता है। शुरू में आपको अनुभव हासिल करने के लिए किसी अच्छे आर्ट रेस्टोरर के साथ काम करना पड़ सकता है। कुछ साल का अनुभव होने के बाद आप अपना प्राइवेट वर्क भी शुरू कर सकते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की लाइब्रेरी में भी आपको मौका मिलता है। कोर्स को करने के बाद आपको सरकारी नौकरी भी मिलती है।

प्रमुख संस्थान: नेशनल म्यूजियम इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

प्रवेश: एडिटंग से संबंधित कोर्स में एडमिशन लेने के लिए किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएट होना आवश्यक है। शॉर्ट- टर्म कोर्स के लिए कम से कम बारहवीं उत्तीर्ण होना जरूरी है। कंप्यूटर की बेसिक नॉलेज रखने वालों को इसे सीखने में आसानी होती है। इसके अलावा आपमें क्रिएटिविटी और संगीत की समझ होने की भी जरूरत होती है।

संभावनाएं: एलएलई कोर्स करने और इसमें कुशलता हासिल करने के बाद विभिन्न चैनल्स न्यूज एवं एंटरटेनमेंट, प्रोडक्शन हाउस और फिल्म कंपनियों में आसानी से काम मिल जाता है। कोर्स करने के बाद प्रोडक्शन हाउस या टेलीविजन चैनल में आकर्षक वेतन मिलता है। कुल मिलाकर इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- डिपार्टमेंट ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे
- सिंहगढ़ कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, पुणे
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- नेशनल रिसर्च लैबोरेटरी फॉर कंजरवेशन ऑफ कल्चरल प्रॉपर्टी, लखनऊ

कॉलेज प्लेसमेंट में पाना चाहते हैं मोटी सैलरी, तो करें ये काम

जब भी हम किसी कॉलेज या यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए अप्लाई करने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहला ख्याल जो दौरान हमारे दिमाग में आता है, वो होता है %प्लेसमेंट%. जो भी छात्र एडमिशन के लिए अप्लाई करता है उनकी शीर्ष प्राथमिकताओं में कॉलेज प्लेसमेंट सबसे ऊपर होती है. बहुत से छात्र बेहतर भविष्य के लिए कॉलेज प्लेसमेंट पर निर्भर होते हैं. ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपको मिले मोटा पैकेज, तो प्लेसमेंट के दौरान जरूर रखें इन बातों का ध्यान...

कभी न हो लेट

समय पर न पहुंचने वालों का हर एक जगह खराब इम्प्रेशन ही पड़ता है. फिर चाहे बात कॉलेज प्लेसमेंट की ही क्यों न हो. इंटरव्यू राउंड में देरी से पहुंचने वालों के सेलेक्ट होने के चांसेज न के बराबर रह जाते हैं, क्योंकि एक एचआर को इंटरव्यू के दौरान देरी से पहुंचने वाले उम्मीदवार बिलकुल रास नहीं आते हैं.

बेसिक को न करें नजरअंदाज

बहुत से उम्मीदवार इंजीनियरिंग के शुरुआती सालों में पढ़ाए गए बेसिक्स को नजरअंदाज कर देते हैं और प्लेसमेंट से पहले इन्हें दोबारा रिवाइज न करने की गलती कर बैठते हैं. जबकि प्लेसमेंट के दौरान अक्सर नियोक्ता बेसिक से जुड़े सवाल पूछते हैं. इसलिए जब भी आप कॉलेज प्लेसमेंट के लिए जाए तो एक बार अपने बेसिक्स का रीविजन कर के जाएं.

अंग्रेजी की है डिमांड

आपको चाहे ये बात अच्छी लगे या न लगे पर अच्छी अंग्रेजी लिखने और बोलने वाले लोगों की भारतीय जॉब मार्केट में काफी डिमांड है. हालांकि इस बात को जानते हुए भी बहुत से लोग अपने कम्यूनिकेशन स्किल्स पर ध्यान नहीं देते हैं. अगर आपको लगता है कि आप अंग्रेजी बोलने और लिखने में थोड़े कमजोर हैं तो प्लेसमेंट पर जाने से पहसे इस पर जरूर थोड़ा काम कर के जाएं.

फीडबैक लेना न भूलें

एक बार इंटरव्यू खत्म हो जाने के बाद आपको नियोक्ता से अपना फीडबैक भी ले लेना चाहिए, भले ही आपका चयन न हुआ हो. ऐसा करने का फायदा आपको भविष्य में मिलेगा, क्योंकि इससे आपको अपनी कमियों के बारे में पता चलता है. इसकी मदद से आप प्लेसमेंट के दौरान दूसरी कंपनियों के सामने खुद को बेहतर ढंग से पेश कर पाएंगे.

इंटरनेट के बिना भी हर महीने कमाई...

आज कल कोई भी इंसान ऐसा नहीं है जो इंटरनेट का प्रयोग ना करता हो। लेकिन आप बिना किसी इंटरनेट के भी घर बैठे अपनी स्किल की बदौलत अच्छी-खासी इनकम की जा सकती। वह तरीका है- हैंडराइटिंग जॉब का। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु जैसे शहरों के लोग हैंडरिटिन नोट्स के जरिए अच्छी कमाई कर रहे हैं। बड़ी बात कि इसके लिए कंप्यूटर और इंटरनेट की भी जरूरत नहीं है। इस जॉब से आप कुछ घंटे लगाकर हर महीने औसतन 15-20 हजार रुपए तक इनकम कर सकते हैं।

बुक पब्लिकेशन

बुक पब्लिकेशन के क्षेत्र में हैंडराइटिंग जॉब की सबसे ज्यादा जरूरत है। इन्फार्मेशन के लिए आज विकिपीडिया और गूगल सर्च जैसी वेबसाइट्स हैं। लेकिन, आज भी कई स्टूडेंट इन्फार्मेशन के लिए किताबों पर निर्भर हैं। हैंडराइटिंग जॉब का मुख्य उद्देश्य स्टूडेंट्स के लिए क्विक शॉर्ट नोट बुक पब्लिशिंग, क्विक क्वेश्चन- आंसर बएन्शरुक और क्विक सजेशन बुक के लिए है।

इनकम

हैंडराइटिंग जॉब से सामान्यत एक रुपए प्रति लाइन की इनकम हो सकती है। क्विक सजेशन बुक और क्वश्चन-एन्शर के हर जवाब की एक लाइन के लिए एक रुपया तक मिलता है। इस तरह, आप हर रोज अपनी हैंडराइटिंग स्किल से 500 रुपए तक की इनकम कर सकते हैं। महीने की इनकम 15 हजार रुपए या इससे ज्यादा हो सकती है। हैंडराइटिंग जॉब पाने के लिए आप न्यूजपेपर्स की क्लासीफाइड ऐड, ओएलएक्स या क्विकर पर सर्च कर कर सकते हैं। आप क्विकर पर हैंडराइटिंग जॉब की जरूरत के लिए फ्री ऐड पोस्ट कर सकते हैं। क्विकर टीम आपको खुद सजेस्ट करेगी।

शुरू कर सकते हैं बिजनेस

हैंडराइटिंग जॉब से अधिक इनकम के लिए आप खुद एक बिजनेस शुरू कर सकते हैं। इससे आपको काम करने की फ्रीडम के साथ-साथ ज्यादा इनकम भी होगी। हैंडराइटिंग जॉब बिजनेस के लिए रिक्वायरमेंट बुक पब्लिशर कंट्रीब्यूटर, डाटा कन्वर्जेशन, होम बेस ट्यूटर से सबसे ज्यादा मिलती है। हैंडराइटिंग बिजनेस शुरू करने के लिए सबसे पहल आपको होम बेस ट्यूटर से संपर्क करना होगा। इसके लिए आपको पास नई बुक पब्लिश करने का आइडिया होना चाहिए। इस बिजनेस को शुरू करने के लिए अच्छा यह है कि इसकी शुरुआत स्मॉल लेवल पर की जाए। पहले साल में आप 3 बुक ही पब्लिश कराने का प्लान बनाए। इसमें भी बेहतर यह होगा कि प्रत्येक क्लॉस की सब्जेक्ट के अनुसार शॉर्ट क्वेश्चन-एन्शर बुक पब्लिश कराएं। इस बिजनेस के लिए आप कुछ लोगों को हायर कर सकते हैं। उनसे तय निर्देशों के अनुसार क्वेश्चन-एन्शर बुक के लिए हैंडराइटिंग करा सकते हैं।

करियर का अच्छा मौका है फैशन

रंगो और कपड़ो के सयोजन से एक ऐसी पोशाक बनाना जिसको देखकर लोगो के मुह से वाओ शब्द निकल जाये यही असली मायने में फैशन कहलाता है. आज के युग को फैशन का युग कहा जाता है. दुनिया का चकाचौँद में हर कोई फैशन के रंग में रंगा हुआ नजर आता है। फैशन डिज़ाइनिंग को आम तौर पर कॅरियर का एक आप्शन भर माना जाता है. जबकि ऐसा नहीं है, दरअसल यह एक ऐसी कला है जो ड्रेस और एक्सेसरीज़ की मदद से किसी इन्सान की लाइफ स्टाइल को सामने लाती है

क्या है फैशन डिजाइनिंग?

मॉडर्न फैशन के अंतर्गत दो विभाग हैं. पहला वर्ग है पोशाकों को डिज़ाइन करना और दूसरा रेडी-टू-वियर अर्थात तैयार पोशाकें। इन दोनो वर्गों मे फैशन डिज़ाइनिंग का इस्तेमाल प्रथम वर्ग मे किया जाता है। वर्तमान समय मे फैशन शो इसी के बूते चल रहे हैं। इन शो के ज़रिए ही फैशन डिज़ाइनर्स की सृजनात्मकता और रचनात्मकता का पता चलता है.

अहमियत रंग और बुनावट की

यदि किसी को टेक्सटाइल, पैटर्न, कलर कोडिंग, टेक्सचर आदि का अच्छा ज्ञान हो तो फैशन डिज़ाइनिंग को कॅरियर के रूप मे अपनाने मे उसे बिल्कुल हिचकना नहीं चाहिए. उसकी सफलता को कोई गुंजाइश नहीं रह जाती और उसका नाम फैशन इंडस्ट्री मे तहलका मचा सकता है। खासकर भारत जैसे देश में जहाँ के फैशन मे पश्चिमी सभ्यता का भी संगम है, और इसी मिलन ने फैशन इंडस्ट्री को एक नयी दिशा और पहचान दी है। फॅशन डिज़ाइनिंग मे रंगों के संयोजन और कपड़े के आधार पर उसकी बुनाई का बड़ा महत्व है। एक तरह से ये ही फैशन डिज़ाइनिंग का सार है. इन की बिनाह पर ही लुक्स संभव हो सकते हैं. इसके बाद व्यावसायिक कुशलता, कट, डिज़ाइन, सहायक सामग्री मिलकर ही पोशाक का मूल स्वरूप तय कर सकते हैं।

मौसम के साथ बदलता है फैशन का भी

मिजाज यह भी ज़रूरी है की इसे पूरी विधि के साथ संपूर्ण किया जाए। प्लान तैयार करके, ब्लू प्रिंट्स ड्रॉ करने के बाद ही फाइनल आउटकम प्राप्त होगा। डिज़ाइन की सफलता स्वाभाविक रूप से उसकी फिनिशिंग फैशन डिज़ाइनिंग का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ये है कि फैशन किसी ना किसी थीम पर निर्भर करता है. जैसे- मौसम, लोगों की पसंद विशेष आदि. अगर आपने गौर किया हो तो फैशन प्रमुखत- मौसम के अनुसार होता है. उदाहरण के लिए सर्दी के मौसम मे आपको उसी के अनुरूप रंग और फैब्रिक देखने को मिलेगा। इसके साथ ही ऊनी कपड़े, पोल ो नेक, नीले और ब्राउन देखने को मिलेंगे. इसके विपरीत गर्मियों में आपको कैज़ुअल, कॉटन और सफ़ेद रंग मिलेंगे।

क्या है इन और क्या है आउट

फैशन कभी भी स्थाई नही होता है,समय के स ाथ इसमे परिवर्तन होते रहते हैं। वर्तमान ने स्पेगेटी का फैशन गया और हॉल्टर नेक्स चल रहे हैं। स्कर्ट चलन में हैं और पैंटसूट्स का दौर जा चुका है। इसीलिए परिवर्तन की गति को देखते हुए, इस फील्ड मे आने व ाले हर इंसान को चौकन्ना रहना होगा। और इस बात के लिए कि क्या पहना जाना चाहिए और क्या नही? फैशन का प्रमुख केंद्र सेलिब्रिटीज़, सोशलाइट्स, मॉडल्स आदि रहे हैं।

ग्लैमर कम नहीं

कुल मिलकर फैशन डिज़ाइनिंग बहुत ही चुनौती भरा और ग्लैमर से भरपूर भरा व्यवसाय है, जिसमे राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय स्तर पर आयोजन होते हैं. जैसे: आईएमजी फैशन वीक, लक्मे फैशन वीक आदि। बहुत से फैशन डिज़ाइनिंग इन्स्टिट्यूट जैसे: नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद, नॅशनल इन्स्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नाल ॉजी, स ोफिया पॉलि टेक्निक आदि।

संपादकीय

आयात की अर्थव्यवस्था

राष्ट्रपति ट्रंप बयान देते हैं और देशों की अर्थव्यवस्थाएं हिचकोले खाने लगती हैं। बाजार धड़ाम से गिरते हैं। तेल, गैस, उर्वरक और अन्य सामान की किल्लत बढ़ने लगती है, लिहाजा संकट भी व्यापक और विकराल होने लगते हैं। मंदी और महंगाई भी बढ़ने लगती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के अलग-अलग ठिकानों और परमाणु केंद्रों पर लगातार 21 दिन तक हमलों की योजना का ऐलान किया है। फिलहाल औसतन 4 घंटे हररोज हमले किए जा रहे हैं। ईरान ने भी नई मिसाइल से खाड़ी देशों के अमरीकी ठिकानों पर विनाशक हमले जारी रखे हैं। अमरीका के वायु बेस, नौसेना बेड़े, रडार सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमले कर ईरान ने साफ कर दिया है कि वह युद्ध के मोर्चे पर अभी तैनात है और लड़ रहा है। बहरहाल इन हमलों का पहला असर यह है कि कच्चे तेल के दाम 86 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गए हैं। ये दाम 71 डॉलर तक लुढक़ आए थे, जब समझौते के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। एकबारगी लगा था कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह पहले की तरह ही विनाशक और वीभत्स हो रहा है। अब तेल-बाजार में जो शिपमेंट (लदान) बुक की जा रही है, वह 86-87 डॉलर के हिसाब से की जा रही है। बीते 15 दिनों में ही भारत के खजाने पर करीब 2 लाख करोड़ रुपए का बोझ बढ़ चुका है, क्योंकि आयात-बिल बढ़ा है। भारत को कच्चा तेल 105 डॉलर प्रति बैरल पर खरीदना पड़ रहा है। इसमें युद्ध-बीमा, परिवहन की बढ़ी दरें और ईरान का टोल-टैक्स आदि भी शामिल हैं। यदि लाल सागर की ओर हूती लड़ाकों ने 'बाब-अल-मंदेब' मार्ग को बंद कर दिया, तो 12 फीसदी वैश्विक आपूर्ति और प्रभावित होगी, नतीजतन तेल की कीमतें 200 डॉलर तक उछल सकती हैं, ऐसा विशेषज्ञों का दावा है। दरअसल अर्थशास्त्रियों के विश्लेषण हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था आयात-केंद्रित हो चुकी है। घरेलू उत्पादन से बेहतर आयात लगता है और वह अभी तक आसान भी रहा है। आयात न केवल घरेलू बाजार, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) पर, बल्कि निर्यात पर भी हावी हो चुका है। भारत का आयात 16 फीसदी बढ़ चुका है। अनुमान है कि आयात 17-18 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है, जो बीते साल में 11 लाख करोड़ रुपए रहा है। भारत खाड़ी देशों को 19 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निर्यात करता रहा है, लेकिन ईरान युद्ध और खाड़ी देशों तक आपूर्ति के व्यवधान और जोखिमों के कारण निर्यात काफी प्रभावित हो रहा है। इन परिस्थितियों में भारत का व्यापार-घाटा बढ़ रहा है। यदि कच्चा तेल 10 फीसदी भी महंगा होता है, तो चालू खाता घाटा देश के जीडीपी का 0.4 फीसदी बढ़ जाता है। सीईआईसी के मुताबिक, भारत में जहां मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति पूर्ववत है, वहीं निर्माण-कार्यों और सेवा क्षेत्र के व्यापार और परिवहन में भारी गिरावट दर्ज की गई है। गांव के गरीबों, किसानों को शहर के निर्माण-कार्यों में रोजगार मिलता रहा है, लेकिन गिरावट के बाद उन्हें गांव की ओर लौटना पड़ रहा है। सूखे से खेती पर भी असर पडऩा तय है, लिहाजा कई फसलें इस बार कम बोई गई हैं। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था कई तरह कुचली जाएगी। महंगाई की जो दरें उच्चतम स्तर पर पाई गई हैं, उनमें गांव में महंगाई अपेक्षाकृत बढ़ी है। बहरहाल भारत में कच्चे तेल की आमद तो संतोषजनक है, क्योंकि रूस सप्लाई कर रहा था। भारत अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका आदि देशों से तेल की 'स्पॉट खरीददारी' भी कर रहा है। संकट एलएनजी का है। करीब 60 फीसदी एलएनजी होर्मुज के रास्ते भारत तक आती थी, लेकिन बीते शनिवार, 11 जुलाई, के बाद एलएनजी की सप्लाई भारत में नहीं हुई है। हालांकि अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, नॉर्वे आदि देशों से एलपीजी (रसोई गैस) की आपूर्ति जारी है, लेकिन उसका आयात महंगा पड़ रहा है। गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध भी नहीं है, नतीजतन एलपीजी का पहले जैसा संकट भी सामने आ सकता है। अभी भारत सरकार के बयान का इंतजार है कि कितने भंडारण शेष हैं, लेकिन एलपीजी का भंडारण तो अधिकतम पौने दो दिन तक ही किया जा सकता है। बहरहाल, अमरीका और ईरान के बीच यह लड़ाई जल्द खत्म होती, नहीं लगती है। दोनों ओर से हमले पर हमले हो रहे हैं।

> तेल, गैस, उर्वरक और अन्य सामान की किल्लत बढ़ने लगती है, लिहाजा संकट भी व्यापक और विकराल होने लगते हैं। मंदी और महंगाई भी बढ़ने लगती है। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के अलग-अलग ठिकानों और परमाणु केंद्रों पर लगातार 21 दिन तक हमलों की योजना का ऐलान किया है। फिलहाल औसतन 4 घंटे हररोज हमले किए जा रहे हैं। ईरान ने भी नई मिसाइल से खाड़ी देशों के अमरीकी ठिकानों पर विनाशक हमले जारी रखे हैं। अमरीका के वायु बेस, नौसेना बेड़े, रडार सिस्टम, मिसाइल-ड्रोन ठिकानों पर हमले कर ईरान ने साफ कर दिया है कि वह युद्ध के मोर्चे पर अभी तैनात है और लड़ रहा है। बहरहाल इन हमलों का पहला असर यह है कि कच्चे तेल के दाम 86 डॉलर प्रति बैरल तक उछल गए हैं। ये दाम 71 डॉलर तक लुढक़ आए थे, जब समझौते के सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। एकबारगी लगा था कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह पहले की तरह ही विनाशक और वीभत्स हो रहा है। अब तेल-बाजार में जो शिपमेंट (लदान) बुक की जा रही है, वह 86-87 डॉलर के हिसाब से की जा रही है।

मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति

मंदिरों में भ्रष्टाचार: वहां सुशासन की नई क्रांति का सूत्रपात हो

भारत की पहचान केवल उसकी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक दर्शन से नहीं है, बल्कि उन मंदिरों से भी है जो करोड़ों लोगों की आस्था, विश्वास और जीवन का आधार हैं। अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जिस धन को श्रद्धालु भगवान का अर्पण मानकर समर्पित करते हैं, वह किसी व्यक्ति या समूह की निजी संपत्ति नहीं है। उस धन का प्रत्येक रुपया सार्वजनिक विश्वास की धरोहर है। यदि उसी में अपारदर्शिता या चोरी का संदेह पैदा हो जाए तो यह केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि धार्मिक विश्वास के साथ विश्वासघात है। मंदिरों में बढ़ती अव्यवस्था का दूसरा गंभीर पक्ष है-वीआईपी दर्शन संस्कृति। आज देश का सामान्य श्रद्धालु कई-कई घंटे कतार में खड़ा रहता है। वृद्ध, महिलाएं, दिव्यांग और छोटे बच्चों के साथ आए परिवार कठिन परिस्थितियों में अपनी बारी की प्रतीक्षा करते हैं। लेकिन जैसे ही कोई मंत्री, विधायक, अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति पहुंचता है, सामान्य दर्शन रोक दिए जाते हैं और वीआईपी दर्शन शुरू हो जाते हैं। आम श्रद्धालु की लाइन रोक दी जाती है, उसके दर्शन का समय बाधित होता है और उसे यह एहसास कराया जाता है कि भगवान के दरबार में भी सभी बराबर नहीं हैं। यह स्थिति भारतीय संस्कृति और धर्म की मूल भावना के विपरीत है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि ईश्वर के समक्ष राजा और रंक में कोई भेद नहीं होता। यदि मंदिरों में भी सामाजिक और राजनीतिक विशेषाधिकार का प्रदर्शन होगा तो यह धर्म के मूल स्वरूप का अपमान है। मंदिरों को लोकतांत्रिक समानता और आध्यात्मिक समरसता का सर्वोच्च उदाहरण बनना चाहिए, न कि सामाजिक असमानता का मंच। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूरे देश में 'समान मन्दिर दर्शन नीति' लागू की जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा या अत्यंत विशिष्ट संवैधानिक परिस्थितियों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को सामान्य श्रद्धालुओं की कतार से अलग विशेष दर्शन का अधिकार नहीं

मिलना चाहिए। यदि किसी कारणवश सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक हो, तब भी आम श्रद्धालुओं के दर्शन बाधित नहीं होने चाहिए। भगवान के दरबार में सबसे बड़ा वीआईपी केवल श्रद्धा होनी चाहिए, पद और सत्ता नहीं। इसी प्रकार मंदिरों की चढ़ावा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। आज डिजिटल भारत का युग है, फिर भी अनेक मंदिरों में दान और चढ़ावे की पारदर्शी व्यवस्था विकसित नहीं हो सकी है। प्रत्येक बड़े मंदिर में दान-पात्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, बारकोड आधारित सीलिंग, नियमित स्वतंत्र ऑडिट तथा प्रत्येक माह आय-व्यय का सार्वजनिक विवरण वेबसाइट और सूचना पट्ट पर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। श्रद्धालु को यह जानने का अधिकार है कि उसके द्वारा दिया गया धन कहां और किस उद्देश्य में उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही मंदिर प्रशासन में केवल धार्मिक पहचान ही नहीं, बल्कि चरित्र, ईमानदारी और प्रशासनिक दक्षता को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंदिर प्रबंधन समितियों में ऐसे व्यक्तियों को स्थान मिले जिनकी सामाजिक प्रतिष्ठा निष्कलंक हो, जिनका सार्वजनिक जीवन पारदर्शी रहा हो और जिन पर किसी प्रकार के भ्रष्टाचार या आपराधिक आरोप न हों। समय-समय पर उनके कार्यों का स्वतंत्र मूल्यांकन भी किया जाए। मंदिर प्रबंधन किसी का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व है। मंदिरों में सेवा करने वाले पुजारियों, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों के लिए भी आचार-संहिता बनाई जानी चाहिए। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र भाषा, दलालों से मिलीभगत, नशाखोरी या किसी भी प्रकार का अनुशासनहीन व्यवहार पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई हो। सालासर बालाजी में बाउंसरों द्वारा श्रद्धालु की पिटाई और खाटू श्यामजी में मुख्य पुजारी से जुड़े विवाद जैसे प्रसंग यह संकेत देते हैं कि केवल धार्मिक पहचान पर्याप्त नहीं, बल्कि नैतिक अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है। मंदिरों में दलाल संस्कृति भी समाप्त की जानी चाहिए। दर्शन, प्रसाद, पूजा और विशेष अनुष्ठानों के नाम पर होने वाली अनधिकृत वसूली श्रद्धालुओं के विश्वास को कमजोर करती है। सभी सेवाओं की दरें सार्वजनिक हों, ऑनलाइन बुकिंग उपलब्ध हो और किसी भी अतिरिक्त वसूली पर कठोर दंड का प्रावधान हो। भारत आज विश्व का आध्यात्मिक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। श्रीराम मंदिर के निर्माण के बाद दुनिया भर से करोड़ों लोग भारतीय मंदिरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। धार्मिक पर्यटन भारत की अर्थव्यवस्था का भी महत्वपूर्ण आधार बन रहा है। ऐसे समय यदि मंदिरों की व्यवस्थाओं पर भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अव्यवस्था के आरोप लगते हैं तो केवल मंदिर ही नहीं, बल्कि पूरे भारत की छवि प्रभावित होती है। विश्व यह संदेश ग्रहण करता है कि जिस देश ने धर्म और नैतिकता का संदेश दिया, वह अपने ही धर्मस्थलों को पारदर्शी नहीं बना पाया, वहां भी व्यापक भ्रष्टाचार पसरा है। भारत सरकार और राज्य सरकारों को अब इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। 'राष्ट्रीय मंदिर सुशासन आयोग' जैसी स्वतंत्र संस्था का गठन किया जा सकता है, जो बड़े मंदिरों की वित्तीय पारदर्शिता, प्रशासनिक जवाबदेही, दर्शन व्यवस्था और श्रद्धालुओं के अधिकारों की निगरानी करे। प्रत्येक मंदिर के लिए सेवा-मानक निर्धारित हों तथा शिकायत निवारण की समयबद्ध व्यवस्था हो। धार्मिक संगठनों और संत समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य, ईमानदारी, सेवा और उत्तरदायित्व है। यदि मंदिरों के भीतर ही इन मूल्यों का ह्रास होगा तो समाज को नैतिक दिशा कौन देगा? मंदिर केवल पूजा के केंद्र नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण के विद्यालय भी होने चाहिए। आज आवश्यकता किसी छोटे-मोटे सुधार की नहीं, बल्कि मंदिर प्रशासन में एक नैतिक क्रांति की है। यह क्रांति पारदर्शिता, जवाबदेही, समानता और सेवा के चार स्तंभों पर आधारित होनी चाहिए। मंदिरों को तकनीक से जोड़ना होगा, वित्तीय व्यवस्था को पूरी तरह डिजिटल और ऑडिट-आधारित बनाना होगा, वीआईपी संस्कृति को समाप्त करना होगा तथा हर श्रद्धालु को समान सम्मान देना होगा। याद रखना होगा कि मंदिरों की सबसे बड़ी संपत्ति उनका स्वर्ण, रजत या चढ़ावा नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों का विश्वास है। यदि विश्वास टूट गया तो सबसे भव्य मंदिर भी अपनी आत्मा खो देगा। इसलिए समय की पुकार है कि मंदिरों को भ्रष्टाचार से मुक्त, दर्शन व्यवस्था को समान, प्रशासन को पारदर्शी और सेवा को मानवीय बनाया जाए। यही भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा होगी, यही भारतीय संस्कृति का वास्तविक सम्मान होगा और यही वह परिवर्तन होगा जो भारत को केवल आध्यात्मिक महाशक्ति ही नहीं, बल्कि नैतिक महाशक्ति के रूप में भी स्थापित करेगा।

> अयोध्या का श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ धाम, माता वैष्णोदेवी, तिरुपति, काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, सालासर बालाजी, खाटू श्यामजी जैसे मंदिर केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा के जीवंत प्रतीक हैं। इन मंदिरों में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु इस विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि यहां उन्हें केवल भगवान के दर्शन ही नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और नैतिक ऊर्जा भी प्राप्त होगी। लेकिन जब इन्हीं मंदिरों से चढ़ावे की चोरी, वित्तीय अनियमितताओं, वीआईपी संस्कृति, पुजारियों अथवा कर्मचारियों के अनुचित आचरण और श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कोई संस्था बदनाम नहीं होती, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था घायल होती है। हाल के वर्षों में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ और अब माता वैष्णोदेवी मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मामलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मंदिरों की व्यवस्था को केवल धार्मिक भावना के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

देश दुनिया से

चीनी मठ-मंदिरों पर भी हेराफेरी की कालिख

ब्रूस ली की फ़िल्म 'एंटर द ड्रैगन' में शाओलिन मंदिर के शुरुआती दृश्यों की शूटिंग चीन में नहीं, बल्कि हांगकांग के थुएन मुन स्थित चिंग चुंग कून और कैसल पीक मठ में हुई थी। लेकिन, तब शाओलिन टैम्पल का अक्स दिलो-दिमाग़ में बैठा हुआ था। उसे देखना एक सपना था, जो 2019 में पेइचिंग कुछ हफ्ते ठहरने पर साकार हुआ। पेइचिंग से शाओलिन मंदिर की दूरी लगभग 773 किलोमीटर है। झेंगझोऊ तक बुलेट ट्रेन, फिर मंदिर तक जाने के लिए टैक्सी की ज़रूरत पड़ गई। इस जगह को 'मार्शल आर्ट का मक्का' मानिये। शाओलिन मंदिर चीन के हेनान प्रांत स्थित प्रसिद्ध बौद्ध मठ है। इसे 495 ईस्वी में बनाया गया था। यह ज़ेन बौद्ध धर्म का जन्मस्थान और मार्शल आर्ट (कुंग फू) का उद्गम स्थल है। सात साल पहले शाओलिन टैम्पल की दरो-दीवार को देखकर लगा नहीं था, कि यह भ्रष्टाचार का भी अड्डा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, डेढ़ महीना पहले दुनियाभर में मशहूर शाओलिन मंदिर के पूर्व प्रमुख शी योंगशिन को गबन और रिश्वत लेने जैसे अपराधों के लिए 24 साल जेल की सज़ा सुनाई गई है। शी पर 35 लाख युआन का जुर्माना भी लगाया गया। चीन के मध्य हेनान प्रांत की शिनक्सियांग इंटरमीडिएट पीपल्स कोर्ट ने पाया कि शी (जिनका असली नाम लियू यिंगचेंग है) ने 2003 और 2025 के बीच 131 मिलियन युआन से ज़्यादा का गबन किया था। कई दशकों तक, शी ने शाओलिन मंदिर के प्रमुख और शाओलिन चैरिटी एंड वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष के तौर पर काम किया। जांच में पाया गया कि उन्होंने 2012 और 2022 के बीच 151 मिलियन युआन अपने निजी इस्तेमाल के लिए लिए थे, और 2006 से मंदिर के निर्माण और उससे जुड़े कामकाज के कॉन्ट्रैक्ट दिलाने में मदद करने के बदले कुल 11.63 मिलियन युआन की रिश्वत ली थी। कोर्ट की घोषणा के अनुसार, शी पर 1995 और 2022 के बीच 'गलत फ़ायदे' पाने के लिए अधिकारियों को 5.67 मिलियन युआन से ज़्यादा की रिश्वत देने का भी आरोप है। चीन के मशहूर बौद्ध मठ

शाओलिन मंदिर के प्रमुख के ख़िलाफ़ आपराधिक जांच में कहा गया है कि उनके कामों में गबन, फ़ंड का गलत इस्तेमाल, रिश्वत लेना और देना जैसे संगीन अपराध शामिल थे, और इन सभी में 'बहुत बड़ी रकम' शामिल थी। शी पर आरोप था कि उन्होंने 'कई महिलाओं के साथ लंबे समय तक गलत संबंध बनाए, और नाजायज़ बच्चों के पिता बने।' पिछले साल जुलाई में सरकार की संयुक्त जांच के बाद उन्हें वाइस-चेयरपर्सन पद से हटा दिया गया था। उसी महीने, चीन के बौद्ध संघ ने शी योंगशिन की बौद्ध मान्यता रद्द कर दी, और उन पर 'बौद्ध समुदाय की प्रतिष्ठा और भिक्षुओं की छवि को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाने' का आरोप लगाया। उनसे जुड़ी कंपनियों का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया। जांच के बाद, स्थानीय अधिकारियों ने नवंबर, 2025 में कई आपराधिक आरोपों में उनकी गिरफ़्तारी को मंजूरी देने की घोषणा की। शी ने अपना अपराध माना, और पछतावा व्यक्त किया। 29 मई, 2026 को कोर्ट ने यह भी जानकारी दी, कि शी ने कोई अपील नहीं की। चीन में 1960 और 1970 के दशक की सांस्कृतिक क्रांति में अनगिनत धार्मिक जगहें तबाह हो गईं। मठों से उनकी संपत्ति छीन ली गई थी। लेकिन, जैसे ही 1980 के दशक में चीन में आर्थिक सुधार और खुलेपन का दौर शुरू हुआ, मंदिर फिर से चलन में आ गए. कई लोग अपना गुज़ारा करने के लिए टैम्पल टूरिज़्म की तरफ़ मुड़ गए। हालांकि, चीनी सरकार धार्मिक मान्यताओं की आज़ादी का समर्थन करती है, और 1.3 अरब से ज़्यादा लोगों को अपनी धार्मिक मान्यताएं चुनने का अधिकार है। खासकर आधुनिक चीनी समाज में राजनीतिक दमन खत्म होने के बाद, लंबे समय से दबी हुई धार्मिक मान्यताएं सामने आईं। 'वर्ल्ड वैल्यूज़ सर्वे-2007' से पता चलता है कि 11 प्रतिशत चीनी लोगों की धार्मिक मान्यताएं हैं। 2003 से 2010 के बीच इनकी आबादी 120 फीसद बढ़ी है। इस समय में जिन बड़े मठाधीशों को निजी रूप से फ़ायदा हुआ, उनमें शी सबसे बड़े थे। शी योंगशिन 1981 में 16 साल की उम्र में हेनान प्रांत के शाओलिन मंदिर में शामिल हुए थे। उस समय, मंदिर खंडहर बन चुका था। लेकिन, जैसे-जैसे शी मठाधीश के पद पर पहुंचे, उन्होंने प्रार्थना हॉल फिर से खोलने और टूरिस्ट को टिकट बेचने के लिए लोकल अधिकारियों से बातचीत की। जल्द ही, लाखों लोग आने लगे, जिसमें लोकल सरकार 70 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। तब शाओलिन-ब्रांडेड सामान बेचने वाली गिफ़्ट शॉप भी खुल गईं, और शाओलिन इंक का जन्म हुआ। वर्ष 2006 में, डेंगफ़ेंग शहर की सरकार ने शाओलिन मंदिर के लिए 100,000 डॉलर का निवेश किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने 2015 में बताया था शी को 'सीईओ भिक्षु' के तौर पर जाना जाता था; कुंग-फू शो और सामान को बढ़ावा देने के लिए कमर्शियल गतिविधियां शुरू करने की वजह से उनकी आलोचना भी हुई थी। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2002 में शी को बुद्धिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ चाइना का वाइस-चेयरपर्सन चुना गया था। गिरफ़्तार होने से पहले, शी योंगक्सिन ने विदेशों में दर्जनों कंपनियां बनाईं, और ऑस्ट्रेलिया में 300 मिलियन डॉलर के लक्ज़री होटल और गोल्फ़ कोर्स कॉम्प्लेक्स के लिए फ़ंड जुटाने की कोशिश की।

आप का नज़रिया

पानी की अस्मिता पर हिमाचल

सोच समझ के दायरे पहले भी हिमाचल में सुदृढ़ थे, लेकिन अब सुक्खू सरकार ने पानी को महज पानी न मानते हुए, इसकी हर बूंद में हीरे-ज्वाहरात देखे हैं। यही वजह है कि न केवल किशाऊ बांध समझौते के बाद मुख्यमंत्री ने लाभ तक सीमित रहना सीखा और न ही पानी की अस्मिता को परवान चढ़ाने का अपना मकसद छोड़ा। किशाऊ बांध पहले ही कमाऊ बांध बन चुका है और अब इसे प्याऊ बांध बनाने का नवाचार हिमाचल ने शुरू किया है। यह आर्थिक हितों को हासिल करने का नवाचार है। कहना न होगा कि पहले किसी मुख्यमंत्री ने इस स्तर तक आर्थिक अधिकारों का मोल तोल नहीं किया, बल्कि यह उचित समय है कि हम पंजाब पुनर्गठन की सियासी फाइल को स्वर्गीय वाईएस परमार के दौर से खोलें। हम पहले भी कह चुके हैं कि पंजाब पुनर्गठन से हिमाचल के लिए महज एक जमीन का टुकड़ा हासिल करके सारी शक्ति, हितों की पैरवी और न्याय की कसौटी छोड़ दी। तब की गंदी राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की शिनाख्त करती रही या सारी सौदेबाजी, कर्मचारी व सेब लॉबी तक सिमट गई। न केवल परमार, बल्कि शांता कुमार भी कुछ हद तक लपेटे में आए। खैर सुक्खू सरकार ने एक सोची समझी रणनीति के तहत कदम उठाते हुए पहले किशाऊ को कमाऊ बना कर वार्षिक आय में 600 करोड़ की राशि डाली और अब इसे प्याऊ मानकर वर्षों की प्यास यानी पंजाब पुनर्गठन की इबारत खोल दी है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से उनकी मुलाकातें और अब वकालत का तर्क यह कि किशाऊ बांध का महत्त्व अगर कायम करना है, तो इसकी नींव के पत्थर पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल की भागीदारी और लेनदारी सुनिश्चित करके ही लगेंगे। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने एक हाथ दे, दूसरे हाथ ले की नीति के तहत प्रदेश का कद व सम्मान बढ़ाया है, वरना हमारे पड़ोसी राज्य बराबरी की न बात करते या हिमाचली अधिकारों की नाफरमानी पर उतर आते हैं। कई पक्षीय वार्ताओं का रुख मोड़ते हिमाचल ने हरियाणा के दर्द को बांटने का जिम्मा उठाते हुए, एक बड़ा दांव खेला है। इससे पूर्व सिंधु घाटी जल संधि की समाप्ति से हिमाचल के राष्ट्रीय तर्क मजबूत हुए हैं। हम पानी में समाधि या जल कब्रें बना कर खामोश क्यों रहें। ये तमाम बांध हमारे अधिकारों की कब्रें साबित न हों, इसलिए सुक्खू सरकार ने एक पलड़े पर किशाऊ बांध और दूसरे पर पंजाब पुनर्गठन के अधिकार रखे हैं, ताकि इंसाफ का तकाजा कायम रहे। बीबीएमबी हमारी छाती पर लगातार मूंग नहीं दल सकता, इसलिए सुप्रीम फैसलों की दुहाई से निकले 7.19 प्रतिशत के हिसाब से लंबित 13.066 मिलियन विद्युत यूनिट का भुगतान या 4200 करोड़ की राशि तुरंत हिमाचल को मिले। यह आर्थिक अधिकारों की इंचें हैं जो किशाऊ बांध की शर्तों में मापी जा रही हैं। एक बार हरियाणा, पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल का पक्ष अंगीकार करें तो तमाम जल वितरण के घाव धुलेंगे। राष्ट्रीय हित की किशाऊ बांध परियोजना के गले में घंटी बांध कर हिमाचल ने अपने आर्थिक हितों का अलार्म बजा दिया है, अब पंजाब को भी शानन विद्युत परियोजना पर अवैध कब्जा छोडऩा ही होगा। यही नहीं राष्ट्रीय संसाधनों और जल विद्युत परियोजनाओं की साझेदारी में हिमाचल को चालीस साल से उत्पादन कर रहे केंद्रीय विद्युत प्रोजेक्टों से 50 प्रतिशत का हिस्सा न्यायिक आधार पर अगर मिलता है, तो हिमाचल का संघर्ष पूरा होगा। यह आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की कसौटी है, जिसे सुक्खू सरकार दृढ़ प्रतिज्ञ होकर पूरा करने की रणनीति पर चल रही है।

> किशाऊ बांध पहले ही कमाऊ बांध बन चुका है और अब इसे प्याऊ बांध बनाने का नवाचार हिमाचल ने शुरू किया है। यह आर्थिक हितों को हासिल करने का नवाचार है। कहना न होगा कि पहले किसी मुख्यमंत्री ने इस स्तर तक आर्थिक अधिकारों का मोल तोल नहीं किया, बल्कि यह उचित समय है कि हम पंजाब पुनर्गठन की सियासी फाइल को स्वर्गीय वाईएस परमार के दौर से खोलें। हम पहले भी कह चुके हैं कि पंजाब पुनर्गठन से हिमाचल के लिए महज एक जमीन का टुकड़ा हासिल करके सारी शक्ति, हितों की पैरवी और न्याय की कसौटी छोड़ दी। तब की गंदी राजनीति ऊपरी और निचले हिमाचल की शिनाख्त करती रही या सारी सौदेबाजी, कर्मचारी व सेब लॉबी तक सिमट गई। न केवल परमार, बल्कि शांता कुमार भी कुछ हद तक लपेटे में आए। खैर सुक्खू सरकार ने एक सोची समझी रणनीति के तहत कदम उठाते हुए पहले किशाऊ को कमाऊ बना कर वार्षिक आय में 600 करोड़ की राशि डाली और अब इसे प्याऊ मानकर वर्षों की प्यास यानी पंजाब पुनर्गठन की इबारत खोल दी है। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से उनकी मुलाकातें और अब वकालत का तर्क यह कि किशाऊ बांध का महत्त्व अगर कायम करना है, तो इसकी नींव के पत्थर पंजाब पुनर्गठन में हिमाचल की भागीदारी और लेनदारी सुनिश्चित करके ही लगेंगे।

कुछ अलग

आओ, चलें जीवन की ओर

हमारा समाज बड़ा अद्भुत है। हम किताबें खरीदते हैं, उन्हें अलमारी में सजाते हैं, मेहमानों को दिखाते हैं, और फिर भूल जाते हैं कि उनमें लिखा क्या था। कुछ लोग तो इतने विद्वान होते हैं कि उन्होंने हर विषय पर पुस्तक पढ़ रखी होती है- वजन कम करने पर भी, तनाव दूर करने पर भी, खुश रहने पर भी। फर्क बस इतना होता है कि वजन बढ़ता रहता है, तनाव बढ़ता रहता है और खुशी पड़ोसी के घर में रहती है। हम किताबें पढ़ते-पढ़ते बड़े हुए हैं। बचपन में कहानियां पढ़ीं, युवावस्था में कविताएं पढ़ीं, फिर लेख, नाटक, प्रवचन, दर्शन, धर्मग्रंथ और जीवन-प्रबंधन की पुस्तकें पढ़ीं। हमने संत कबीर को पढ़ा, गोस्वामी तुलसी दास को पढ़ा, विवेकानंद को पढ़ा, गीता पढ़ी, उपनिषद पढ़े। प्रेरणा भी मिली। कई बार आंखें नम हुईं, कई बार हृदय में जोश उठा। कई बार लगा कि अब जीवन बदल गया। इस सबके बावजूद अगर हम थोड़ी देर रुककर अपने भीतर झांकें तो एक असहज प्रश्न सामने खड़ा हो जाता है, जो कुछ हमने पढ़ा, उसमें से कितना हमारे भीतर जीवित है? हम पढ़ते हैं क्योंकि पढऩा आसान है। पुस्तक खोलना आसान है, स्वयं को खोलना कठिन है। किसी महान कवि की पंक्तियां याद कर लेना आसान है, पर उसी कविता की सुगंध को अपने जीवन में उतारना कठिन है। इसलिए मनुष्य अक्सर पढऩे में शरण खोज लेता है। उसे लगता है कि वह बदल रहा है, जबकि वह केवल जानकारी इक_ी कर रहा होता है। हमने हजारों पृष्ठ पढ़े, पर क्या हमारे भीतर शांति आई? हमने प्रेम पर अनगिनत कविताएं पढ़ीं, पर क्या हमारे संबंध प्रेमपूर्ण हुए? हमने परिवार, त्याग, करुणा और समझदारी पर लेख पढ़े, पर क्या हमारे घरों में सुख बढ़ा? यदि ईमानदारी से देखें तो समाज का बड़ा हिस्सा अशांति, तनाव और संघर्ष से भरा हुआ दिखाई देता है।

दृष्टि कोण

दुनिया के लिए सबक यूरोप की असामान्य गर्मी

ग्लोबल वार्मिंग ने दुनियाभर में कहर ढाना शुरू कर दिया है। इसके कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो गई है। अब तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा है। इसके चलते लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यूरोप की भीषण गर्मी इस बात की चेतावनी है। यूरोप की इस गर्मी को 'हीट डोम' कहें, 'हीटवेव' कहें या फिर उसे 'ओमेगा हीटवेव' की संज्ञा दी जाए, हकीकत यह है कि यूरोप भीषण गर्मी के साये में झुलस रहा है। यूरोप के कई देश 1970 के दशक की तुलना में दो महीने अधिक 'हीट स्ट्रेस' का भीषण असर झेल रहे हैं। इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग और जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार हैं। मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। हीट डोम बहुत ही धीमी गति से आगे बढ़ते हैं। इससे लोग लंबे समय तक गर्मी झेलने को मजबूर होते हैं। इस समय फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली की सरकारों ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। पूरे स्पेन में गर्मी का अलर्ट है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भीषण गर्मी के चलते अभी तक 3700 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। स्थानीय अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में हाई अलर्ट है। वहां के 54 विभागों में रेड अलर्ट है। यहां 1947 के बाद इस बार भीषण गर्मी देखी गई है। हालात इतने खराब हैं कि गर्मी से राहत पाने की कोशिश में वहां जलाशयों व नदियों में गए तकरीबन 40 से ज्यादा लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। एफिल टावर के पास ट्रोकाडेरो फाउंटेन में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूदते देखे गए हैं। यही नहीं, वहां घरों में रहने वाले 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतों की तादाद सबसे ज्यादा, यानी 91 फीसदी है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी सबसे ज्यादा 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतें हुई हैं। यह हालात की भयावहता का जीता-जागता सबूत है। इन हालातों ने

स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। परिवहन सुविधाओं पर भी काफी दबाव पड़ा है। लोग मानने लगे हैं कि अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेने का समय आ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप में गर्मी के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वैज्ञानिक इसे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक दुर्लभ मौसमी पैटर्न की संज्ञा दे रहे हैं। उनके अनुसार ओमेगा ब्लॉक के चलते यूरोप के कई देशों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्कूल बंद करने पड़े हैं। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और पोल्ट्री फार्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस असामान्य गर्मी के पीछे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक मौसमी पैटर्न है, जिसमें उच्च दबाव का क्षेत्र ग्रीक अक्षर 'ओमेगा' के आकार का बन जाता है। यह गर्म हवा को लंबे समय तक एक ही इलाके में रोककर रखता है, जिससे अमूमन तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी शहर पिसोस में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उत्तर-पश्चिमी शहर ब्रिटनी में बिजली आपूर्ति ठप रही है। वहीं, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को भी उत्पादन में सात फीसदी की कटौती करने को बाध्य होना पड़ा है। इसका कारण शीतलन के लिए वहां पर्याप्त पानी का अभाव था। इससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं, इटली में सोलह शहरों में उच्च स्तर का हाई अलर्ट जारी करना पड़ा है। ब्रिटेन में बढ़ते तापमान के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

डलास

मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को मंगलवार को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरुआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा।

पहले और दूसरे हाफ में दागे गोल – स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल कर दिया।

दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी।

फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह रहा बेअसर – पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डीओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके।

दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शाट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

स्पेन ने लगातार तीसरी बार फ्रांस को हराया – स्पेन ने लगातार तीसरी बड़ी प्रतियोगिता में फ्रांस को हराया है। इससे पहले उसने यूरो 2024 के सेमीफाइनल और 2025 नेशंस लीग के सेमीफाइनल में भी फ्रांस को मात दी थी।

इसके साथ ही स्पेन का सभी प्रतियोगिताओं में अपराजेय अभियान 37 मैचों तक पहुंच गया, जो किसी भी यूरोपीय देश की संयुक्त रूप से सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला है। अब स्पेन 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है।

कोच ने कहा- दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है स्पेन – स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा, हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ शुरुआत की थी और आज तक उसी पर कायम हैं। उसी सोच ने हमें यहां तक पहुंचाया है। आज हमने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक का सामना किया, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। यही सबसे बड़ा अंतर रहा। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, ये खिलाड़ी हर सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हर दिन अपनी प्रतिबद्धता, एकजुटता, उदारता और प्रतिभा का परिचय दिया है। ये खिलाड़ी मुश्किल काम को भी आसान बना देते हैं।

न्यूज ब्रीफ

महिला क्रिकेट को नई दिशा देने घरेलू स्तर पर लाल गेंद के मुकाबले शुरू करें : शांता रंगास्वामी

चेन्नई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि महिला क्रिकेट को एक नई दिशा देने और खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का आयोजन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को पूरी तरह से दोबारा शुरू करने की मांग की है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बेहतर तकनीक वाले खिलाड़ियों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट का महत्व सबसे अधिक है। रंगास्वामी ने कहा, जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी, तो मैंने अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया था। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया, पर यह केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नाकआउट प्रारूप में ही सीमित रही जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बीसीसीआई से कहा है कि वह अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टीमों के लिए पहले की तरह ही टेस्ट मेचों की प्रतियोगिताओं को शुरू करे। साथ ही कहा कि हमारी महिला क्रिकेटरों के कौशल को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक बनाने के लिए यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। रंगास्वामी ने कि लंबी अवधि का प्रारूप ही क्रिकेट के मूलभूत सिद्धांतों और बेहतर तकनीक वाले क्रिकेटर तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है। इससे निकलकर पाये खिलाड़ी ही सीमित ओवरों के प्रारुप में भी सफल होते हैं।

बल्लेबाज हनूमा ने गंभीर पर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को ही अवसर देने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज हनुमा विहारी ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर जमकर निशान साधा है। हनुमा ने कहा है कि गंभीर अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को वरीयता देते है। इसी कारण आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। हनुमा ने कहा कि खराब फार्म के बाद भी आलराउंडर शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर को लगातार अवसर दिये जा रहे है। इसका कारण है कि उनके कुछ पसंदीदा खिलाड़ी हैं जिन्हें वह लगातार अवसर देना चाहते हैं। फिर चाहे वे अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों यहा नहीं। इस क्रिकेटर ने टीम में कुछ खिलाड़ियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा, शिवम न तो अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं, न ही बल्लेबाजी फिर भी हर मैच में नजर आ रहे हैं।। साथ ही कहा कि वाशिंगटन सुंदर अभी भी टीम में क्यों बने हुए हैं जबकि पिछले कुछ समय में एक बार भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। हनुमा री ने टीम में लगातार बदलावों को लेकर भी गंभीर की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि अनुभवी संजू सैमसन को आयरलैंड में दो अवसर देन के बाद बाहर कर दिया गया, और फिर वैभव सूर्यवंशी के साथ भी यही हुआ। इससे टीम में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। उन्होंने कहा, अगर आप प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो आपको बाहर कर दिया जाएगा। आपको खिलाड़ियों को लंबा अवसर देना चाहिए। अगर आप वैभव को शामिल कर रहे हैं तो उसे कम से कम उसे पांच या छह मैच दें और फिर तय करें कि वह काफी अच्छा है या नहीं। मुझे नहीं लगता कि यह सही रवैया है। खिलाड़ियों के लिए सुरक्षा जरूरी है। स्पिनरों के चयन पर भी उन्होंने सवाल उठाए, चाहे वह वरुण चक्रवर्ती हों, अक्षर पटेल या रवि बिश्नोई।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास, विश्व टाप-10 में पहुंचीं तीन जोड़ियां

नई दिल्ली। भारतीय टेबल टेनिस ने मंगलवार को नई उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) की ताजा विश्व रैंकिंग में भारत की तीन जोड़ियां पुरुष, महिला और मिश्रित डबल्स में एक साथ शीर्ष-10 में पहुंच गई हैं। यह पहली बार है, जब तीनों डबल्स वर्गों में भारत की मौजूदगी एक साथ विश्व के शीर्ष-10 में दर्ज हुई है। इस उपलब्धि की अगुआई मानव ठक्कर और मानुष शाह की जोड़ी ने की, जिसने पुरुष डबल्स में विश्व नंबर-2 रैंकिंग हासिल की। यह किसी भी डबल्स वर्ग में किसी भारतीय जोड़ी की अब तक की सर्वोच्च विश्व रैंकिंग है। महिला डबल्स में दिया चितले और यशस्विनी घोरपड़े पहली बार विश्व नंबर-10 पर पहुंचीं, जबकि मिश्रित डबल्स में दिया चितले और मानुष शाह की जोड़ी विश्व नंबर-5 पर काबिज हो गई। लास एंजिल्स ओलंपिक से पहले बढ़ा भरोसा यह उपलब्धि ऐसे समय आई है, जब लास एंजिल्स ओलंपिक-2028 में डबल्स स्पर्धाओं की वापसी होने जा रही है। भारतीय जोड़ियों का मौजूदा प्रदर्शन ओलंपिक तैयारियों के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और चीनी ताइपे जैसी पारंपरिक ताकतों के बीच भारत ने डबल्स वर्ग में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। ताजा रैंकिंग इस बात का संकेत है कि भारतीय टेबल टेनिस अब केवल एकल स्पर्धा तक सीमित नहीं, बल्कि तीनों डबल्स वर्गों में भी विश्व की अग्रणी टीमों को चुनौती देने की स्थिति में पहुंच चुका है।

जो रूट ने छोड़ा अपना शतक, 99 रन पर लौटे वापस, रोमांचक मुकाबले में इंग्लैंड ने मारी बाजी, तीसरे मैच में सीरीज का फैसला

कार्डिफ: भारतीय क्रिकेट टीम को इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में 4 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ सीरीज अब 1-1 से बराबरी पर है और इसका निर्णायक मुकाबला 19 जुलाई को खेला जाना है। इस मैच में भारतीय टीम पहले बैटिंग करते हुए सिर्फ 233 रन पर ऑलआउट हो गई। जिसके चेज करने में इंग्लैंड के भी हाथ पांव फूल गए और टीम ने जैसे-तैसे 45वें ओवर में जाकर मुकाबले को जीता। इस मैच में इंग्लैंड की जीत के हीरो उनके दिग्गज बल्लेबाज जो रूट रहे, जो 99 रन बनाकर इस मुकाबले में नाबाद लौटे।

जो रूट के 99 रन, इंग्लैंड ने जीता मैच

इंग्लैंड के लिए इस मैच में जीत के हीरो जो रूट रहे, जिन्होंने एक छोर को संभालते हुए नाबाद 99 रन की पारी खेली और अपनी टीम को जिता दिया। रूट ने अपनी पारी में 133 गेंदों का सामना किया और 9 चौके भी लगाए। वहीं विल जैक्स ने भी 30 रन की पारी खेली। इसके अलावा नाबाद 23 रन गस एटकिंसन ने बनाए। भारत के लिए गुरनूर ब्रार ने दो विकेट लिए। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, शिवम दुबे और अक्षर पटेल ने 1-1 विकेट लिया।

टीम इंडिया 233 रन पर सिमटी

इससे पहले भारतीय टीम विराट कोहली (65 रन) और उप कप्तान श्रेयस अय्यर (66 रन) की अर्धशतकीय पारियों के बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ 44 ओवर में 233 रन पर सिमट गई। कोहली की पारी ने उनके पुराने बेहतरीन दिनों की याद दिला दी, लेकिन रोहित शर्मा (26 रन) संघर्ष करते दिखे।जोफ्रा आर्चर (10 ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट) के घातक स्पेल से भारतीय टीम का मध्यक्रम बुरी तरह लड़खड़ा गया जिसमें 26 गेंद में 15 रन के अंदर चार विकेट गिर गए।

गस एटकिंसन ने 50 रन देकर तीन विकेट जबकि साकिब महमूद ने 52 रन देकर दो विकेट लिए। कोहली की 66 गेंद की पारी में आठ चौके शामिल थे जिनमें आर्चर की गेंद पर लगाया गया 'बैक-ड्राइव' सबसे खूबसूरत था। रोहित ने 47 गेंद में नौ डॉट गेंद खेलीं और आसानी से आउट हो गए। उप-कप्तान श्रेयस अय्यर भारत के लिए बल्लेबाजी के नायक साबित हुए जिन्होंने 71 गेंद में पांच चौके और दो छक्के लगाए। उन्होंने शॉर्ट गेंद का अच्छी तरह सामना किया, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें ज्यादा साथ नहीं मिला। उन्होंने आर्चर की गेंद पर छक्के के साथ अर्धशतक पूरा किया।

अय्यर शानदार फॉर्म में थे और ऐसा लग रहा था कि उन्होंने शॉर्ट गेंदों का सामना करने के लिए अपने खेल में सुधार किया है। लेकिन वॉशिंगटन सुंदर (2), अक्षर पटेल (1) और शिवम दुबे (0) जैसे बल्लेबाज बिल्कुल बेबस नजर आए और भारत का स्कोर सात विकेट पर 194 रन हो गया। इससे भारत की एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचने की उम्मीद खत्म हो गई।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रा में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है।

वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे।

इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

विश्व कप का जुनून : दुर्गापुर में मिठाईयों से बनाई गई लियोनेल मेसी की अनोखी प्रतिमा

दुर्गापुर। विश्व कप फुटबाल का रोमांच बढ़ने के साथ ही अर्जेंटीना और उसके स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी को लेकर प्रशंसकों का उत्साह भी चरम पर है। इसी उत्साह को खास अंदाज में पेश करते हुए पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर के वार्ड नंबर 24 स्थित मामड़ा बाजार की एक मिठाई की दुकान में पूरी तरह मिठाइयों से लियोनेल मेसी की आकर्षक प्रतिमा तैयार की गई है। इस अनोखी प्रतिमा को देखने के लिए बड़ी संख्या में फुटबाल प्रेमी दुकान पर पहुंच रहे हैं। लोग प्रतिमा के साथ सेल्फी ले रहे हैं और मेसी-मेसी तथा विवा अर्जेंटीना के नारों से पूरा इलाका गूंज रहा है। विश्व कप के माहौल में मामड़ा बाजार मानो फुटबाल प्रेमियों के लिए उत्सव स्थल बन गया है। दुकान के मालिक देवाशीष घोष ने बताया कि वह बचपन से ही अर्जेंटीना के समर्थक और लियोनेल मेसी के बड़े प्रशंसक हैं। वर्ष 2022 की तरह इस बार भी उन्होंने मेसी की मिठाई से बनी प्रतिमा तैयार की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस बार भी विश्व कप की ट्राफी मेसी के हाथों में ही पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ किलोग्राम खोया, खीर, सफेद और डार्क चाकलेट का उपयोग कर घर में ही इस प्रतिमा को तैयार किया गया है। उनके अनुसार यह केवल फुटबाल प्रेम का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी है।

अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम जारी रहेगा : आईसीसी

एडिनबर्ग

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक अहम फैसले में अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही आईसीसी बोर्ड ने एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया है, जिससे साल 2030 तक इन महिला खिलाड़ियों को आईसीसी के क्वालिफिकेशन पाथवे में शामिल करने के लिए भविष्य की योजना बनायी जा सके। जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आईसीसी की इस सालान बोर्ड बैठक में स्वतंत्र निदेशक डा. रोज रिवाज और आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति की सदस्य सारा कीन को भी स्पेशल टास्क फोर्स में शामिल किये जाने पर सहमति बन गयी। ये दोनों ही बीसीसीआई, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करेंगे। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य महिला क्रिकेट कार्यक्रम की लगातार निगरानी करना है, जिससे खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें।

डा. रास रिवाज ने इस अवसर पर कहा, टास्क फोर्स को एक स्पष्ट और टिकाऊ रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसका लक्ष्य संरचित कोचिंग, सार्थक प्रतिस्पर्धी अवसरों और सही हाई-परफार्मेंस पाथवे के माध्यम से अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लगातार विकास में सहायता करना है। डा. रिवाज ने साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम क्रिकेट के माध्यम से अवसर पैदा करने की आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उद्देश्य, ईमानदारी और दीर्घकालिक स्थिरता के साथ पूरा करने के लिए टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों और डिलीवरी पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

यह समर्थन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें उनके घरेलू इलाकों में क्रिकेट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग (एसएंडसी) कोच के साथ-साथ फिजियोथेरेपी की सुविधा भी शामिल है। धीरे-धीरे, खिलाड़ियों के लिए खेल के समय को भी बढ़ाया जाएगा। आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा जैसे देशों में रहने वाली खिलाड़ियों को अपने स्थानीय क्रिकेट वातावरण में एकीकृत किया जाएगा, जहाँ उन्हें नियमित प्रशिक्षण और खेलने के पर्याप्त अवसर मिलते रहेंगे। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को एक समूह के रूप में प्रशिक्षण लेने और मुकाबले में भाग लेने के अवसर मिलते रहेंगे, जैसा कि पिछले 12 महीनों में भारत और इंग्लैंड के सफल दौरों के दौरान देखा गया था।

अक्षर के आलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

बर्मिंघम

आलराउंडर अक्षर पटेल के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और शुभमन गिल व वाशिंगटन सुंदर की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में भारत ने 259 रन का लक्ष्य 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर (35) ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन जोड़कर पारी संभाली। गिल ने 80 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। श्रेयस रन आउट हुए और केएल राहुल बोल्ड हो गए। इसके बाद अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन की साझेदारी की। अक्षर ने नाबाद 57 रन, जबकि सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए। सुंदर ने आदिल रशीद पर विजयी छक्का लगाकर अपना अर्धशतक भी पूरा किया और भारत को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड ने 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। एक समय मेजबान टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए 19 रन के भीतर पांच विकेट झटक दिए। संकट में फंसी इंग्लैंड की पारी को जो रूट (76) और लियाम डासन (68) ने संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 121 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से गेंदबाजी में भी अक्षर पटेल ने कमाल किया और 4 विकेट अपने नाम किए। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

अक्षर ने बनाया खास रिकार्ड

इस मुकाबले में अक्षर पटेल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में एक ही मैच में 50 से अधिक रन बनाने और 4 विकेट लेने वाले भारत के छठे पुरुष क्रिकेटर बन गए। उनसे पहले हार्दिक पंड्या ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर वनडे में यह उपलब्धि हासिल की थी।

भारत की इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज में मेहमान टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है।

मानसून की स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो खाद्य तेल और दालें होंगी महंगी

प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखने लगा

नई दिल्ली

खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है। धान, दालों और तिलहन की कम बुआई के कारण आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मानसून की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आम उपभोक्ता की रसोई पर महंगाई की मार का असर पड़ेगा। जून में चावल की महंगाई दर बढ़कर 1.72 फीसदी पहुंच गई, जबकि मई में यह 0.23 फीसदी थी। इसके पीछे धान की बुआई में आई गिरावट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। 10 जुलाई तक धान का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.63 फीसदी कम दर्ज हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक दालों की स्थिति भी चिंताजनक है। तूअर (अरहर), उड़द और मूंग की बुआई में क्रमश: 30.29 फीसदी, 29.71 फीसदी और 10.62 फीसदी की कमी आई। इसका असर जून के महंगाई आंकड़ों में भी देखने को मिला। तूअर दाल की महंगाई दर -1.77 फीसदी से बढ़कर 0.85 फीसदी, उड़द 0.89 फीसदी से 2.16 फीसदी और मूंग 1.15 फीसदी से बढ़कर 1.71 फीसदी हो गई। इससे आने वाले समय में दालों की उपलब्धता और कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। तिलहन की बुआई में भी 21.1 फीसदी की गिरावट आई, जिसके चलते सरसों, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। वहीं ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाज भी महंगे होने लगे हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि दालें एक मौसमी फसल हैं, इसलिए बुआई में देरी या रकबा घटने से भविष्य की आपूर्ति प्रभावित होती है। ऐसे में व्यापारी भी बेहतर कीमतों की उम्मीद में स्टाक रोककर रखते हैं, जिससे बाजार में आपूर्ति कम होती है और कीमतें बढ़ती हैं। भारत मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून सामान्य से कमजोर रहने की आशंका है। जून में औसतन करीब 40 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जिससे खरीफ फसलों की बुआई पर असर पड़ा। देश के 44 फीसदी से ज्यादा जिलों में अब भी सामान्य से कम वर्षा हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई और बढ़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफाल टैक्स बढ़ाया, पेट्रोल पर शुल्क घटाया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स (अप्रत्याशित लाभ कर) में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने 16 जुलाई से डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफाल टैक्स बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क को घटाया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) के तहत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में यह संशोधन किए गए हैं। डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स को 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। विमानन ईंधन के निर्यात पर भी टैक्स 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 4 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इससे पहले 16 मई को पेट्रोल के निर्यात पर भी शुल्क लगाया गया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसके बाद हर पखवाड़े इसकी दरों में केंद्र सरकार संशोधन करती है। अधिसूचना में कहा गया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट की पृष्ठभूमि में पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया है।

किआ इंडिया सिरोस ईवी को कर सकती है भारत में लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है, और जल्द ही सिरोस ईवी को लान्च करने की योजना बना रही है। यह किआ की भारत में सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जो कैरेंस क्लैविस ईवी से नीचे रखी जाएगी। इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, मारुति ई-विटारा और महिंद्रा एक्सयूवी 400 जैसे माडलों से होगा। किआ सिरोस ईवी को 42 किलोवाट-घंटा और 51.4 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। यह बैटरी क्षमता हुंडई क्रेटा ईवी और किआ कैरेंस क्लाविस ईवी के समान है, लेकिन सिरोस के छोटी और हल्की होने के कारण इससे बेहतर ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है। 42 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 443 किलोमीटर और 51.4 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 520 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया जा सकता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी में से एक बना देगा।

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। जल्द ही भारत में मोटोरोला अपना नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स लान्च करने जा रहा है। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट पर एक माइक्रोसाइट के माध्यम से इसकी लान्च तिथि 15 जुलाई घोषित कर दी है। यह मोबाइल फोन देश में पहले से मौजूद एज 70 सीरीज का हिस्सा बनेगा। माइक्रोसाइट पर फोन का डिजाइन भी सामने आया है, जिसमें यह फ्लैट डिस्प्ले, पतले बेज़ेल और चौकोर रियर कैमरा माड्यूल के साथ हल्के नीले और हरे रंग के विकल्पों में दिखाया गया है। प्रदर्शन की बात करें तो, इसमें क्वालकाम का शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 चिपसेट होगा, जो एआई से जुड़ी एनपीयू परफार्मेंस में 46 प्रतिशत का सुधार लाने का दावा करता है। यह चिपसेट एंटुटु बेंचमार्क टेस्ट में 3 मिलियन से अधिक का स्कोर हासिल करने का दावा करता है और इसमें 12 जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम के साथ एआई प्रोसेसिंग की सुविधा भी शामिल है। बेहतर थर्मल मैनेजमेंट के लिए आर्कटिकमेश कूलिंग सिस्टम और 5500 वर्ग मिमी का वेपर कूलिंग चैंबर भी मौजूद होगा। डिस्प्ले में 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 7000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस वाला क्वाड-एचडी प्लस एलटीपीओ पैनल मिलेगा, जिसे कार्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन दी गई है। इसकी अन्य खूबियों में 95.12 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बाडी रेश्यो, डीसीआई-पी3 कलर गैमट सपोर्ट और 10-बिट कलर आउटपुट शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह फोन बीजीएमआई में 120 एफपीएस गेमप्ले को सपोर्ट करेगा।

आईडीबीआई बैंक की फेयरफैक्स से हो सकती है 53 हजार करोड़ की डील

यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा

नई दिल्ली

सरकार की लंबे समय से लंबित आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 5.5 अरब डालर की इस डील की घोषणा जल्द हो सकती है। यदि यह डील होती है, तो यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक फेयरफैक्स अब 81 रुपए प्रति शेयर का आफर दे रही है, जो पिछले साल दिए गए 75 रुपए के आफर से ज्यादा है। इस कीमत पर, सरकार बैंक में अपनी 45.48 फीसदी हिस्सेदारी में से 30.48फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 26,620 करोड़ रुपए जुटा सकती है। सरकारी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन (एलआईसी), जिसके पास बैंक की 50 फीसदी से थोड़ी कम हिस्सेदारी है, वह भी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इससे डील का कुल साइज 53,000 करोड़ रुपए हो जाएगा और यह किसी भारतीय बैंक में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा।

फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स का नेतृत्व भारतीय मूल के उद्योगपति प्रेम वत्स कर रहे हैं, वत्स ने अपने करियर की शुरुआत 1974 में कन्फेडरेशन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से की, जहां उन्होंने निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन का अनुभव हासिल किया। कुछ वर्षों बाद उन्होंने अपनी निवेश सलाहकार कंपनी स्थापित की और 1985 में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की नींव रखी। आज यह कंपनी वैश्विक स्तर पर बीमा और निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में गिनी जाती है। भारत में भी फेयरफैक्स ने कई बड़े निवेश किए हैं। कंपनी की हिस्सेदारी सीएसबी बैंक, आईआईएफएल कैपिटल और बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में है। इसके अलावा फेयरफैक्स की मौजूदगी उत्तर अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी है।

शक्ति पंप्स और सेल्सफोर्स की साझेदारी, एआई से बदलेगा कृषि कारोबार का स्वरूप

इंदौर। सोलर पंप निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने डिजिटल बदलाव को गति देने के लिए सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के जरिए कंपनी एआई आधारित तकनीक का उपयोग कर अपने बिक्री, सेवा, मार्केटिंग और फील्ड आपरेशंस को अधिक स्मार्ट और डेटा आधारित बनाएगी। कंपनी के अनुसार, इस साझेदारी से किसानों, डीलर्स और सेवा नेटवर्क के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा। सेल्सफोर्स के एआई प्लेटफार्म की मदद से रियल टाइम डेटा, पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन, तेज आफ्टर सेल्स सर्विस और बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित की जाएगी। सोलर पंप निर्माता से एग्री-टेक पार्टनर बनने की तैयारी शक्ति पंप्स ने कहा कि यह पहल कंपनी के उस विजन का हिस्सा है, जिसके तहत वह सोलर पंप निर्माता से आगे बढ़कर एक व्यापक एग्री-टेक पार्टनर के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करना चाहती है। एआई आधारित आटोमेशन, प्रेडिक्टिव इनसाइट्स और स्मार्ट फील्ड आपरेशंस के माध्यम से कंपनी उत्पादकता बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रमेश पाटीदार ने कहा कि किसानों के लिए व्यापक एग्री-टेक समाधान विकसित करने में तकनीक और एआई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी कंपनी को बिक्री, सेवा, मार्केटिंग और फील्ड आपरेशंस को एकीकृत स्मार्ट प्लेटफार्म पर लाने में मदद करेगी। कंपनी के चीफ डिजिटल एंड इंफार्मेशन आफिसर राजेश पोतदार ने कहा कि कृषि का भविष्य स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट तकनीक और डेटा आधारित फैसलों पर निर्भर करेगा। यह साझेदारी किसानों, भागीदारों और ग्रामीण समुदायों के लिए अधिक मूल्य सृजन में सहायक होगी। सेल्सफोर्स इंडिया के रीजनल वाइस प्रेसिडेंट विनय भट ने कहा कि एआई आधारित स्मार्ट आपरेशंस और बेहतर ग्राहक अनुभव भविष्य के कारोबार की दिशा तय करेंगे।

एक साल से भी कम समय में ग्रो ने मारी बाजी, दर्ज किया शानदार मुनाफा

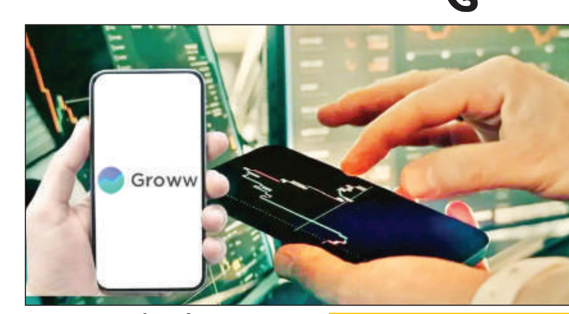

लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल किया

नई दिल्ली

भारतीय कमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। ब्रोकिंग प्लेटफार्म ग्रो ने लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल कर लिया है। यह बदलाव वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के आंकड़ों के साथ 15 जुलाई को सामने आया है, जहां ग्रो ने नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर (एनएडीटी) के मामले में एंजेल वन को मात दी है। जारी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रो का नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर 2.43 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि एंजेल वन का टर्नओवर 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा।

नोशनल टर्नओवर किसी प्लेटफार्म पर एक दिन में हुए कुल सौदों की औसत वैल्यू को दर्शाता है, जो बाजार में कंपनी की गतिविधि और प्रभाव को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि ग्रो ने कमोडिटी कारोबार में बहुत पहले एंट्री नहीं की थी। कंपनी ने जुलाई 2025 में चुनिंदा ग्राहकों के लिए यह सेवा शुरू की थी और सितंबर तक इसे सभी यूजर्स के लिए खोल दिया। यानी एक साल से भी कम समय में ग्रो ने उस बाजार में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जहां एंजेल वन लंबे समय से सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जाता था। इस तेजी के पीछे ग्राहकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कंपनी के कमोडिटी प्लेटफार्म पर सिर्फ 27 हजार ग्राहक थे, जो जून 2026 के अंत तक बढ़कर 4.35 लाख हो गई। आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में ग्रो की कमोडिटी मार्केट में हिस्सेदारी 28.6 फीसदी रही, वहीं एंजेल वन की हिस्सेदारी करीब 26.5 फीसदी रही। इस मामले में जेरोधा लगभग 12 फीसदी हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। कमोडिटी कारोबार का असर अब ग्रो की कमाई पर भी साफ दिख रहा है।

अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में कंपनी की कुल आय का 4.9 फीसदी हिस्सा कमोडिटी बिजनेस से आया। ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेंस गैराज वेंचर्स ने जून 2026 तिमाही में 735 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 94 फीसदी ज्यादा है। इसी दौरान कंपनी का आपरेशन से रेवेन्यू भी 66 फीसदी बढ़कर 1,501 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी का जून में निराशजनक प्रदर्शन

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की इलेक्ट्रिक पेशकश एक्सयूवी400 ईवी के लिए जून 2026 का महीना खासा निराशाजनक रहा इस माडल की केवल 31 इकाइयां बिकीं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (जून 2025 में 231 इकाइयां) की तुलना में लगभग 87 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्शाती है। महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी अपने आधुनिक और आकर्षक डिज़ाइन के लिए जानी जाती है, जिसमें बंद ग्रिल, महिंद्रा का तांबे जैसी आभा वाला प्रतीक चिन्ह और आकर्षक एलईडी हेडलैंप इसे अलग पहचान देते हैं। वाहन के भीतर प्रीमियम अनुभव देने वाला केबिन मिलता है, जिसमें 10.25 इंच का स्पर्श आधारित सूचना एवं मनोरंजन तंत्र, पूर्णत: डिजिटल चालक सूचना पटल, बिना तार के एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले की सुविधा, तथा दो हिस्सों वाला स्वचालित तापमान नियंत्रण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ईवी दो बैटरी विकल्पों (34.5 किलोवाट-घंटा और 39.4 किलोवाट-घंटा) के साथ आती है, जो क्रमश: 375 किलोमीटर और 456 किलोमीटर तक की प्रमाणित रेंज देती है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार चौथे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 790 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है।

भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने के संकेत के कारण अमेरिकी बाजार में कल इन्वेस्टर सेंटीमेंट पाजिटिव बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 150.91 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,659.18 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,572.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 159.74 अंक यानी 0.61 प्रतिशत उछल कर 26,266.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर फिलहाल 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,697.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,515.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 147.50 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,999.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स पूरे सत्र में दबाव में कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,382.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स फिलहाल 1,556.51 अंक यानी 2.26 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 67,195 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत टूट कर 3,923.20 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बिकवाली का चौतरफा दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से यह सूचकांक फिलहाल 418.27 अंक यानी 5.74 प्रतिशत लुढ़क कर 6,866.14 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत फिसल कर 5,530.48 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,145 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,637.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 473.90 अंक यानी 1.88 प्रतिशत उछल कर 25,155 अंक के स्तर पर आ गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 17 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बीडीएल ने मनाया अपना 57वाँ स्थापना दिवस

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने गुरुवार को अपनी सभी इकाइयों और कार्यालयों में बड़े उत्साह और उमंग के साथ अपना 57वाँ स्थापना दिवस मनाया।

उत्सव की शुरुआत बीडीएल के सीएमडी श्री शैलेश वगेरवाल द्वारा निदेशकों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्थापना दिवस का औपचारिक केक काटने के साथ हुई। यह अवसर राष्ट्र की सेवा में कंपनी की गौरवशाली यात्रा में एक और मील का पत्थर साबित हुआ।

राष्ट्र निर्माताओं को पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

संगठन को निरंतर प्रेरित करने वाले महान राष्ट्र निर्माताओं के आदर्शों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में, भारत रत्न डॉ. बी.आर. अंबेडकर, बाबू जगजीवन राम, महात्मा ज्योतिराव फुले और भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित की गई।

सीएमडी ने कर्मचारियों को दी बधाई, व्यक्त किया आभार

इस अवसर पर कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीएमडी श्री शैलेश वगेरवाल ने पूरे बीडीएल परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कंपनी के 57वें स्थापना दिवस पर बधाई दी। उन्होंने कंपनी के वर्तमान और सेवानिवृत्त कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों, ग्राहकों, रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों, सीआईएसएफ, व्यावसायिक भागीदारों और अन्य हितधारकों के प्रति उनके अटूट सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया, जिसने बीडीएल के विकास और सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

वैश्विक रक्षा विनिर्माण उद्यम बनने का संकल्प

सीएमडी ने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे सशस्त्र बलों की बढ़ती अपेक्षाओं को पूरा करने और सरकार के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए ग्राहक संतुष्टि, समय पर डिलीवरी, परिचालन उत्कृष्टता, गुणवत्ता, नवाचार और टीम वर्क के प्रति दृढ़ रहें। इसके अलावा, उन्होंने ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण, समझौताहीन गुण-वत्ता, समय पर डिलीवरी, नवाचार, जवाबदेही, सत्यनिष्ठा और टीम वर्क के माध्यम से कंपनी को एक वैश्विक स्तर पर सम्मानित रक्षा विनिर्माण उद्यम में बदलने के अपने दृष्टिकोण (विज़न) को भी रेखांकित किया।

आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में बीडीएल की अनूठी व महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करते हुए, उन्होंने कर्मचारी सशक्तिकरण, निरंतर सीखने, डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी उत्कृष्टता, सुरक्षा, स्थिरता और सशस्त्र बलों, डीआरडीओ, उद्योग व शिक्षा जगत के साथ मजबूत साझेदारी के महत्व पर विशेष जोर दिया।

गोलकोंडा में आयोजित जगदम्मा महांकाली बोनालु जतारा में भाग लेते हुए बीजेपी स्टेट एग्जीक्यूटिव मेम्बर एवं महेश बैंक के वाईस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, मनोज जयसवाल, आयोजक लक्ष्मण यादव एवं अन्य।

पाँच दिवसीय शिवपुराण कथा का शुभारंभ

भव्य कलश यात्रा के साथ आरंभ हुआ धार्मिक आयोजन, श्रद्धालुओं में उमड़ा उत्साह

20 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 12 से 3 बजे तक होगी शिवपुराण कथा

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेटला के सुराराम स्थित मां दधिमाता मंदिर परिसर में गुरुवार को पाँच दिवसीय शिवपुराण कथा का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में हुआ। कथा के प्रथम दिवस बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान शिव की आराधना की तथा कथा श्रवण का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

भव्य कलश यात्रा से हुआ आयोजन का शुभारंभ

कार्यक्रम की शुरुआत प्रातःकाल आयोजित भव्य कलश यात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान शिव के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच निकली यह यात्रा शिवालय मंदिर से प्रारंभ होकर कथा स्थल तक पहुँची। मार्गभर श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था तथा पूरा क्षेत्र शिवमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

भगवान शिव की महिमा का किया वर्णन

कलश यात्रा के उपरांत कथा वाचक पंडित संजय कृष्ण शास्त्रीजी ने विधिवत शिवपुराण कथा का शुभारंभ करते हुए भगवान शिव की महिमा, करुणा एवं भक्तवत्सल स्वरूप का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने शिवपुराण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

कथा के प्रथम दिवस श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ज्ञान एवं धर्म लाभ प्राप्त किया। यह कथा 16 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक आयोजित की जाएगी। आयोजन का संचालन समस्त महिला मंडल द्वारा किया जा रहा है।आयोजकों ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिवपुराण कथा का श्रवण करने तथा भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का आग्रह किया। धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति से समूचा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रेल निलयम में हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजभाषा विभाग, दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय द्वारा 14 एवं 15 जुलाई 2026 को रेल निलयम में प्रारंभिक हिंदी निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा वाक् प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी रुचि एवं प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

इन प्रतियोगिताओं का आयोजन मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, श्री राजेश पी. खाडे की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करना चाहिए तथा अपने सहकर्मियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

उप महाप्रबंधक (राजभाषा), दक्षिण मध्य रेलवे, श्री एम.के. नागराजु के मार्गदर्शन में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में मुख्यालय के विभिन्न विभागों से कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से कर्मचारियों ने हिंदी के प्रयोग के प्रति अपनी जागरूकता एवं रुचि का परिचय दिया।

वाक् प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में उपस्थित प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर के सचिव एवं उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (योजना), श्री ए. स्वराज कुमार ने भी कर्मचारियों को संबोधित करते हुए राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कर्मचारियों को भविष्य में भी राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में इसी उत्साह के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यालय के कर्मचारियों ने पूरे उत्साह एवं सक्रियता के साथ प्रतियोगिताओं में सहभागिता की तथा राजभाषा हिंदी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और अधिक प्रोत्साहित करेंगे तथा राजभाषा के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राजपूत समाज हैदराबाद का वार्षिक जलसा आषाढ़ के बगीचे का आयोजन 19 को

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजपूत समाज हैदराबाद का वार्षिक जलसा आषाढ़ के बगीचे कार्यक्रम का आयोजन 19 जुलाई रविवार को होगा। यह आयोजन हैदराबाद के अंबरपेट स्थित महाराणा प्रताप फंक्शन प्लेस में प्रातः 10बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम का आयोजन हैदराबाद राजपूत समाज के विशिष्ट सूत्रधार तथा समाज सेवी टी. गोपाल सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने जा रहे कार्यक्रम में मुख्य रूप से अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के महासचिव हरगोविंद सिंह तोमर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र सिंह चाव्हाण (नासिक), बिरेन्द्र तोमर (ग्वालियर), वीरेंद्र सिंह व विनोद सिंह मुंबई एवं अन्य शामिल होंगे। इस आशय की जानकारी टी. गोपाल सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि राजपूत समाज हैदराबाद द्वारा पिछले 25 वर्षों से प्रत्येक वर्ष राजपूत समुदाय से संबंधित कला व संस्कृति को लेकर कार्यक्रम किया जाता रहा है।

लाबूराम काग की स्मृति में भव्य वॉलीबॉल टूर्नामेंट संपन्न

संगारेड्डी टीम बनी विजेता, गजवेल उपविजेता

समाज में एकता, संगठन और खेल भावना का दिया संदेश

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईलापुर वडेर में स्व.लाबूराम काग की पावन स्मृति में आयोजित भव्य वॉलीबॉल टूर्नामेंट उत्साह, खेल भावना और सामाजिक एकता का प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों ने अनुशासन एवं खेल भावना के साथ शानदार प्रदर्शन किया, जबकि बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन, युवा एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

यह आयोजन स्वर्गीय लाबूराम काग की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। समाजजनों ने इस सराहनीय पहल के लिए बुधाराम काग एवं उनके समस्त परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए इसे समाजहित में एक अनुकरणीय प्रयास बताया।

समारोह में वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन केवल खेल प्रतियोगिताएँ नहीं होते, बल्कि समाज में एकता, संगठन, भाईचारे और युवाओं में खेलों के प्रति रुचि विकसित करने का प्रभावी माध्यम भी बनते हैं।

ऐसे आयोजन युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, अनुशासन में रहने तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव विकसित करने के लिए प्रेरित करते हैं।

समाजजनों ने उल्लेख किया कि बुधाराम काग ने पिछले दो वर्षों से एसएसपीएल में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके निरंतर प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा भविष्य में भी ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को सकारात्मक दिशा मिलेगी।

प्रतियोगिता में रोमांचक मुकाबलों के बाद संगारेड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया, जबकि गजवेल टीम उपविजेता रही। विजेता एवं उपविजेता टीमों को सम्मानित कर उनकी खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। इस अवसर पर सीरवी समाज समस्त वडेर के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित समाजबंधुओं ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे समाज को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण आयोजन बताया। कार्यक्रम के अंत में बुधाराम काग ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, समाजबंधुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। समाज की ओर से स्वर्गीय लाबूराम काग की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए ईश्वर से उनकी पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा बुधाराम काग एवं उनके परिवार को उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और समाजसेवा के ऐसे ही प्रेरणादायक कार्य निरंतर करते रहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई।

पीएम मोदी आज करेंगे हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दि. 17 जुलाई, 2026 को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के अपने दौरे के दौरान देश भर में 25,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इसी कड़ी में, प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना के हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन सहित देश के 20 राज्यों में पुनर्विकसित किए गए 75 अमृत स्टेशनों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वर्चुअली उद्घाटन करेंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन पर एक विशेष समारोह भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।20 राज्यों में 75 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो दुनिया के सबसे बड़े स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रमों में से एक है। लगभग 1,570 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इन स्टेशनों को आधुनिक, यात्री-अनुकूल सुविधाओं में बदल दिया गया है। 'विरासत भी, विकास भी' की भावना से पुनर्विकसित इन स्टेशनों में स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला को दर्शाने वाले तत्वों को शामिल किया गया है।तेलंगाना के हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन को 26 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकसित किया गया है। अब यह स्टेशन समकालीन वास्तुकला, हवाई अड्डे जैसी यात्री सुविधाओं और नए जमाने के सौंदर्य बोध (एस्थेटिक्स) को प्रदर्शित करता है। बदला हुआ यह स्टेशन एक विशाल, तकनीक-संचालित और यात्री-केंद्रित वातावरण प्रदान करता है, जो हैदराबाद के तेजी से बढ़ते आईटी कॉरिडोर के लिए एक निर्बाध, कुशल और भविष्य के लिए तैयार प्रवेश द्वार बनेगा।

हैदराबाद में 7 अगस्त से जुटेगा वैश्विक प्लास्टिक उद्योग, हाईप्लेक्स 2026 की तैयारियां तेज

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना एंड आंध्र प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (तापमा) द्वारा आगामी 7 से 10 अगस्त, 2026 तक हाईटेक्स एक्जीबिशन सेंटर, हैदराबाद में भारत की सबसे बड़ी और सबसे प्रभावशाली प्लास्टिक उद्योग प्रदर्शनियों में से एक हाईप्लेक्स 2026 (इंटरनेशनल प्लास्टिक एक्सपो) का आयोजन किया जा रहा है।

यह चार दिवसीय एक्सपो भारत सरकार के रसायन और पेट्रोकेमिकल विभाग (रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय), तेलंगाना सरकार, सिपेट और कई प्रमुख राष्ट्रीय प्लास्टिक उद्योग संघों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें देश-विदेश से उद्योग जगत के दिग्गजों, निर्माताओं, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, खरीदारों, नीति निर्माताओं और उद्यमियों के शामिल होने की उम्मीद है।

इस वर्ष एक्सपो की थीम ..अमृत काल में आत्मनिर्भर और विकसित भारत का उदय: परिवर्तन के लिए निवेश.. रखी गई है। इस प्रदर्शनी में प्लास्टिक मूल्य श्रृंखला से जुड़े नवीनतम नवाचारों, मशीनरी, कच्चे माल, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों, रीसाइक्लिंग समाधानों और तैयार उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा।

कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए हाईप्लेक्स 2026 के संयोजक श्री मीला जयदेव ने कहा, प्लास्टिक उद्योग भारत के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना हुआ है। हाईप्लेक्स 2026 प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, बिजनेस नेटवर्किंग, निवेश और बाजार विस्तार के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करेगा। हैदराबाद अपने उद्योग-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र और रणनीतिक स्थान के साथ इस तरह के बड़े पैमाने के अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए आदर्श स्थल है।

हाईप्लेक्स ने पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। साल 2023 में आयोजित इसके पिछले संस्करण में 480 प्रदर्शक और 41,600 से अधिक व्यावसायिक आगंतुक शामिल हुए थे, और यह 17,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला था। इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, हाईप्लेक्स 2026 को 26,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में विस्तारित किया जा रहा है, जो इसके इतिहास का सबसे बड़ा संस्करण होगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपकी योजना बाहर घूमने-फिरने की है तो आपका वक़्त हँसी-ख़ुशी और सुकून भरा रहेगा। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे लोगों से दूर रहें जिनकी बुरी आदतें आपके ऊपर असर डाल सकती हैं। अपनी दीवानगी को क़ाबू में रखें, नहीं तो यह आपके प्रेम-संबंध को मुश्किल में डाल सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

रचनात्मक शौक़ आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी। आज आप इश्क़ की चाशनी ज़िन्दगी में घुलती हुई महसूस करेंगे। किसी नयी परियोजना पर काम करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार लें। समय का अच्छा इस्तेमाल करने के लिए आज आप पार्क में घूमने का प्लान बना सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप अपने घर के सदस्यों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं और आपका काफी धन खर्च हो सकता है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दु:ख-दर्द भुला देता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप खाली समय का आनंद ले सकेंगे। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। पुराने संपर्क और दोस्त मददगार रहेंगे। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है – क्योंकि आज आपका प्रिय जल्दी ही नाराज़ हो सकता है। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज आपके पास लोगों से मिलने-जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट-पट हो सकती है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने नकारात्मक रवैये के चलते आप प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। यह इस बात को समझने का सही वक़्त है कि चिंता की आदत ने आपके सोचने की क्षमता को ख़त्म कर दिया है। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीज़ें सुधर रही हैं। कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फ़ायदा दिलायेगा। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। यदि कोई समस्या है तो उसे टालें नहीं, बल्कि जल्दी-से-जल्दी उसका समाधान ढूंढने की कोशिश करें। आपको ख़ुश करने के लिए आपका जीवनसाथी काफ़ी कोशिशें कर सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। पुराने निवेशों के चलते आय में बढ़ोत्तरी नज़र आ रही है। उन लोगों के साथ कुछ समय बिताएँ, जो आपको चाहते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए याद रखिये अगर समय की कद्र नहीं करेंगे तो इससे आपको ही नुक्सान होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

हाल की घटनाओं से आपका मन बेचैन हो सकता है। शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग फ़ायदेमंद साबित होंगे। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। घर को सजाने-संवारने के लिए अपने खाली समय का उपयोग करें। इसके लिए आप परिवार से सराहना पाएंगे। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रूमानी हो। कामकाज के मामलों को सुलझाने के लिए अपनी होशियारी और प्रभाव का इस्तेमाल करें। यह दिन शादीशुदा ज़िन्दगी के सबसे ख़ास दिनों में से एक रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। अपने जीवनसाथी का बोझ दूर करने के लिए घरेलू कामकाज में हाथ बटाएँ। इससे आपको साथ में काम करने का आनंद मिलेगा और जुड़ाव महसूस होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन-देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका सबसे बड़ा सपना हक़ीक़त में बदल सकता है। लेकिन अपने उत्साह को क़ाबू में रखें, क्योंकि ज़्यादा ख़ुशी भी परेशानी का सबब बन सकती है। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। जीवनसंगी के साथ वक्त बिताने के लिए आज आप ऑफिस से जल्दी निकल सकते हैं सेहत के नज़रिये से दिन अच्छा हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। जिन लोगों ने अतीत में अपना धन निवेश किया था आज उस धन से लाभ होने की संभावना बन रही है। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। हवन/पूजा-पाठ आदि का आयोजन घर मे होगा। आपके लिए यह ख़ूबसूरत दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। आप घूमने-फिरने और पैसे ख़र्च करने के मूड में होंगे– लेकिन अगर आपने ऐसा किया तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक्क़त का सामना करना पड़ेगा। बड़े उद्योगपतियों के साथ साझीदारी का व्यवसाय फ़ायदेमंद रहेगा। आज आप हँसी-मज़ाक़ के बीच आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई पुराना मुद्दा उभर सकता है, जो फिर वाद-विवाद का रूप भी ले सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

मौज-मस्ती और मनपसंद काम करने का दिन है। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। जिसपर आप यक़ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राज़ी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। आज आप ख़ुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा या सराहा जाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 जुलाई 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : तृतीया प्रात: 06:30 तक
नक्षत्र : मघा सायं 06:35 तक
योग : व्यतिपात रात्रि 10:45 तक
करण : गर प्रात: 06:30 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 05:50, सूर्यास्त 06:53 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:43 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
चचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : विनायक चतुर्थी , चतुर्थी तिथि का क्षय , गण्डमूल सायं 06:35 तक , भद्रा सायं 05:34 से रात्रि 04:46 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

उत्तरी तेलंगाना में सिंचाई संकट पर बीआरएस का सरकार पर हमला

कालेश्वरम के कन्नेपल्ली पंप तुरंत शुरू करने की मांग

पेद्दापल्ली, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. चिरुमिला राकेश कुमार ने उत्तरी तेलंगाना में गहराते सिंचाई संकट को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मांग की कि सरकार कालेश्वरम परियोजना के कन्नेपल्ली पंप को तुरंत शुरू कर सूखे तालाबों और जलाशयों को भरे।

पेद्दापल्ली प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की विफलता के कारण किसान गंभीर संकट का सामना कर रहे हैं। पेद्दापल्ली क्षेत्र में येल्लम्मा टैंक सहित कई तालाब पूरी तरह सूख चुके हैं, जिससे किसानों को खरीफ की बुवाई में भारी परेशानी हो रही है। डी-83 और डी-86 नहरों से पानी की आपूर्ति बंद होने से स्थिति और बिगड़ गई है। उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए कहा कि पिछले साल इस समय तक जिले में 2.79 लाख एकड़ में खेती हुई थी, जबकि इस साल अब तक केवल 12 हजार एकड़ में ही बुवाई हो पाई है। डॉ. राकेश ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों की समस्याओं के समाधान के बजाय बीआरएस नेताओं की आलोचना में समय बर्बाद कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर केवल प्रेस मीटिंग कर समय बिताने का आरोप लगाया।

उन्होंने सरकार पर पट्टिपाका जलाशय के निर्माण की अनदेखी का भी आरोप लगाया और कहा कि दो साल बीत जाने के बाद भी काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार को कालेश्वरम प्रोजेक्ट की मरम्मत को लेकर बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी.आर. और पूर्व मंत्री हरीश राव की चुनौती को स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि श्रीधर बाबू के पिता के नाम पर बने श्रीपाद येल्लमपल्ली प्रोजेक्ट में तुरंत पानी भरा जाए। उन्होंने बताया कि 20 टीएमसी क्षमता वाले इस प्रोजेक्ट में वर्तमान में केवल 7 टीएमसी पानी ही है। यदि पीने के पानी और एनटीपीसी की जरूरतों को ध्यान में रखा जाए तो सिंचाई के लिए भारी कमी पैदा हो जाएगी। गोदावरी में घटते जल प्रवाह को देखते हुए सरकार को श्रीपाद येल्लमपल्ली को भरकर उस पानी को तालाबों में पहुंचाने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को कम पानी वाली फसलें लगाने की सलाह देना ही राज्य में सिंचाई संकट का प्रमाण है। यदि सरकार ने राजनीतिक आलोचना छोड़कर जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं किया तो आने वाले दिनों में पेयजल संकट भी गहरा सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। इस प्रेस मीट में बीआरएस टाउन अध्यक्ष उप्पू राजकुमार, पूर्व उपाध्यक्ष मोबिन, पूर्व पार्षद स्वामी, उप सरपंच मेकला कुमार यादव, वरिष्ठ नेता कर्रे देवेंद्र रेड्डी, पडाला सतीश गौड़, पोसानी श्रीनिवास यादव, उप्पू शिवकुमार, बोइनी मनोज, कांची नागराज, पैली किरण सहित कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

सेवा के संस्कारों से समाज को नई दिशा दे रहा है राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद: रेनू शर्मा

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने गुरुवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, सेवा और मानवता की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा को ईश्वर की सच्ची आराधना बताया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेनू शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से निरंतर सेवा कार्य कर रहा है, वह पूरे समाज के लिए प्रेरण-ास्रोत बन गया है। उन्होंने कहा कि सेवा केवल दान देने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता को सशक्त बनाने का सबसे श्रेष्ठ मार्ग है। किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना और उसकी भूख मिटाना सबसे बड़ा पुण्य है। राधे-राधे ग्रुप ने सेवा, समर्पण और संस्कारों के माध्यम से समाज में एक आदर्श स्थापित किया है, जिससे अनेक लोग प्रेरित होकर इस पुण्य अभियान से जुड़ रहे हैं। रेनू शर्मा ने कहा कि ग्रुप के प्रत्येक सदस्य का समर्पण, अनुशासन और सेवा भाव इस अभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। प्रतिदिन निरंतर चल रहे अन्नदान कार्यक्रम यह सिद्ध करते हैं कि यदि सेवा का संकल्प दृढ़ हो तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य आता है। उन्होंने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे भी अपने जीवन का कुछ समय और सामर्थ्य मानव सेवा के लिए समर्पित करें, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंच सके और समाज में प्रेम, सहयोग तथा भाईचारे की भावना और अधिक मजबूत हो। कार्यक्रम में अनिल धरसुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, महेश अग्रवाल एवं रेनू शर्मा सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य को निरंतर गति देने का संकल्प लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पाक की...

इस सप्ताह हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल हमले किए। हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब ने उनके नियंत्रण वाले एक हवाई अड्डे पर बमबारी की थी। सीमा पार हुई इस कार्रवाई के बाद चार वर्षों से लागू संघर्ष-विराम व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं, हालांकि फिलहाल यह घटना सीमित स्तर तक ही रही है।

पाकिस्तानी सुरक्षा विश्लेषक मुहम्मद आमिर राणा ने कहा कि पाकिस्तान को उम्मीद नहीं थी कि क्षेत्रीय तनाव इतनी तेजी से बढ़ जाएगा।

दो पाकिस्तानी अधिकारियों के अनुसार, यमन सीमा के निकट तैनात पाकिस्तानी सैनिकों के कारण इस्लामाबाद की चिंता बढ़ गई है। यदि संघर्ष व्यापक रूप लेता है तो पाकिस्तान के लिए तटस्थ रहना मुश्किल हो सकता है।इस्लामाबाद को यह आशंका भी है कि यदि हूती विद्रोही लाल सागर में समुद्री यातायात को बाधित करते हैं, तो इसका सीधा असर सऊदी अरब के आर्थिक हितों और वैश्विक व्यापार पर पड़ेगा। यदि ऐसी स्थिति में सऊदी अरब सैन्य जवाबी कार्रवाई करता है और संघर्ष बढ़ता है, तो रक्षा समझौते की शर्तों के तहत पाकिस्तान को सैन्य सहयोग देना पड़ सकता है।

पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल गुलाम मुस्तफ़ा ने कहा कि फिलहाल पाकिस्तान का शीर्ष नेतृत्व सभी पक्षों के बीच तनाव कम कराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि हूती विद्रोही सऊदी अरब पर हमलों का दायरा बढ़ाते हैं, तो परिस्थितियां बदल सकती हैं।

मध्यस्थता प्रक्रिया से जुड़े एक अन्य पाकिस्तानी सूत्र ने भी कहा कि युद्ध का समाप्त होना सभी के हित में है, लेकिन यदि सऊदी अरब सहायता मांगता है तो पाकिस्तान उसके साथ खड़ा होगा।इसी बीच पाकिस्तान सरकार के दो अधिकारियों ने दावा किया है कि ईरान के राजनीतिक नेतृत्व और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के बीच रणनीतिक मतभेद बढ़ रहे हैं। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।पाकिस्तान के रक्षा विश्लेषक मुहम्मद अली ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ईरान में निर्णय लेने की प्रक्रिया पर सेना का प्रभाव बढ़ गया है।

ईरान पर...

व्हाइट हाउस का दावाकूटनीतिक वार्ता के रास्ते अब भी खुले

सैन्य कार्रवाई के बीच व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि अमेरिका और ईरान के बीच कूटनीतिक संपर्क पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते अब भी खुले हैं।उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''ईरान लगातार अमेरिका से बातचीत कर रहा है और हमारे साथ एक समझौता करने की इच्छा जता रहा है, क्योंकि अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के कारण उसे भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।''व्हाइट हाउस के इस दावे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई चर्चा को जन्म दिया है, क्योंकि सैन्य टकराव के बीच भी दोनों देशों के बीच संपर्क बनाए रखने की संभावना जताई गई है।

बाब अल...

पर इस विषय पर चर्चा हुई है और संबंधित संदेश हूती नेतृत्व तक पहुंचा दिया गया है। हालांकि, इस संबंध में ईरान और हूती संगठन की ओर से आधिकारिक पुष्टि या प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

सूत्रों के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के निकट मिसाइलें और ड्रोन तैनात कर दिए हैं। हूतियों से जुड़े एक सूत्र का दावा है कि जहाजों को निशाना बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है और अब केवल अंतिम आदेश का इंतजार किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि लाल सागर और बाब अल-मंदेब क्षेत्र में समुद्री यातायात बाधित होता है, तो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर इसका व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। होर्मुज और बाब अल-मंदेब दोनों मार्ग प्रभावित होने की स्थिति में मध्य-पूर्व से तेल निर्यात के प्रमुख समुद्री रास्तों पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है।हूती सूत्रों के अनुसार, यमन में पहले से मौजूद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रतिनिधि परिस्थितियों के अनुसार बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को बंद करने का निर्णय ले सकते हैं।क्षेत्र में तनाव उस समय और बढ़ गया जब हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल हमलों का दावा किया। हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब ने सोमवार को उनके नियंत्रण वाले एक हवाई अड्डे पर बमबारी की थी। इस घटनाक्रम के बाद दोनों पक्षों के बीच पिछले चार वर्षों से प्रभावी युद्धविराम व्यवस्था के टूटने की आशंका जताई जा रही है।

जोखिम विश्लेषण संस्था वेरिस्क मेपलक्रॉफ्ट के मध्य-पूर्व मामलों के मुख्य विश्लेषक टोरब्योर्न सोल्वडेट ने कहा कि हूतियों और सऊदी अरब के बीच बढ़ता तनाव ऐसे समय सामने आया है, जब क्षेत्र पहले से ही अस्थिर बना हुआ है।उन्होंने कहा कि यदि संघर्ष और तेज होता है तथा लाल सागर में तेल निर्यात अवसंरचना और समुद्री जहाजों तक फैलता है, तो मध्य-पूर्व से तेल निर्यात के प्रमुख वैकल्पिक मार्ग पर भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है।

सऊदी अरब ने खतरे को बताया गंभीर

रियाद के करीबी दो क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, सऊदी अरब ईरान और हूती विद्रोहियों की ओर से मिल रही धमकियों को गंभीरता से ले रहा है। सूत्रों का कहना है कि रियाद को यह जानकारी भी है कि लाल सागर से जुड़े मुद्दों पर हूती संगठन अब ईरान के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहा है।

प्रवासी महिला की ...

प्रताड़ना जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से लिया गया है।

उधर, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच जारी है। वायरल ऑडियो, सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों तथा मृतका द्वारा लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच की जा रही है। इस मामले में किसी भी व्यक्ति की कानूनी जिम्मेदारी या दोष का निर्धारण केवल पुलिस जांच और न्यायालय की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही संभव होगा।

शुभ लाभ पत्रिका समाज की सभी महिलाओं एवं परिवारों से अपील करती है कि यदि किसी भी महिला के साथ मानसिक, शारीरिक या पारिवारिक प्रताड़ना हो रही है तो वह आत्महत्या जैसा कदम उठाने के बजाय अपने परिजनों, समाज के जिम्मेदार लोगों तथा स्थानीय पुलिस से तत्काल संपर्क कर न्याय की मांग करे। आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। समय रहते उठाई गई कानूनी और सामाजिक पहल न केवल एक जीवन बचा सकती है, बल्कि दोषियों को कानून के दायरे में लाने का भी माध्यम बन सकती है।

ई-20 ...

समस्या आती रही। कंपनी ने स्वीकार किया कि पहली बार फ्यूल टैंक पूरी तरह साफ नहीं हो पाया था और रासायनिक तत्वयुक्त ईंधन अंदर रह गया था। दोबारा सफाई के बावजूद फ्यूल टैंक, पाइपलाइन और फिल्टर में फिर सफेद परत और तरल पदार्थ मिला।

कुछ समय बाद दोबारा डैशबोर्ड पर इंजन खराब होने की चेतावनी आई और वाहन का ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) मोड भी काम करना बंद कर दिया। इंजन पूरी तरह खराब हो गया और वाहन चलने योग्य नहीं रहा।

इसके बाद कंपनी ने ई-मेल के माध्यम से सूचित किया कि इंजन पूरी तरह खराब हो चुका है और उसे बदलने में लगभग 5.30 लाख रुपये खर्च होंगे, जो वारंटी के अंतर्गत शामिल नहीं है। कंपनी ने बाद में वाहन ठीक कर वापस सौंपा, लेकिन डीलरशिप के सामने पेट्रोल भरवाने के बाद कार करीब 10 किलोमीटर चलकर फिर बंद हो गई। इस बार भी फ्यूल टैंक में दही जैसी सफेद परत और तरल पदार्थ मिला।

डॉ. देबता ने नई कार या पूरी राशि वापस करने की मांग की, लेकिन कंपनी ने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने मार्च 2025 में उपभोक्ता आयोग में याचिका दायर की।

सरकारी लैब की जांच रिपोर्ट बनी अहम साक्ष्य

मामले की जांच के दौरान पेट्रोल के नमूनों की जांच एसजीएस लैब में कराई गई। रिपोर्ट में ईंधन में एथेनॉल की मौजूदगी की पुष्टि हुई। जांच में पाया गया कि पेट्रोल के निचले हिस्से में सफेद परत के रूप में एथेनॉल अलग होकर जमा हो गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, ईंधन ई-20 श्रेणी का था, लेकिन एथेनॉल अलग होने के कारण उसकी प्रभावी मात्रा घटकर 6 से 7 प्रतिशत रह गई थी। आयोग ने माना कि संबंधित वाहन का इंजन ई-20 ईंधन के अनुरूप नहीं था, इसके बावजूद उपभोक्ता को ऐसा वाहन बेचा गया।

नई ए-20 अनुकूल कार दें, अन्यथा पूरी राशि लौटाएं

14 जुलाई 2026 को उपभोक्ता आयोग ने डॉ. प्रेमराज देबता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए आदेश दिया कि कंपनी 45 दिनों के भीतर ई-20 ईंधन के अनुकूल उसी मॉडल की नई कार उपलब्ध कराए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो कंपनी को वाहन की 20.5 लाख रुपये की कीमत, आरटीओ पंजीकरण शुल्क, बीमा तथा अन्य सभी खर्चों सहित पूरी राशि लौटानी होगी।

इसके अलावा आयोग ने मानसिक प्रताड़ना के लिए 1 लाख रुपये तथा वाद व्यय (केस लड़ने के खर्च) के रूप में 10 हजार रुपये का भुगतान करने का भी आदेश दिया है।

बेटियों ने...

इसके अतिरिक्त, 1,492 अभ्यर्थियों ने 650 या उससे अधिक, 10,160 अभ्यर्थियों ने 600 या उससे अधिक, जबकि 90,780 अभ्यर्थियों ने 500 या उससे अधिक अंक प्राप्त किए।

सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से अभ्यर्थी सफल

एनटीए के अनुसार, देश के सभी 36 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से अभ्यर्थी सफल हुए हैं। उत्तर प्रदेश से सर्वाधिक 1.7 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने सफलता प्राप्त की, जबकि लक्षद्वीप से 43 अभ्यर्थी परीक्षा में सफल रहे। राज्यवार टॉपर्स में लद्दाख की जिग्मेट यांगचेन लामो (530 अंक), अंडमान-निकोबार के ध्रुव त्रिपाठी (606 अंक) तथा लक्षद्वीप की फहमीदा अनीस (573 अंक) शामिल हैं। कुल 17 राज्यों के टॉपर्स ने 700 या उससे अधिक, जबकि 26 राज्यों के टॉपर्स ने 690 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं।

श्रेणीवार सफल अभ्यर्थियों की संख्या
सामान्य वर्ग: 2.91 लाख
ओबीसी-एनसीएल : 5.12 लाख
'एससी : 1.59 लाख
एसटी: 63,716
ई डब्ल्यू एस: 95,026
पीडब्ल्यू बी डी: 3,666
पीडब्ल्यूडी: 303

13 भाषाओं में आयोजित हुई परीक्षा

नीट यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन 13 भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दूमें किया गया।

एनटीए ने स्पष्ट किया कि उसका दायित्व परीक्षा का आयोजन, परिणाम घोषित करना तथा ऑल इंडिया रैंक जारी करना है। एमबीबीएस और बीडीएस की ऑल इंडिया कोटा काउंसलिंग मेडिकल काउंसलिंग कमेटी द्वारा आयोजित की जाएगी, जबकि राज्य कोटा काउंसलिंग संबंधित राज्य सरकारें कराएंगी।

फर्जी कॉल और सीट दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी से रहें सतर्क

छढअ ने अभ्यर्थियों एवं अभिभावकों को फर्जी कॉल, मैसेज तथा मेडिकल सीट दिलाने के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि वह किसी भी अभ्यर्थी से पैसे या व्यक्तिगत जानकारी की मांग नहीं करती। उम्मीदवार केवल आधिकारिक वेबसाइट से ही जानकारी प्राप्त करें और किसी भी प्रकार के भ्रामक दावों से बचें।

कांग्रेस का...

न्यायाधीशों को हटाने वाले विधेयक का भी मजबूती से करेगी विरोध

न्यायाधीशों को हटाने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर भी बैठक में चर्चा हुई। इस विधेयक की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाई गई है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका बहिष्कार किया है। कांग्रेस इस विधेयक का भी मजबूती से विरोध करेगी।

एफसीआरए संशोधन विधेयक का भी विरोध करेगी कांग्रेस: रमेश

यदि सरकार 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक' मानसून सत्र में लाती है तो कांग्रेस इसका पूरी तरह विरोध करेगी। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक दोबारा लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी इस विधेयक का विरोध किया था, जिसके बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा था। अगर इसे फिर पेश किया गया तो पार्टी दोबारा इसका विरोध करेगी।

जगन्नाथ...

सरकार के अनुसार, भीड़ अधिक होने के कारण एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है, जबकि मौत के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

शाम करीब 7:30 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ आगे बढ़ा, लेकिन कुछ ही मीटर चलने के बाद पहले दिन की यात्रा रोक दी गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रथयात्रा शुक्रवार सुबह 9:30 बजे पुनः शुरू होगी और भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र तथा देवी सुभद्रा के रथ गुंडीचा मंदिर की ओर प्रस्थान करेंगे।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे हादसे

पुरी की जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान इससे पहले भी भीड़ के कारण दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

18 जुलाई 2015: नवकलेवर वर्ष के अवसर पर लाखों श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए थे। भगवान बलभद्र का रथ खींचे जाने के दौरान ग्रैंड रोड स्थित मारिचिकोट चौक के पास अचानक भीड़ बढ़ गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। दम घुटने से दो महिलाओं की मौत हो गई थी, जबकि छह लोग घायल हुए थे।

29 जून 2025: गुंडिचा मंदिर के बाहर सरधाबली क्षेत्र में तड़के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र थे। भीड़ के एक साथ आगे बढ़ने से भगदड़ मच गई, जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। घटना के बाद राज्य सरकार ने न्यायिक जांच के आदेश दिए थे तथा लापरवाही के आरोप में कई अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की थी।

राष्ट्रीय प्लास्टिक रहित दिवस पर

हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की निबंध प्रतियोगिता 20 जुलाई को

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आगामी 20 जुलाई को राष्ट्रीय प्लास्टिक रहित दिवस के उपलक्ष्य में प्लास्टिक रहित एक दिवस विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य एकल-उपयोग प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना है।

आज एकल-उपयोग प्लास्टिक थैलियाँ पर्यावरण के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक बन चुकी हैं। ये थैलियाँ नष्ट होने में सैकड़ों वर्ष लेती हैं, जिससे भूमि एवं जल स्रोत प्रदूषित होते हैं। इसके साथ ही समुद्री जीवों तथा पशु-पक्षियों के लिए यह जानलेवा साबित होती हैं। प्लास्टिक के कारण नालियाँ अवरुद्ध हो जाती हैं, जिससे जलभराव और बाढ़ जैसी समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। वहीं, प्लास्टिक जलाने से निकलने वाली विषैली गैसें वायु प्रदूषण बढ़ाने के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालती हैं। ऐसे में एकल-उपयोग प्लास्टिक पर रोक लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं स्वस्थ भविष्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक हो गया है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभागियों से एकल-उपयोग प्लास्टिक थैलियों के दुष्प्रभावों तथा उनके पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों, जैसे कपड़े के थैले, जूट बैग एवं कागज़ के लिफाफे आदि को अपनाने के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करने का आग्रह किया गया है।

प्रतियोगिता के नियम एवं विशेषताएँ

-सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।

-चयनित श्रेष्ठ निबंधों को पुस्तक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

-निबंध केवल हिंदी भाषा में ही स्वीकार किए जाएंगे।

-निबंध की अधिकतम शब्द सीमा 800 शब्द निर्धारित की गई है।

-प्रतिभागी अपने निबंध व्हाट्सएप के माध्यम से मोबाइल नंबर 9105300059 पर भेज सकते हैं।

हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने विद्यार्थियों, साहित्यकारों, पत्रकारों तथा आम नागरिकों से इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा है कि आइए, हम सभी मिलकर प्लास्टिक मुक्त भारत के निर्माण और स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण के संरक्षण में अपना सक्रिय योगदान दें।

निस्वार्थ सेवा ही जीवन का सच्चा धर्म, सेवा का भाव कर्म से ही जागृत होता है : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण और मानवता के भाव के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति से सेवा कार्यों में भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि सेवा का भाव केवल सुनने या देखने से नहीं, बल्कि स्वयं सेवा कार्य करने से जागृत होता है। जब व्यक्ति निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करता है, तभी उसके भीतर करुणा, संवेदनशीलता और मानवता के संस्कार विकसित होते हैं। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के नियमित अन्नदान एवं अन्य सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहा है। यह सेवा केवल भोजन कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों के मन में प्रेम, अपनत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना भी जागृत करती है। उन्होंने कहा कि सेवा का प्रत्येक छोटा प्रयास भी ईश्वर की सच्ची आराधना है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन का कुछ समय और अपनी सामर्थ्य का कुछ भाग समाज सेवा के लिए समर्पित करे, तो अनेक जरूरतमंदों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य भी यही है कि सेवा की यह ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहे और अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य से जुड़कर मानवता की सेवा करें। कार्यक्रम में सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पुबाराम कुमावत, रोहित अग्रवाल तथा सुमन अग्रवाल ने सक्रिय सहभागिता निभाई और जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक अन्न वितरित किया।

जुक्कल में घर-घर जाकर भराए जाएंगे एसआईआर फॉर्म : लक्ष्मी कांताराव

बांसवाड़ा, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक श्री थोटा लक्ष्मी कांताराव ने विधायक कैंप कार्यालय में विशेष गहन पुनरिक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर मंडल अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर विधायक ने सुझाव दिया कि प्रत्येक मतदाता से गणना फॉर्म भरवाया जाए तथा पुरानी मतदाता सूची अथवा वर्ष 2002 की मतदाता सूची के आधार पर विवरणों को सही ढंग से अद्यतन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों एवं संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे जुक्कल विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गांव में घर-घर जाकर हर पात्र व्यक्ति का एसआईआर फॉर्म भरवाना सुनिश्चित करें। विधायक ने बताया कि जुक्कल विधानसभा क्षेत्र में अब तक 70 से 80 प्रतिशत गणना फॉर्म भरे जा चुके हैं। इस अवसर पर उन्होंने इस कार्यक्रम में जुटे बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) एवं कर्मचारियों की विशेष सराहना की।

सरकारी एरिया अस्पताल में सदारम सेवा शुरू, दिव्यांगों को मिलेगी बड़ी राहत

बान्सवाड़ा, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बान्सवाड़ा सरकारी एरिया अस्पताल में गुरुवार से सदारम सेवा की शुरुआत हो गई है। इस सेवा का उद्घाटन 12 जुलाई को राज्य सरकार के कृषि सलाहकार एवं बान्सवाड़ा विधायक पोचारम श्रीनिवास रेड्डी ने किया था।

अस्पताल में यह सेवा शुरू होने से बान्सवाड़ा, बिरकुर, नसरुल्लाबाद, निजामसागर, पिटलम, जुक्कल, मदनूर, बिचकुंदा सहित आसपास के सभी मंडलों के दिव्यांगजनों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे पहले सर्टिफिकेट के लिए उन्हें खर्च कर निजामाबाद और कामारेड्डी जाना पड़ता था। इस अवसर पर आरएमओ डॉ. सुजाता ने कहा कि दिव्यांगजन अपनी सुविधा के अनुसार ऑनलाइन स्लॉट बुक करके अस्पताल आएं। उन्होंने बताया कि हर गुरुवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक दिव्यांगजनों की जांच कर प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। उन्होंने सभी पात्र लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की। इस कार्यक्रम में अस्पताल अधीक्षक विजय भास्कर, आरएमओ डॉ. सुजाता, 13वें वार्ड के पार्षद मोहम्मद खालेख, मोहम्मद सुल्तान गौस, कांग्रेस नेता सैयद इलियास अली एवं अस्पताल के कर्मचारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल मानव सेवा संस्था ने की गौ सेवा

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा संस्था द्वारा गौ सेवा का आयोजन किया गया। संस्था के संस्थापक सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा के पावन अवसर पर करवान के समीप रामसिंगपुरा स्थित राधाकृष्ण मंदिर की गौशाला में यह सेवा की गई। गौशाला का संचालन बालमुकुंद पांडे द्वारा किया जाता है, जहां लगभग 50 गौ माता और 5 नंदी महाराज हैं। उन्होंने बताया कि शहर की बड़ी गौशालाएं प्रायः संपन्न हैं, इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर गौशालाओं में सेवा करना अधिक सार्थक है।

सेवा के दौरान गौ माता को रोटी के साथ टमाटर, गाजर, खीरा, ककड़ी, केला आदि सब्जियों और फलों का भोग लगाया गया। इस सेवा कार्य में संस्था के संस्थापक सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल, श्रीमती संतोष अग्रवाल एवं उमा तायल ने योगदान दिया।

भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा के दौरान मंत्री डी. श्रीधर बाबू , जी. पुल्ला रेड्डी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के शिक्षाविद् वेद व्यास से भेंट करती हुई समाज सेविका श्रीमती पूजा गुप्ता।

भिवानी के रामपाल सिंह तंवर का नाम यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

भिवानी, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के भिवानी निवासी डॉ. (मानद) रामपाल सिंह तंवर का नाम यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ है। मात्र 14 वर्ष 2 माह की आयु में बैंक सेवा में योगदान देने वाले श्री तंवर ने लगभग 44 वर्षों तक बैंक में सेवा दी और कनिष्ठ लेखाकार के पद से सेवानिवृत्त हुए।

बैंक सेवा के साथ-साथ उनके द्वारा किए गए सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों को भी रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

गुरुवार सुबह यह सूचना मिलने पर श्री तंवर ने हमारे संवाददाता से बातचीत में कहा कि यह सब उनके माता-पिता, दादा के दिए संस्कारों तथा बैंक और समाज के अनुभवी व्यक्तियों के आशीर्वाद का परिणाम है।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 12 जनवरी 2026 को सामूहिक योग में भाग लेने के लिए भी उनका नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो चुका है, वहीं 21 जून 2026 को विश्व योग दिवस पर दूसरी बार सामूहिक योग में भागीदारी का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

दिसंबर 2025 में प्रधानमंत्री संग्रहालय, तीन मूर्ति भवन में विश्व संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण आयोग द्वारा उन्हें सामाजिक कार्यों के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई थी।

मदनूर में एसआईआर के लिए विशेष हेल्प डेस्क शुरू, तहसीलदार ने किया निरीक्षण

मदनूर, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत तड़ी मदनूर मंडल केंद्र में तहसीलदार कार्यालय परिसर में एक विशेष हेल्पलाइन डेस्क शुरू की गई है। सोमवार को तहसीलदार एम.डी. मुजीब ने हेल्प डेस्क का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान तहसीलदार ने राजस्व कर्मचारियों और बीएलओ को निर्देश दिए कि ग्रामीणों को गणना फॉर्म भरने में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि फॉर्म के साथ सभी आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न कर विधिवत जमा कराए जाएं।

तहसीलदार ने मतदाताओं से अपील की कि वे फॉर्म भरने में किसी तरह का संकोच न करें और हेल्प डेस्क की सहायता से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना सुनिश्चित करें। अधिकारियों ने बताया कि घर-घर सर्वे के दौरान जमा किए गए फॉर्मों को लेकर किसी प्रकार का संदेह होने या नाम दोबारा दर्ज कराने की स्थिति में नागरिक हेल्प डेस्क पर आकर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

तहसीलदार ने बताया कि मदनूर मंडल में अब तक 71 प्रतिशत एसआईआर का कार्य पूरा कर लिया गया है। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

डीसीपी ने किया नेन्नेल थाने का औचक निरीक्षण

मंचेरियाल, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत मंचेरियाल जोन के नेन्नेल पुलिस थाने का डीसीपी एग्गडी भास्कर ने औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने सबसे पहले थाने के परिसर का जायजा लिया। इसके बाद रिसेप्शन सेंटर में तैनात कर्मचारियों से बातचीत कर अभिलेखों की जांच की। उन्होंने स्टेशन राइटर और सीसीटीएनएस ऑपरेटरों से ऑनलाइन रिकॉर्ड दर्ज करने और अपलोड करने की प्रक्रिया की जानकारी ली तथा सभी रिकॉर्ड समय पर अपडेट करने के निर्देश दिए।

डीसीपी ने जांच अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक अपराध स्थल का अनिवार्य रूप से दौरा करें, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी के माध्यम से साक्ष्य एकत्र करें और ई-साक्ष्य एप्लिकेशन में जानकारी तुरंत अपडेट करें। उन्होंने लंबित मामलों की फाइलों, अपराध रिकॉर्ड और जांच की प्रगति की भी गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सर्किल इंस्पेक्टर हनोक और एसआई रामकृष्ण राव से लंबित मामलों की जांच की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

बागरा ग्रामवासियों ने मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के बाद स्कूल के विकास के लिए दिए 2.51 लाख

बागरा (राजस्थान), 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। धार्मिक आस्था और सामाजिक दायित्व की मिसाल पेश करते हुए बागरा ग्रामवासियों ने प्रेरणादायी पहल की है। श्री जालंधरनाथ जी महाराज एवं पीर श्री शांतिनाथ जी महाराज के नवनिर्मित मंदिर के भव्य प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की पूर्णाहुति के अवसर पर मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव समिति एवं ग्रामवासियों ने पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बागरा के विकास कोष के लिए 2 लाख 51 हजार रुपये की सहयोग राशि भेंट की।

ग्रामवासियों ने संकल्प लिया था कि धार्मिक आयोजनों से प्राप्त सहयोग को समाज के विकास में भी लगाया जाए। इसी सोच के तहत यह राशि विद्यालय को प्रदान की गई, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिल सकें।

विद्यालय के प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने कहा कि समाज की वास्तविक उन्नति शिक्षा से ही संभव है।

धर्म और संस्कृति के साथ शिक्षा को महत्व देने से समाज प्रगति करता है।

उन्होंने बताया कि यह राशि विद्यार्थियों के हित में शैक्षणिक संसाधनों के विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने में खर्च की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पीर श्री शांतिनाथ जी महाराज का शिक्षा के प्रति विशेष लगाव रहा है और उनकी स्मृति में दिया गया यह दान आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की मजबूत नींव बनेगा। प्रधानाचार्य ने समिति एवं समस्त ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर समिति के सदस्यों ने प्रधानाचार्य को सहयोग राशि का चेक भेंट कर माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में हस्तीमल अग्रवाल, भभूत सिंह जोरावत, रामगोपाल अग्रवाल, जय सिंह दहिया, सोहन सिंह काबावत, महिपाल सिंह सिंघल सहित विद्यालय स्टाफ और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मदनूर में हिरणों के झुंड का आतंक, सोयाबीन-कपास की फसलें चौपट

मदनूर, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के सोनाला सीमांत क्षेत्र में हिरणों के झुंड किसानों के लिए मुसीबत बन गए हैं। स्थानीय किसान एवं पूर्व उप सरपंच कंचिनवार यादव ने पत्रकार से बातचीत में बताया कि हर साल हिरणों के झुंड खेतों में घुसकर सोयाबीन, मूंग, उड़द और कपास के कोमल पौधों को अपना निवाला बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि हिरण कोमल अंकुर और पत्तियों को खा जाते हैं, वहीं झुंड में दौड़ने से पूरी खड़ी फसल रौंद दी जाती है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार वन विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। एक तरफ बारिश न होने से किसान पहले ही परेशान हैं, तो दूसरी तरफ कीटों का प्रकोप और हिरणों के झुंड फसलों को तबाह कर रहे हैं, जिससे किसान बर्बादी की कगार पर है। किसानों ने वन विभाग से हिरणों से फसल बचाने के लिए तत्काल उपाय करने की मांग की है।

राधे-राधे ग्रुप के साथ सेवा का अवसर मिलना ईश्वर की विशेष कृपा : आशा अग्रवाल

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में गुरुवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन सेवा, समर्पण एवं मानवता की भावना के साथ किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए आशा अग्रवाल ने कहा कि हम सभी बहुत सौभाग्यशाली हैं कि हमें राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के माध्यम से जरूरतमंद, गरीब एवं असहाय लोगों की सेवा करने का पावन अवसर प्राप्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि किसी भी जरूरतमंद की सहायता करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना है। जब किसी भूखे को भोजन मिलता है और उसके चेहरे पर संतोष की मुस्कान आती है, तभी सेवा का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होता है।

आशा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से निरंतर निस्वार्थ भाव से अन्नदान एवं विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में मानवता की मिसाल कायम कर रहा है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाने का कार्य कर रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि सेवा का संस्कार व्यक्ति को विनम्रता, संवेदनशीलता और परोपकार की भावना से जोड़ता है तथा ऐसे कार्यों से समाज में प्रेम, भाईचारा और सामाजिक समरसता को नई शक्ति मिलती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद से जुड़कर उन्हें आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि सेवा और संस्कारों का ऐसा अभियान है जो प्रत्येक व्यक्ति को मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने समाज के सभी सक्षम लोगों से आग्रह किया कि वे भी समय-समय पर सेवा कार्यों में अपनी सहभागिता निभाकर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियाँ लाने का प्रयास करें।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, आशा अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया एवं भंवरलाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धा एवं समर्पण भाव से जरूरतमंद लोगों को अन्न वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया तथा समाज में सेवा, सहयोग और करुणा की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

दुबई की नामी कंपनी में 500 पदों पर भर्ती, 21 जुलाई को हैदराबाद में होगा वॉक-इन इंटरव्यू

पेद्दापल्ली, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला रोजगार अधिकारी एम. राजशेखर ने गुरुवार को बताया कि संयुक्त अरब अमीरात के दुबई स्थित एक प्रमुख कंपनी में विभिन्न श्रेणियों के 500 पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

यह भर्ती तेलंगाना सरकार की अधिकृत भर्ती एजेंसी तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकॉम) के माध्यम से की जाएगी।

रोजगार अधिकारी के अनुसार सफाईकर्मी, टाइल मिस्त्री, ऑल-राउंडर मिस्त्री, ब्लॉक/प्लास्टर मिस्त्री, स्टील फिक्सर, शटरिंग कारपेंटर, प्लंबर, औद्योगिक इलेक्ट्रीशियन, पेंटिंग कारपेंटर, चखऋ वेल्डर और जनरल हेल्पर श्रेणियों में रिक्तियां हैं।

चयनित उम्मीदवारों को कौशल के अनुसार वेतन के साथ ओवरटाइम का भुगतान किया जाएगा। कंपनी द्वारा आवास, परिवहन और भोजन की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाएगी। कार्य अवधि प्रतिदिन 9 घंटे रहेगी। आवेदक के पास संबंधित ट्रेड में कार्य अनुभव होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया वॉक-इन इंटरव्यू के माध्यम से होगी। साक्षात्कार 21 जुलाई को हैदराबाद में मसाब टैंक स्थित टॉमकॉम कार्यालय में आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार अपना बायोडाटा, पासपोर्ट, शैक्षणिक योग्यता और अनुभव प्रमाण पत्रों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित हों।

बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल में मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं, ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

बेल्लमपल्ली, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एमसीपीआई (यू) पार्टी के जिला सचिव पसुलेटी वेंकटेश ने गुरुवार को सरकारी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रवि को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भर्ती मरीजों को मेन्यू के अनुसार भोजन न देने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। उन्होंने कहा कि 100 बिस्तरों वाले बेल्लमपल्ली सरकारी अस्पताल में भर्ती मरीजों को तय मेन्यू के अनुसार भोजन नहीं दिया जा रहा है। मेन्यू केवल दीवारों पर लगे चार्ट तक ही सीमित है। उन्होंने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे हटाकर नए ठेकेदार की नियुक्ति की मांग की।

गोलकोंडा में पहले बोनम के साथ आषाढ़ बोनालु उत्सव शुरू

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सामाजिक सद्भाव और साझी संस्कृति का प्रतीक एवं सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक उत्सवों में से एक, आषाढ़ बोनालु उत्सव गुरुवार को ऐतिहासिक गोलकोंडा किले के शीर्ष पर स्थित देवी जगदंबिका महाकाली को पहला बोनम (प्रसाद) अर्पित करने के साथ शुरू हो गया।

सरकार के सलाहकार वी हनुमंत राव और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क की पत्नी भट्टी नंदिनी ने मंदिर में पहला बोनम अर्पित किया।

बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मलकाजगिरी जिलों के 3,000 से अधिक मंदिरों में इस उत्सव को मनाने के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। लोगों को बोनालु की शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने इस उत्सव को शक्ति पूजा की एक अनूठी परंपरा बताया, जो तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति, विरासत और सांप्रदायिक सद्भाव को दर्शाती है।

मंत्री सुरेखा ने कहा कि बंदोबस्ती विभाग द्वारा आयोजित यह उत्सव 13 अगस्त तक जारी रहेगा, जिसका समापन हरिबाउली स्थित अक्काना-मादन्ना महाकाली मंदिर में बोनालु उत्सव के बाद घटमों के विसर्जन के साथ होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस वर्ष के बोनालु उत्सव के लिए 20 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि देवी के आशीर्वाद से वर्तमान सूखा समाप्त होगा और एक समृद्ध कृषि मौसम सुनिश्चित होगा।

उन्होंने कहा कि लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक प्रबंध किये गये हैं और उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिये गये हैं।

अल नीनो बढ़ा सकता है तेलंगाना के किसानों की चिंता

राज्य सरकार आकस्मिक योजना के साथ तैयार

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव गुरुवार को सचिवालय में एक विशेष आकस्मिक योजना (कंटिनजेंसी प्लान) जारी करने जा रहे हैं। यह राज्य की पहली ऐसी कार्ययोजना है जिसे एक वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर और अल नीनो के संभावित प्रभावों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस अवसर पर आयोजित समीक्षा बैठक में कृषि और सहकारिता क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों के विभागाध्यक्षों ने भाग लिया।

वर्षा के आंकड़ों और प्रभाव पर व्यापक कार्ययोजना तैयार

कृषि मंत्री ने कहा कि सूखे जैसी स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला कलेक्टरों और जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले उपायों को रेखांकित करते हुए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। बैठक में बताया गया कि मंडल और जिलावार वर्षा की कमी से संबंधित विस्तृत आंकड़े उपलब्ध करा दिए गए हैं और परिस्थितियों के अनुरूप उचित कदम उठाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी तैयार कर लिए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अगले दो महीनों के मौसम पूर्वानुमानों का वैज्ञानिक रूप से विश्लेषण किया गया है और उसे इस कार्ययोजना में शामिल किया गया है। मंत्री ने कहा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली मौसम संबंधी जानकारी दैनिक, साप्ताहिक और मासिक आधार पर संबंधित विभागों के साथ साझा की जाएगी। इसके साथ ही मौसम में होने वाले बदलावों की निरंतर निगरानी करते हुए किसानों को आवश्यक परामर्श जारी किए जाएंगे।

फसल नुकसान को कम करने के लिए आपसी समन्वय पर जोर

कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि मौसम की स्थिति के अनुरूप किसानों को फसल चयन, पानी के उपयोग और कृषि प्रबंधन पर वैज्ञानिक सलाह प्रदान करके फसल के नुकसान को कम करना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों को आपस में पूर्ण समन्वय के साथ काम करना होगा।

भाजपा ने स्कूल में धार्मिक शिक्षा का लगाया आरोप, सरकार से कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को हैदराबाद के पुराने शहर के एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा में छात्रों को कलमा पढ़ाए जाने का आरोप लगाया।

भाजपा के मुख्य राज्य प्रवक्ता एनवी सुभाष ने इस घटना को निंदनीय बताते हुए कहा कि शिक्षण संस्थानों को धार्मिक शिक्षा का मंच बनाने की बजाय संवैधानिक मूल्यों और शैक्षणिक शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए।

उन्होंने दूसरी कक्षा के छात्रों के होमवर्क असाइनमेंट में कलमा शामिल किए जाने की बात सामने आने पर अभिभावकों द्वारा इस पर आपत्ति जताने का दावा किया। श्री सुभाष ने एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में बच्चों को धार्मिक शिक्षा देने को अस्वीकार्य बताते हुए कहा कि अगर ये खबरें सच पाई जाती हैं तो कार्रवाई की जानी चाहिए।

उन्होंने कांग्रेस सरकार पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण का आरोप लगाते हुए इस घटना को पार्टी के राजनीतिक रुख से जोड़ा। भाजपा नेता ने राज्य सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए स्कूलों के धर्मनिरपेक्ष बने रहने और वहां किसी भी तरह की धार्मिक शिक्षा या विचारधारा थोपने से मुक्त रहने की बात कही। उन्होंने साथ ही संवैधानिक मूल्यों के प्रति कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाए।

कृषि अधिकारी ने किसानों को अल नीनो के बारे में जागरूक किया

मदनूर, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंडल कृषि अधिकारी राजू ने गुरुवार को मदनूर मंडल के सुल्तानपेट और शेखपुर गांवों में किसानों को अल-नीनो मौसम प्रभाव के बारे में जागरूक किया। उन्होंने बताया कि अल-नीनो प्रभाव के कारण इस वर्ष पर्याप्त वर्षा होने की संभावना कम है, इसलिए किसानों को धान की जगह कम पानी में होने वाली सिंचित फसलों की खेती करनी चाहिए। उन्होंने सूखा-सहिष्णु फसलों जैसे बाजरा, तिल, सज्जा (ज्वार) और सब्जियों की खेती करने का सुझाव दिया।

कृषि अधिकारी ने मंडल में धान की खेती करने वाले किसानों को वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए वैकल्पिक फसलों की ओर रुख करने की सलाह दी, ताकि संभावित नुकसान से बचा जा सके।

इस जागरूकता कार्यक्रम में सुल्तानपेट गांव के सरपंच राजेश्वर गौड़, उप सरपंच, शेखपुर के उप सरपंच, एईओ विशाल तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

डॉक्टरों ने छह वर्षीय बच्चे के गुर्दे से दुर्लभ रसौली निकाली

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद स्थित एशियाई नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी संस्थान के डॉक्टरों ने छह वर्षीय बच्चे के गुर्दे से रसौली को दूरबीन विधि से निकालने में सफलता हासिल की है।

यह बच्चा एक दुर्लभ जन्मजात विकृति के साथ पैदा हुआ था, जिसमें दोनों गुर्दे आपस में जुड़े होते हैं। चिकित्सकों ने इस जटिल प्रक्रिया को आधुनिक और न्यूनतम चीरे वाली दूरबीन शल्यचिकित्सा प्रणाली से अंजाम दिया।

अस्पताल ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि बच्चे को पेशाब में खून आने के बाद भर्ती कराया गया था। जांच से पता चला कि बच्चे के शरीर में एक दुर्लभ स्थिति थी जहाँ दोनों गुर्दे आपस में जुड़कर शरीर के एक ही तरफ स्थित थे। असामान्य शरीर संरचना और खून की नलियों की वजह से यह ऑपरेशन बहुत मुश्किल था।डॉक्टरों ने आधुनिक तरीकों और ऑपरेशन के दौरान दूरबीन पराध्वनि तकनीक का इस्तेमाल किया। डॉक्टरों ने स्वस्थ गुर्दे के ऊतकों और उसकी कार्यप्रणाली को सुरक्षित रखते हुए सूक्ष्म छिद्र से रसौली की सटीक पहचान की और उसे बाहर निकाल दिया। बच्चा बिना किसी बड़ी जटिलता के ठीक हो गया और उसे स्वस्थ स्थिति में चिकित्सालय से छुट्टी दे दी गई।

शल्यचिकित्सक दल का नेतृत्व करने वाले डॉ. सैयद मोहम्मद गौस ने कहा कि आधुनिक चित्रण तकनीकों ने गुर्दे को सुरक्षित रखते हुए रसौली को सटीक रूप से हटाने में मदद की। संस्थान के प्रबंध निदेशक डॉ. मल्लिकार्जुन सी. ने कहा कि जटिल शारीरिक संरचना के बावजूद न्यूनतम चीरे वाली तकनीकों ने गुर्दे को अधिकतम सुरक्षित रखने में सहायता की। यह शल्यक्रिया डॉ. सैयद मोहम्मद गौस, डॉ. मल्लिकार्जुन सी. और कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुमार रेड्डी अदापाला की टीम ने की।

जीवित आदिवासी महिला को कागजों में मृत दिखाकर जमीन हड़पी

पेद्दापल्ली, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पलकुर्ती मंडल में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक आदिवासी महिला को जीवित रहते हुए ही सरकारी रिकॉर्ड में मृत दिखाकर उसकी जमीन किसी और के नाम पर कर दी गई। पीड़िता ने कलेक्टर से शिकायत के बाद जिला मुख्यालय में मीडिया के सामने अपनी आपबीती सुनाई।

बामला नायक तांडा निवासी इस्लावत सुजाता ने बताया कि अतीत में सरकार ने सर्वे नंबर 111 के तहत उनके गांव के 66 आदिवासी परिवारों को 24-24 गज जमीन के पट्टे आवंटित किए थे। हाल ही में जब उनके खाते में किसान बीमा की राशि नहीं आई, तो उन्होंने तहसील कार्यालय में पूछताछ की। जांच में पता चला कि उनके नाम की जमीन को विरासत के आधार पर किसी और के नाम पर हस्तांतरित कर दिया गया है।

पीड़िता का आरोप है कि उसके जीवित रहते हुए ही फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र तैयार कर जमीन का अवैध हस्तांतरण किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पलकुर्ती तहसीलदार को पूरे मामले की जानकारी होने के बावजूद अवैध स्वामित्व विलेख जारी कर दिया गया।इस्लावत सुजाता ने सरकार से मांग की है कि जमीन को पुनः उनके नाम पर दर्ज किया जाए और फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर अवैध पट्टा जारी करने वाले पलकुर्ती तहसीलदार के खिलाफ गहन जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू करेगी भाजपा

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई ने कहा है कि पार्टी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को के लिए पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी।

तेलंगाना भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बसवा लक्ष्मीनरसैया ने गुरुवार को नामपल्ली में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस सरकार प्रतिकूल मौसम में फसल के नुकसान का सामना कर रहे किसानों की रक्षा करने में विफल रही है। उन्होंने तेलंगाना में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) को तुरंत लागू करने की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना के किसान गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें बेमौसम बरसात की वजह से फसल के नुकसान का सामना करना पड़ा। अब कम वर्षा के कारण उन्हें अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे कठिन समय में किसानों का समर्थन करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार ऐसा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के किसान फसल बीमा के दायरे से बाहर बने हुए हैं।

श्री लक्ष्मीनरसैया ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सूखा, बाढ़ और बेमौसम बारिश जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले फसल के नुकसान के खिलाफ बीमा सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना में लगभग नौ साल बाद भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लागू नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के प्रीमियम के अपने हिस्से का भुगतान नहीं किया है।

राज्य से पीएमएफबीवाई को तुरंत लागू करने की मांग करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी ने लगातार किसानों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है और तब तक अपना संघर्ष जारी रखेगी जब तक कि तेलंगाना के हर किसान को फसल बीमा सुरक्षा का लाभ नहीं मिल जाता।

नशीले पदार्थ-विरोधी अभियान के दौरान विधान पार्षद के बेटे समेत चार हिरासत में

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंगलहाट इलाके में नशीले पदार्थ-विरोधी अभियान के दौरान पुलिस ने बुधवार की रात चार लोगों को हिरासत में लिया, जिनमें विधान पार्षद (एमएलसी) का बेटा भी शामिल है।

पुलिस के मुताबिक ईगल टीम, कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले कर्मियों और आबकारी अधिकारियों की टीमों ने इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए नजर बनाये रखी थी। उन्होंने नशीले पदार्थों के लेन-देन की जानकारी मिलने पर कार्रवाई की और उसकी आपूर्ति करने वाले आपूर्तिकर्ता को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया। अभियान के दौरान इन चारों लोगों को नशील पदार्थ खरीदने आते समय रोका गया। उन्हें मंगलहाट थाना ले जाया गया, जहां उनके खून के नमूने लिए गये और बाद में मेडिकल जांच के लिए उस्मानिया जनरल अस्पताल भेजा गया।

पुलिस ने अभी तक हिरासत में लिए गए लोगों की पहचान या मामले की जानकारी का खुलासा नहीं किया है। उनका कहना है कि जांच चल रही है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

वायएफएलओ ने लॉन्च किया आर्ट बियॉन्ड वॉल्स अभियान, पहली कलाकृति का अनावरण

हैदराबाद, 16 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। यंग फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (वायएफएलओ), हैदराबाद ने आज पार्क हयात हैदराबाद में एक अनूठी सार्वजनिक कला पहल आर्ट बियॉन्ड वॉल्स की शुरुआत की। इसका उद्देश्य संग्रहालय स्तर की भारतीय कलाकृतियों को शहर के लक्ज़री होटलों और सार्वजनिक स्थानों पर लाना है।

इस दूरदर्शी परियोजना का औपचारिक उद्घाटन तेलंगाना के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क की पत्नी श्रीमती नंदिनी मल्लू ने फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री पूजा गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति में किया।

कला को जनता के करीब लाने की पहल

यह अभियान फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा गर्ग द्वारा शुरू की गई व्यापक 'विजुअल आर्ट्स इनिशिएटिव' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय दृश्य कला और कलाकारों को एक सार्थक मंच प्रदान करना है। उद्घाटन के अवसर पर पूजा गर्ग ने हैदराबाद टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सिर्फ कला स्थापना का कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन की शुरुआत है जो समाज में कला की पहुंच को सुगम बनाएगा।

इस पहल के तहत पहली स्थापना के रूप में, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय ललित कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय मूर्तिकार धनंजय सिंह द्वारा निर्मित एक विशाल मूर्तिकला द ट्री (ढहश ढॲशश) को पार्क हयात हैदराबाद में स्थायी रूप से स्थापित किया गया है। पूरी तरह से स्टेनलेस-स्टील के तारों से बुनी गई यह कलाकृति विकास, लचीलेपन और परस्पर जुड़ाव को दर्शाती है।

वायएफएलओ हैदराबाद की चेयरपर्सन खुशबू डागा ने बताया, शहर केवल अपनी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति से याद रखे जाते हैं। आर्ट बियॉन्ड वॉल्स के जरिए हम एक स्थायी सांस्कृतिक विरासत बना रहे हैं।

यह एक बहु-चरणीय परियोजना है। इसके तहत हैदराबाद के प्रमुख लक्ज़री होटलों में कुल छह बड़ी कलाकृतियां स्थापित की जाएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.